ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विजयेंद्र ने धर्मस्थल मामले की एनआईए जाँच की माँग की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 26 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-236

सीएए लाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जवाब दें...

बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार का दोषी पूर्व सांसद भारत में कैसे घुसा?

बहाउद्दीन बहार और उसकी बेटी को कैसे मिली नागरिकता?

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ भीषण नरसंहार का षडयंत्र रचने वाले भारत विरोधी पूर्व सांसद एकेएम बहाउद्दीन बहार और उसकी बेटी तहसीन बहार भारत में कैसे घुसे? पश्चिम बंगाल के राजरहाट में उसे आलीशान कोठी में रहने की सुविधा कैसे मिली? दोनों बाप-बेटी को भारतीय आधार कार्ड, पासपोर्ट और भारतीय नागरिकता के दस्तावेज कैसे मिल गए? ऐसे कट्टर इस्लामिक शैतान को भारत में रहने की इजाजत किसने दी? भारत सरकार ने या पश्चिम बंगाल सरकार ने? उसके घुसने से लेकर उसके रहने और उसके भारतीय दस्तावेज हासिल करने तक के घटनाक्रम के बीच भारत की खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं? ये ऐसे गंभीर सवाल हैं, जिसका जवाब सीधे तौर देश के गृह मंत्री अमित शाह को देना चाहिए और इस बारे में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से कानूनन जवाब मांगा जाना चाहिए। इस घटना ने भारत के नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) की धज्जियां उड़ा दी हैं।

कोलकाता में बहार को आलीशान सुविधाएं कैसे हासिल हुईं?

शुभ-लाभ चिंता

अक्टूबर 2021 में दुर्गा पूजा के दौरान कोमिला के निर्वाचन क्षेत्र-6 में नानुआ दिघी के तट पर हिंदुओं के साथ जघन्य घटना घटी ती। वह बांग्लादेश के इतिहास में सांप्रदायिक हिंसा के सबसे काले अध्यायों में से एक है। दुर्गा पूजा मंडप में हनुमान की गोद में कुरान की प्रति रखे जाने का कट्टरपंथी मुस्लिमों का कुकृत्य भयंकर रक्तपात में परिणत हुआ था। यह सुनियोजित साजिश के तहत किया गया था और इसका दोष-ारोपण हिंदुओं पर कर दिया गया था। इसी बहाने कट्टरपंथी इस्लामी भीड़ ने हिंदू मंदिरों पर हमला कर दिया, दुर्गा पूजा पंडालों में तोड़फोड़ की, हिंदुओं के घरों में आग लगा दी और हिंदू महिलाओं और लड़कियों पर हमला किया। कोमिला में, एक इस्कॉन भक्त की चरमपंथियों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। हिंदू अल्पसंख्यकों में दहशत इतनी बढ़ गई कि कई जिलों में दुर्गा पूजा अचानक रोक दी गई थी।

इस अपराध की दोषी भारत सरकार या प. बंगाल सरकार?

इस घटना के पीछे की साजिश का पर्दाफाश तब हुआ, जब सीसीटीवी फुटेज सामने आया।

▶10 पर

भारत और फिजी ने सात महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए

भारत और फिजी की आकांक्षाएं एक ही नाव पर सवार : मोदी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका, स्थानीय हैदराबाद हाउस में भारत और फिजी के बीच हुए समझौतों के आदान-प्रदान के साक्षी बने। प्रधानमंत्री मोदी और उनके फिजी समकक्ष राबुका के बीच वार्ता के बाद भारत और फिजी ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका प्रधानमंत्री मोदी की बुधवार को एक संयुक्त प्रेस वार्ता हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने जलवायु परिवर्तन को फिजी के लिए खतरा बताते हुए कहा कि हम आपदा प्रतिक्रिया से निपटने में उसकी मदद करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिजी भले ही महासागरों से बंटे हुए हों, लेकिन हमारी आकांक्षाएं एक ही नाव पर सवार हैं। इस दौरान फिजी के नेता भी उनके साथ थे। पीएम मोदी ने कहा, 33 वर्षों के बाद, वर्ष 2014 में किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने फिजी का दौरा किया। मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि यह मेरा सौभाग्य था। उस समय, हमने फॉरेन फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड क ो अ ॉ प र े श न (एफआईपीआईसी) का गठन किया था। इस पहल ने न केवल भारत-फिजी संबंधों को बल्कि पूरे प्रशांत क्षेत्र के साथ हमारे संबंधों को भी मजबूत किया। प्रधानमंत्री राबुका की इस यात्रा के साथ, हम अपने संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ रहे हैं।

दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के प्रधानमंत्री के रूप में पहली भारत यात्रा

भारत और फिजी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिजी के समकक्ष सितवेनी लिगामामादा राबुका के साथ व्यापक वार्ता के बाद अपने रक्षा संबंधों को विस्तार देने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिजी भले ही महासागरों की दूरी पर हों, लेकिन हमारी आकांक्षाएं एक ही ▶10 पर

अमित शाह ने राहुल गांधी की नैतिकता पर उठाए सवाल

तब मनमोहन सरकार का अध्यादेश क्यों फाड़ा था?

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नैतिकता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अमित शाह ने कहा कि क्या तीन आम चुनाव लगातार हारने के बाद राहुल गांधी की नैतिकता बदल गई है? अमित शाह ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। शाह ने वर्ष 2013 की उस घटना का भी जिक्र किया, जिसमें राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश की प्रति सार्वजनिक स्थल पर फाड़ डाली थी।

अमित शाह ने कहा कि मनमोहन सिंह सरकार में लाए गए अध्यादेश को राहुल गांधी ने क्यों फाड़ दिया था? अगर उस दिन उनमें नैतिकता थी तो अब क्या हो गया? क्या सिर्फ इसलिए कि आप तीन चुनाव लगातार हार चुके हैं तो आपकी नैतिकता बदल गई? नैतिक मूल्य चुनाव में हार जीत से जुड़े हुए नहीं होते हैं बल्कि नैतिक मूल्य चंद्रमा और सूरज की तरह अडिग होने चाहिए। उल्लेखनीय है कि मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को पलटने के लिए अध्यादेश लाया गया था। यह अध्यादेश बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव को बचाने के लिए लाया गया था, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अयोग्य घोषित हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने दोषी सांसदों और विधायकों की सदस्यता रद्द करने और उन्हें अयोग्य घोषित करने का फैसला सुनाया था। मनमोहन सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश में अयोग्य घोषित किए गए सांसदों-विधायकों को तीन महीने का समय दिया गया था, जिसमें वे दोबारा निर्वाचित हो सकते थे, लेकिन राहुल गांधी ने इसे गलत बताते हुए फाड़ दिया था। इससे राहुल गांधी की अपनी ही पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा हो गई थी।

केंद्र सरकार ने हाल ही में मानसून सत्र के दौरान 130वां संविधान संशोधन विधेयक, 2025 पेश किया। इस विधेयक में 30 दिनों तक जेल में रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्रियों को पद से ▶10 पर

मस्जिद से गाजा के नाम पर मिला चंदा, खा गए सीरियाई

अहमदाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

गुजरात पुलिस ने एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है। इसमें चार सीरियाई नागरिकों पर आरोप है कि उन्होंने गाजा पीड़ितों के नाम पर चंदा इकट्ठा किया और उस पैसे को अपनी आलीशान जिंदगी पर खर्च किया। पुलिस ने इनमें से दमिश्क के रहने वाले एक आरोपी अली मेघत अल-अजहर को अहमदाबाद के एलिसब्रिज इलाके के एक होटल से गिरफ्तार किया है। उसके पास से 3,600 अमेरिकी डॉलर और 25,000 रुपए नकद बरामद हुए हैं।

बाकी तीन आरोपी जकारिया हैथम अलजार, अहमद अलहबाश और यूसुफ अल-जहर फिलहाल फरार हैं। ये सभी उसी होटल में ठहरे हुए थे। पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिए हैं ताकि वे भारत से भाग न सकें। संयुक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम ब्रांच) शरद सिंघल ने बताया कि जांच जारी है और बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। जांच में सामने आया है कि यह चारों टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे। वे 22 जुलाई को कोलकाता उतरे और 2 अगस्त को अहमदाबाद पहुंच गए। ▶10 पर

अमेरिका के टैरिफ पर बोले रूस में तैनात भारत के राजदूत

भारत को जहां सस्ता तेल मिलेगा, वहां से खरीदेगा

मॉस्को, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने के ट्रंप के फैसले को रूस में तैनात भारत के राजदूत विनय कुमार ने अनुचित और अन्यायपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राथमिकता 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा है। लिहाजा, भारतीय कंपनियां तेल वहीं से खरीदेंगी जहां से सबसे बेहतर सौदा मिलेगा, चाहे वह रूस ही क्यों न हो।

अमेरिका ने बीते दिनों भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ (कुल मिलाकर 50 प्रतिशत) लगाने का ऐलान किया था। अमेरिका का यह ऐलान भारत के रूस से तेल खरीदने को लेकर लगाया गया। इसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते में तनाव भी बना। रूस से तेल खरीदने के निर्णय को लेकर भारत सरकार ने बड़ी बेबाकी से अपना पक्ष रखा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तो साफ-साफ कहा कि यूक्रेन से युद्ध के बीच ही यूरोपीय संघ रूस से तेल खरीद रहा है। उन्होंने विश्व को यह भी बताया कि भारत की तुलना में चीन रूस से अधिक तेल खरीद रहा है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति का भारत पर टैरिफ का बोझ थोपना उनकी बौखलाहट का परिचय देने वाला है।

रूस के साथ सहयोग से वैश्विक तेल बाजार में आई स्थिरता

रविवार को एक रूसी समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए तेल वहीं से खरीदेगा जहां से सबसे अच्छा सौदा मिलेगा। उन्होंने अमेरिकी फैसले को अनुचित, गैरवाजिब और अन्यायपूर्ण बताया और कहा कि भारत की ऊर्जा नीति का मकसद देश के 1.4 अरब लोगों को ऊर्जा सुरक्षा देना है और रूस जैसे देशों के साथ सहयोग से वैश्विक तेल ▶10 पर

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदलना दुखद

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस अभय एस ओका ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने विशेष रूप से आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा पूर्व का फैसला बदले जाने को दुखद बताया और कहा कि यह चलन में न्यायिक प्रक्रिया के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। आवारा कुत्तों पर दिए गए जस्टिस जेबी पारदीवाला के फैसले को विरोध के बाद बदल दिया गया। जस्टिस ओका ने कहा, इस तरह सुप्रीम कोर्ट का न्यायिक फैसला गंभीर सवालों के घेरे में आ गया है।

उल्लेखनीय है कि 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में आवारा कुत्तों को पकड़कर उन्हें शेल्टर होम (आश्रय स्थल) में भेजने का आदेश दिया था। पशु प्रेमियों, मानवाधिकार संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस फैसले की आलोचना की। इस आलोचना के तुरंत बाद भारत के ▶10 पर

एसआईआर का नतीजा, पकड़ी गईं पाकिस्तानी महिलाएं

बांग्लादेशी ही नहीं, पाकिस्तानी भी हैं बिहार में वोटर

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

जिस वोटर लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) को लेकर विपक्ष हंगामा खड़ा कर रहा है। उसी प्रक्रिया के दौरान बिहार के भागलपुर में अवैध रूप से रह रही दो औरतों को पकड़ा गया है। पाकिस्तान की इमराना खानम और फिरदौसिया खानम 1956 से ही भारत में छिपकर रह रही थीं। उनके पास आधार कार्ड भी मिले हैं। दोनों औरतें पाकिस्तान के पासपोर्ट पर साल 1956 में भारत आई थीं। इमराना खानम तीन साल के वीजा और फिरदौसिया तीन महीने के वीजा पर भारत में घुसी थी। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक दोनों ही औरतों ने वीजा को नवीनीकरण कराए बिना भारत में अवैध ढंग से रहना जारी रखा। यह मामला बिहार में एसआईआर के तहत मतदाता सूची की जांच में सामने आया। प्रक्रिया में नागरिकता की भी जांच की जा रही है। दोनों पाकिस्तानी औरतों का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल है, जिसे गृह मंत्रालय ने हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने 11 अगस्त 2025 को दोनों पाकिस्तानी औरतों के नाम मतदाता सूची से हटाने को लेकर प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दे दिए हैं। इसकी जानकारी देते हुए बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) फरजाना खानम ने कहा, मुझे लेटर मिला है, जिसमें इमराना खानम का पाकिस्तानी पासपोर्ट नंबर हैं। वे काफी उम्रदराज हैं और बीमार रहती हैं। बीएलओ ने कहा, मंत्रालय के निर्देशों के मुताबिक मतदाता सूची से औरतों के नाम हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इमराना खानम का पासपोर्ट 1956 का है। अब इस मामले में विभाग आगे की जांच करेगा। भागलपुर के जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने भी वोटर लिस्ट में ▶10 पर

पाकिस्तानियों के वोटर आईडी और आधार कार्ड भी मिले

बांग्लादेशी घुसपैठियों के पक्ष में खुल कर आई कांग्रेस

चट्टेबट्टे लेकर असम पहुंचा कांग्रेसी जत्था

गुवाहाटी, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशभर में पाकिस्तानियों, बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ बने माहौल के बीच ही उन तत्वों की भी शिनाख्त हुई जो भारत में रहते हुए भारत विरोधी घुसपैठियों की पैरोकारी कर रहे हैं। इसी दरम्यान बिहार में मतदाता पुनरीक्षण में बड़ी तादाद में घुसपैठियों को वोटर बनाए जाने के कुकृत्य का पर्दाफाश होने के बाद कांग्रेस का असली चेहरा खुल कर सामने आ गया। कांग्रेस के पिछलग्गू दल भी मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के खिलाफ शोर मचा रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग के समक्ष तथ्य प्रस्तुत करने से भाग रहे हैं। कांग्रेस सरकार में योजना आयोग की सदस्य रहीं सैयदा हमीद अपनी भारतीयता और सारे संकोच ताक पर रख कर घुसपैठियों के समर्थन में खुल कर मैदान उतर आई हैं। उन्होंने यह भी कह दिया कि अल्लाह ने यह धरती इंसानों के लिए बनाई है। कोई भी धरती पर रह सकता है। यही सैयदा हमीद कश्मीर में मारे और भगाए जा रहे कश्मीरी पंडितों की त्रासदी पर चुप रहीं। यही सैयदा हमीद बांग्लादेश और पाकिस्तान में मारे जा रहे हिंदुओं के मसले पर चुप रहती हैं। यही सैयदा हमीद बांग्लादेश-पाकिस्तान-अफगानिस्तान में पीड़ित अल्पसंख्यकों के भारत आने का विरोध करता हैं। लेकिन उनके अंदर बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के प्रति बड़ी हमदर्दी है। इस हमदर्दी ने इतना झोंका मारा कि वे अपने चट्टेबट्टों के साथ असम पहुंच गईं। वहां भी सैयदा हमीद ने कहा, बांग्लादेशियों को भारत में रहने का पूरा हक है। असम में सैयदा का यह बयान उनके असम दौरे के समय आया जब असम सरकार इन दिनों सरकारी जमीनों से अवैध कब्जा हटाने और बांग्लादेश से ▶10 पर

हम इनसे सतर्क हैं और अपना काम कर रहे हैं: सरमा

जीण माँ के द्वितीय वार्षिकोत्सव पर आयोजित संगीतमय मंगलपाठ में झूमे भक्तगण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विजयनगर स्थित होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के पास बशेश्वर सुगनाना कल्याण मंडप में रविवार को श्री जीण माँ के दीवाने द्वारा जीण माँ के द्वितीय वार्षिकोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। दोपहर 3 बजे से जीण भक्तों के साथ संस्था के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार अग्रवाल, नवरंग लाल सुल्तानिया, मनालाल भामा, बिपिन अग्रवाल, राजेन्द्र नतानी ने जीण माता मन्दिर के पुजारी रामशंकर तिवारी के सानिध्य में विधिवत पूजन किया और अखंड ज्योत प्रज्वलित कर भक्ति कार्यक्रम की शुरुआत की। जयपुर से पधारे मेहमान गायक रविश सोनी, सोनम सोनी, गुलशन सोनी ने भगवान गणेश की वंदना म्हारा प्यारा रे गजानन्द आईजयो की प्रस्तुति के साथ हनुमान व पितर जी महाराज के भजनों के साथ जीण माँ के संगीतमय मंगलपाठ का वाचन कोलकाता के नृत्य कलाकारों की प्रस्तुति के साथ माँ जीण के चरित्र पर आधारित कला प्रस्तुति ने उपस्थित भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

राधा कृष्ण की रास लीला व बरसाने की फुलों की होली भी धूमधाम से भक्तों के साथ मनाई गई। कोलकाता के कारीगरों द्वारा राजस्थानी संस्कृति पर माँ जीण का भव्य सुंदर दरबार सजाया गया। भक्तों की भीड़ ने कतारबद्ध होकर भव्य दरबार और अखंड ज्योत के दर्शन किये। इस अवसर पर गायक कलाकारों का मैसूरु साफा व माला पहनाकर सम्मान किया गया। देर रात तक भक्तों ने झूम झूम कर भजनों का आनन्द लिया। इस मौके पर श्याम मंदिर के संस्थापक सदस्य रेवंतमल झँवर, दादी धाम प्रचार समिति के शिवकुमार टेकड़ीवाल, श्याम सखा परिवार के बिमल सुरोलिया, गौड़ ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया सहित बड़ी संख्या में सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के गणमान्य लोगों ने दरबार में उपस्थित होकर हाजरी लगाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में शशि शर्मा, नितेश खंडेलवाल, मितेश खंडेलवाल, मुकेश चौधरी, शुभम कंदोई का सहरानीय सहयोग रहा। महिला समिति की सदस्यों ने भी शानदार व्यवस्था से सहयोग प्रदान किया। मंच संचालन विमलेश जोशी ने किया। आरती के साथ भक्तिमय कार्यक्रम का समापन हुआ। नंदकिशोर चौधरी ने सभी भक्तों का आभार प्रकट किया। चेन्नई महिला समिति, हैदराबाद समिति से बहुत सारे भक्तों ने भाग लिया।

जो स्वयं को जानता है वह सभी को जानता है: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साध्वी निर्मला के सानिध्य में पर्युषण महापर्व के छठे दिन स्वयं को जानो विषय पर प्रवचन देते हुए साध्वी नंदिनी ने कहा कि जीवन का सबसे बड़ा संदेश है स्वयं को जानो। मनुष्य दिन-रात संसार को जानने में व्यस्त रहता है, परंतु आत्मा का ज्ञान सबसे श्रेष्ठ है। व्यक्ति स्वयं को नहीं खोजता बल्कि दूसरों को खोजने में लगा रहता है और एक दिन दूसरों को खोजते हुए स्वयं को भूल जाता है। स्वयं को खोजोगे तो पाओगे। दूसरों को खोजने से कुछ मिलने वाला नहीं है। स्वयं को जानने वाला ही सभी को जान सकता है। स्वयं को जानना यानी यह समझना कि मैं शरीर नहीं, मैं आत्मा हूँ। अपने दोषों को पहचानकर उनसे दूर होना। अपने गुणों को जागृत कर शांति और समता में रहना। साध्वी श्री ने भगवान महावीर का वचन स्मरण कराया अप्पा सो परखु, अप्पा सो खवहु अर्थात आत्मा को जानो और आत्मा को साधो। जब मनुष्य आत्मा की ओर उन्मुख होता है तो क्रोध, राग-द्वेष क्षीण होते हैं और जीवन शांति से भर जाता है। उन्होंने कहा अंतकृत दशांक सूत्र का विवेचन करते हुए कहा कि नब्बे महापुरुषों ने सहनशीलता, त्याग और तपस्या के माध्यम से सिद्धालय को प्राप्त किया। उन भव्य आत्माओं को याद कर उनका अनुसरण अपने जीवन में करने के भाव हमे रखने चाहिए। अंर्तमानस मे यह संकल्प लेने का पावन पर्व है यह पर्युषण पर्व। पूर्व में अंतकृत दशांक सूत्र का वांचन साध्वी ऋषिता ने किया। रविवार की प्रभावना के लाभार्थी गुलाबचंद प्रशांत पगारिया परिवार रहे। दोपहर में प्रभु महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर त्रिशला महिला मंडल के सदस्यों ने वर्धमान जन्मोत्सव की सुंदर नाटिका को प्रस्तुत किया। प्रभावना का लाभ जंबुकुमार श्रेयांस दुगड़ ने लिया। सोमवार की प्रभावना का लाभ उगमराज कमलकिशोर लूणावत ने लिया। ममता बागरेचा ने 18 उपवास, संदीप भुरट और रेणु सुरेश जैन ने 9 उपवास , अनेक श्रावक श्राविकाओं ने 5, 6 और 7 उपवास के पच्चखान लिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे और आत्मानुभूति का संदेश आत्मसात किया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया एवं सहमंत्री राकेश दलाल ने स्वागत किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

कल्पतरु से भी अनन्त गुणा गुणकारी, हितकारी और विस्मयकारी कल्पसूत्र: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने पर्व पर्युषण के अवसर पर कहा कि जीवन में हो कल्प की पालना मंगलकारी है कल्पसूत्र वांचना।

पर्युषण पर्व के दौरान आचार्य भद्रबाहु रचित श्री कल्पसूत्र की वाचना की जाती है। कल्पतरु से भी अनन्त गुणा गुणकारी, हितकारी और विस्मयकारी कल्पसूत्र है। कल्पतरु मांगने पर देता है पर कल्पसूत्र से मांगने की जरूरत नहीं। वह तो बिना मांगे ही दे देता है।

कल्पवृक्ष देकर भी क्या दे सकता है? वह मात्र भौतिक ऋद्धि-समृद्धि, धन-साधन और अर्थ-पदार्थ देता है पर कल्पसूत्र तो भौतिक अंधकार की गहन गुफाओं से बाहर निकालकर अध्यात्म के अद्भुत आलोक की यात्रा करवाता है।

आध्यात्मिक क्रान्ति का बीजसूत्र है, शांति, और क्षमा का स्वस्तिक है, आत्मिक आनंद और उल्लास का उत्सव-पर्वोत्सव है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में ऐतिहासिक रूप से भगवान महावीर जन्म वांचन हुआ। शालिभद्र पेटी का लाभ रमेश कुमार, ताराचंद परिवार ने लिया। वांचन की विनती सुरेश कुमार, मोहनलाल, पहला गजवर का लाभ विजयराज डूंगरचंद, दूसरा वृषभ का लाभ वरदीचंद मांगीलाल, तीसरा केशरी सिंह का लाभ गौतमचंद नाहर, चौथा लक्ष्मी देवी का लाभ विनिता राहुल झेला वाला, पांचवा फूलों की माला का लाभ जितेन्द्र कुमार विरचंद, छटा पूर्ण चंद्रमा का लाभ पूनमचंद गणेशमल, सातवां सूर्य का लाभ बाम्बे स्टेशनरी, आठवां इंद्र ध्वजा का लाभ कांतिलाल रामलाल, नववां पूर्ण कलश का लाभ महावीर कुमार वक्तावरमल, दसवां पद्म सरोवर भंवरलाल पेराजमल, ग्यारवां क्षीर समुद्र का लाभ पुरिबाई रिखबचंद, बारहवां देव विमान का लाभ जयंतीलाल शेषमल, तेरहवां रत्नों की राशि का लाभ पुखराज कपूरचंद, चौदहवां अग्नि शिखा का लाभ नेमीचन्द शेषमल ने लिया।

जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी के लिए उपमुख्यमंत्री को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नाथ चैप्टर, जीतो एपेक्स-महिला विंग एवं जीतो-केकेजी जोन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 5, 6 और 7 सितम्बर को त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड्स में जीतो जेवर एक्सपो और द ब्राइडल स्टोरी का भव्य आयोजन होगा।

इस आयोजन में गौरव मय उपस्थिति हेतु जीतो के एक प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया। उपमुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राज्य की आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ उद्योग एवं समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। मैं इस कार्यक्रम में शामिल होकर प्रसन्नता का अनुभव करूंगा। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने उप मुख्यमंत्री को आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि यह एक्सपो एक अनूठा मंच होगा, जहाँ विवाह से जुड़ी सेवाओं और ज्वेलरी जगत के प्रतिष्ठित ब्रांड्स को एक साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल व्यापारिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि समाज की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने और विवाह उद्योग को नई दिशा देने वाला साबित होगा। महामंत्री विजय सिंघवी ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए कहा कि इस आयोजन से बेंगलूरु सहित संपूर्ण कर्नाटक में ज्वेलरी और वेडिंग इंडस्ट्री को नई पहचान मिलेगी। व्यापार और समाज दोनों को जोड़ने का यह प्रयास जीतो की कार्यशैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस आमंत्रण प्रक्रिया में जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की टीम से प्रितेश जैन (सचिव), सुरेश गन्ना (कन्वीनर), संजीव गन्ना (सह-कन्वीनर), राकेश पोखरना (मैनेजिंग कमेटी सदस्य), प्रवीण गन्ना, प्रमोद भंडारी (सदस्य) एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी न केवल व्यापार जगत के लिए एक बड़ा अवसर होगा, बल्कि विवाह से जुड़ी हर आवश्यकता को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराकर समाज में एक नई सोच और सुविधा का मार्ग प्रशस्त करेगा।

श्री मातृछाया जैन महिला संगठन का दो दिवसीय प्रदर्शनी 16 सितम्बर से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मातृछाया जैन महिला संगठन की एक बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन द्वारा 16 एवं 17 सितम्बर को होटल त्रिशला रेजीडेंसी में भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने अपने विचारों से अवगत कराते हुए कहा कि इस आयोजन का विशेष उद्देश्य हमारे समाज की बहनों एवं भाइयों को बिना किसी आर्थिक बोझ के अपनी व्यवसायिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देना है। इस प्रदर्शनी में सभी स्टॉल पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे कोई भी व्यक्ति बिना चिंता एवं तनाव के अपना व्यवसाय प्रारंभ कर सके और अपनी आय चाहे छोटी हो या बड़ी, आत्मसम्मान के साथ कर सकें। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि इस सामाजिक व व्यावसायिक उत्थान की पहल को जयंतीलाल बालर एवं कांता समदरिया का विशेष सहयोग प्राप्त है। सभी सदस्याओं की पूर्ण सहमति से परियोजना को हरित संकेत प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन पुष्पा बाफना के नेतृत्व में होगा, जिसमें रेशमा बड़ोला, मोनिका एवं नीलम ललवानी सक्रिय भूमिका निभाएँगी। इस प्रदर्शनी में लगभग 50 स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें स्वादिष्ट फूड स्टॉल्स व चाट कॉर्नर, आकर्षक ज्वेलरी, परिधान, चप्पलें व आभूषण, आर्टिफैक्ट्स, एंटीक वस्तुएँ, घरेलू उपयोगी उत्पाद, ब्यूटी व किड्स प्रोडक्ट्स, बेकरी आइटम्स आदि विविध उत्पाद सम्मिलित रहेंगे। सभी उत्पाद उच्च गुणवत्ता वाले होंगे। आयोजन की विशेषताओं में प्रत्येक घंटे पर लकी ड्रॉ का आयोजन लाभार्थी त्रिशला दांतेवाडिया परिवार से एवं प्रत्येक आगंतुक को निःशुल्क शॉपिंग बैग प्रदान किया जाएगा। श्री मातृछाया जैन महिला संगठन समाज की प्रगति, भाईचारे एवं व्यवसायिक सहयोग की भावना को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। सभी से निवेदन किया जा रहा है कि इस प्रदर्शनी में सभी महिलाएं एवं समाजजन अवश्य पधारकर प्रदर्शकों का उत्साहवर्धन करें एवं इस सामाजिक पहल को सफल बनाएं। सभा में मीना सोनीगरा, त्रिशला दांतेवाड़िया, मीना सोलंकी, रीठा प्रेमजी, भावना संघवी, पवनी मुथा, कंचन जैन, सारिका लुंकड़, हेमा बंदामुथा, कान्ता समदडिया, लीला भंसाली, रिंकू फोलामुथा, मोनिका पारलेचा की भी उपस्थिति रही।

सुधरने का सभी को मौका मिलना चाहिए: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण पर्व के छट्ठे दिन के प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि सुधरने का सभी को मौका मिलना चाहिए। पापी से पापी व्यक्ति में भी मुक्ति पाने की योग्यता होती है। जब तक हम संसार में है, तब तक कोई न कोई पाप सभी से होता है। किसी छूट का हमे दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। अन्याय हो तो सशक्त प्रतिकार भी करना चाहिए। अंतगड दशा सूत्र का विवेचन करते हुए उन्होंने कहा कि अर्जुन माली एक हत्यारा था। सुदर्शन श्रावक सहयोग मिलने पर भगवान महावीर से मिलना हुआ और जीवन में ऐसा परिवर्तन आया कि उसी भव में मुक्ति हो गई। विवेक विषय पर प्रवचन करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि विवेक जीवन शैली का सूत्र होना चाहिए। धर्म स्थान पर आते वक्त वस्त्र मर्यादा अति आवश्यक है। पश्चिमी सभ्यता की नकल में हम धर्म स्थान पर भी अशोभनीय वस्त्र पहन कर आ जाते हैं। अपने जूते चप्पल भी विवेक से रखें। धर्म स्थान में हमारा प्रवेश भी ऐसा हो कि किसी को बाधा नहीं हो। हम वहां पर दोष देखने नहीं बल्कि कुछ सीखने जाएं। हमारा खाना, बोलना, सोना, उठना, चलना भी विवेक पूर्ण होना चाहिए। अपने घर में भी प्रत्येक कार्य में विवेक रखें। कई बार अविवेक से आकस्मिक दुर्घटना हो जाती है। जेपीपी महिला फाउंडेशन एवं नवकार बहु मंडल ने आगम अपनी विरासत विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। साध्वी निपुणप्रभा जी ने आगम वाचन किया। रिद्धिप्रभा जी ने गीत प्रस्तुत किया।

प्रवचन सभा में 45 तपस्वियों ने तप प्रत्याख्यान लिए। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि गुरुवार को संघ का सामूहिक क्षमापना आयोजन होगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

खुद पर नियंत्रण होने के बाद ही आती है भावना में भक्ति: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि पर्वाधिराज के पावन प्रसंग पर अंतगढ़ दशांग सूत्र के माध्यम में आगम वाणी का स्वादन चल रहा है। महापुरुषों का वर्णन चल रहा है। महापुरुषों का जीवन सीखने और आत्मसार करने वाला होता है। जो अच्छे संस्कारी नहीं होती हैं वही बुरे कार्य करते हैं। जब तक नदी शांत रहती है तब तब सब सही होता है। जब नदी अपना रूप दिखाती है तो विनाश होता है।

इसी तरह बचपन होता है। बचपन में संस्कार देना बहुत जरूरी होता है। बचपन से ही बच्चों को नियंत्रित रखना चाहिए। दस वर्ष का बच्चा जब हो तो उस पर थोड़ा नियंत्रण जरूरी है। अगर बचपन से नियंत्रण रखेंगे तो सब सही रहेगा। अन्यथा मामला अपने हाथ से निकल जाएगा। जहां संस्कारी बच्चे होते हैं, वह परिवार कभी नहीं टूटता है। जो कार्य जिस समय करना है उसे उसी समय करना चाहिए। एक बार समय निकल जाने के बाद मामला गड़बड़ हो जाता है। समय पर किया गया हर कार्य मनुष्य को अच्छा फल देता हैं। लेकिन समय निकलने के बाद उस काम का कोई महत्व नहीं होता हैं। जीवन जाते देर नहीं लगती है। सेकेंड में सभी मामले बदल जाते है। जैसे बेटी की शादी समय पर करना चाहिए। एक बार समय निकला तो बहुत मुश्किल होती है। वैसे ही हर काम समय पर ही करना अच्छा होता है। गाड़ी कितना भी नया हो अगर खड़ी करके रखोगे तो वह भी खराब हो जाएगी। ज्यादा लाड प्यार भी बच्चों को बिगाड़ देता है। गुरुदेव ने फरमाया कि शुरुआत में अगर किसी चीज पर नियंत्रण हो जाए तो ठीक वरना नियंत्रण करना बहुत मुश्किल हो जाता है। मनुष्य को अपने बच्चों को झुकना सिखाना चाहिए। गुमान करने के बजाय मनुष्य को झुकना चाहिए। साधु, साधक या कोई भी हो उसे खुद पर नियंत्रण रखना चाहिए। अगर नियंत्रण नहीं हुआ तो जीवन व्यर्थ हो जाएगा। साधु भी अगर खाओ खाओ करता है तो उसका जीवन भी बेकार है। साधु जीवन बहुत ही सरल होना चाहिए। साधु संतों को भी हर चीज में नियंत्रण करना चाहिए। भावना में भक्ति साधना में शक्ति तब आती है जब मनुष्य खुद पर नियंत्रण करता है। महा-पुरुषों के जीवन से मनुष्य को मन जितने के बारे में सीखना चाहिए। जयमल जी महाराज को उनकी तप के लिए याद किया जाता है। ऐसे ही बहुत महापुरुष हुए जो हमारे प्रेरणास्त्रोत हैं। इसलिए जो अपने मन को जीतेगा वह आनंद का भागी बनेगा। जीवन बहुत कीमती है इसको ऐसे ही व्यर्थ नहीं करना चाहिए। 12 वर्षीय अर्हम बाफना ने अपनी माताजी के साथ 3 उपवास के पच्चखान ग्रहण किए। 4 उपवास के पच्चखान पिंकी, प्रदीप तलेसरा एवं 6 उपवास के पच्चखान संगीता तलेसरा, सपना जैन, सविता पालरेचा, धारीवाल, संतोष खीवेंसरा, दिव्या पारख, विजय खीवेंसरा और 7 उपवास के पच्चखान तेजल श्रीश्रीमाल ने ग्रहण किए। धर्मीचंद बोहरा और अरुणकुमार बोहरा की विशेष उपस्थिति रही। मंगलवार को पूज्य प्रवर्तक स्वाध्याय संघ के संस्थापक राजस्थान शेरे पन्नाला-लजी की जन्म जयंती मनाई जाएगी। सभी का स्वागत अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

1 सितंबर को धर्मस्थल चलो विशाल रैली

विजयेंद्र ने धर्मस्थल मामले की एनआईए जाँच की माँग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालु श्रीक्षेत्र धर्मस्थल की पूरी जाँच तुरंत एनआईए को सौंपने की माँग करते हैं। भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर एनआईए जाँच करेगी, तो लोगों और अपार भक्तों का राज्य सरकार पर विश्वास बढ़ेगा। इसलिए उन्होंने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री से तुरंत यह निर्णय लेने की माँग की। उन्होंने घोषणा की कि वह इसी माँग के साथ 1 सितंबर को धर्मस्थल चलो का आह्वान कर रहे हैं।

हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाली सरकार को चुप कराना होगा। राज्य के सभी हिंदू समुदाय को एनआईए जाँच की माँग करके इसमें भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे 1 सितंबर को एक विशाल रैली करेंगे। राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र और जिले से बड़ी संख्या में लोग धर्मस्थल आएँगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि लाखों लोग इसमें भाग लेंगे। धर्मस्थल के लिए प्रस्थान के दिन, हिंदू समुदाय को अपने शहरों और गाँवों के मंदिरों में जाकर प्रार्थना करनी चाहिए और फिर स्थानीय स्तर पर एक जुलूस निकालना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उस दिन दोपहर 2 बजे धर्मस्थल में एक विशाल सम्मेलन आयोजित किया जाएगा ताकि धार्मिक जागरूकता फैलाई जा सके और सरकार को चेतावनी दी जा सके। धर्मस्थल की घटना ने सरकार को कलंकित किया है। उसे उस कलंक से बाहर निकलने की जरूरत है। इस अत्याचार के पीछे के संगठनों और बुरी ताकतों की उचित जाँच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गलत सूचना फैलाने वाली बुरी ताकतें इसी तरह किसी अन्य हिंदू मंदिर के खिलाफ साजिश रच सकती हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि यह एक रहस्य है कि मुख्यमंत्री श्री क्षेत्र धर्मस्थल को लेकर इतनी जल्दी में क्यों थे।

यदि कोई व्यक्ति तलवार लेकर रास्ते में आकर पवित्र श्री क्षेत्र धर्मस्थल पर हमला करता है, तो उस व्यक्ति की पृष्ठभूमि क्या है? उन्होंने कहा कि उसके पीछे कौन सी ताकतें और कौन से संगठन काम कर रहे थे, इसकी जानकारी जुटाई जानी चाहिए थी। या फिर मुख्यमंत्री को इंटेलिजेंस ब्यूरो से रिपोर्ट मिलने के बाद स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए था। श्रीक्षेत्र धर्मस्थल के मुद्दे पर पिछले एक महीने में राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी चर्चा हुई है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने यह घोषणा की थी कि वे मामले को तुरंत एसआईटी को सौंप देंगे, जबकि उन्हें पता था कि कोई शिकायत दर्ज कराएगा। एक दिन मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों ने कहा था कि दक्षिण कन्नड़ पुलिस जाँच करेगी। फिर अगले दिन (शनिवार) उन्होंने कहा कि वे किसी भी कारण से मामला एसआईटी को नहीं सौंपेंगे। रविवार को मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि एसआईटी जाँच कराई जाएगी। शनिवार को, जिन मुख्यमंत्री ने कहा था कि किसी भी कारण से जाँच एसआईटी को नहीं सौंपी जाएगी, उन्होंने रविवार को एसआईटी जाँच की घोषणा की। मुख्यमंत्री के रुख में रातोंरात बदलाव के क्या कारण हैं? किन संगठनों और व्यक्तियों ने मुख्यमंत्री पर दबाव डाला है? विजयेंद्र ने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री ने पवित्र स्थल धर्मस्थल से परामर्श किए बिना रातोंरात अपना फैसला बदल दिया? उन्होंने कहा कि यह सब आज सामने आना चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की ईश्वर में कितनी आस्था है? धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर और अन्नप्पा स्वामी के प्रति उनकी कितनी भक्ति है? मुझे नहीं पता। हालाँकि, धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर और अन्नप्पा स्वामी के करोड़ों भक्त हैं। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री जानते हैं कि धर्मस्थल इन भक्तों के लिए एक पवित्र स्थान है। धर्मस्थल केवल एक मंदिर नहीं है, उनकी श्रद्धा कई दशकों से है।

डीएसईएल ने कर्नाटक के सरकारी स्कूलों की लाइव ट्रैकिंग के लिए मोबाइल ऐप विकसित किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (डीएसईएल) सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में बुनियादी ढाँचे, मध्याह्न भोजन, छात्रों और शिक्षकों की उपस्थिति और शिक्षण-अधिगम कार्यों सहित सभी गतिविधियों के निरीक्षण के लिए एक मोबाइल ऐप पेश करने की पूरी तैयारी कर रहा है। इस ऐप का परीक्षण सफलतापूर्वक हो चुका है और अधिकारियों को इसके उपयोग के लिए प्रशिक्षित भी किया जा चुका है। ऐप के आधिकारिक लॉन्च के बाद, सभी डीएसईएल अधिकारियों के लिए हर महीने कर्नाटक के प्रत्येक स्कूल का दौरा करना और ऐप पर स्कूलों की नवीनतम जानकारी अपलोड करना अनिवार्य होगा। लोक शिक्षण आयुक्त डॉ. के.वी. त्रिलोक चंद्र ने कहा यह ऐप कर्नाटक के सभी सरकारी स्कूलों में सुविधाओं के बारे में लाइव अपडेट के साथ-साथ जानकारी आसानी से प्राप्त करने में मददगार होगा। कर्नाटक में 52,036 सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूल हैं, जिनमें लगभग 53.3 लाख छात्र हैं। डीएसईएल के अधिकारियों, जैसे लोक शिक्षण उप निदेशक (डीडीपीआई), खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ), क्लस्टर संसाधन व्यक्ति (सीआरपी), खंड संसाधन व्यक्ति (बीआरपी) और अन्य, से अपेक्षा की जाती है कि वे राज्य के सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों का दौरा करके सुविधाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण करें और उच्च अधिकारियों को लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत करें। हालांकि, यह देखा गया है कि अधिकारी अक्सर समय पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करते हैं। इसे सुधारने के लिए, डीएसईएल स्कूलों में बुनियादी ढाँचे के विकास और शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी के लिए एक ऐप पेश कर रहा है।

डॉ. त्रिलोक चंद्र ने बताया अधिकारी अब निरीक्षणों की भौतिक रिपोर्ट दर्ज करते हैं, जिन्हें आसानी से संकलित नहीं किया जा सकता, जिससे स्कूल विकास की निगरानी में बाधा उत्पन्न होती है। निरीक्षण ऐप में प्रत्येक स्कूल के जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डीआईएसई) कोड सहित सभी जानकारी होगी। जैसे ही किसी विशेष स्कूल का निरीक्षण करने वाला अधिकारी डीआईएसई कोड दर्ज करेगा, सत्यापन के लिए एक चेकलिस्ट दिखाई देगी। उस चेकलिस्ट के अनुसार, अधिकारियों को स्कूल की जाँच करनी चाहिए और जानकारी को अपडेट करना चाहिए। इससे हमें सभी सूचनाओं का एक केंद्रीकृत भंडार मिलेगा, जो लाइव आधार पर उपलब्ध होगा। इस डेटाबेस को स्टूडेंट्स अचीवमेंट ट्रैकिंग सिस्टम (एसएटीएस) के साथ मैप किया जाएगा। इसके अलावा, प्रत्येक छात्र के पाठ आधारित मूल्यांकन (एलबीए) अंक, जो इस शैक्षणिक वर्ष से शुरू की गई एक नई प्रणाली है, भी निरीक्षण ऐप पर अपलोड किए जाएँगे। इस प्रकार, स्कूल, उसके बुनियादी ढाँचे, मध्याह्न भोजन और अन्य कार्यक्रमों, उपस्थिति और यहाँ तक कि छात्रों के शैक्षणिक रिकॉर्ड से संबंधित सभी प्रासंगिक जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी।

यूट्यूबर समीर का लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त होने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सौजन्या मामले में भड़काऊ वीडियो बनाने वाले यूट्यूबर समीर से पुलिस दूसरे दिन भी पूछताछ कर रही है और संभावना है कि वीडियो बनाने में इस्तेमाल किए गए कंप्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल फोन समेत सभी डिजिटल उपकरण जब्त कर लिए जाएँगे। रविवार को बेल्टांगडी के पुलिस निरीक्षक नागराज खादरी ने दोपहर 1 बजे से शाम 5.30 बजे तक लगातार पूछताछ की थी। पुलिस ने समीर द्वारा दिए गए सभी दस्तावेजों की जाँच की थी। सोमवार सुबह पुलिस ने समीर को फिर से पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस जारी किया था। इसलिए, वह फिर पूछताछ के लिए पेश हुए। बताया जा रहा है कि पुलिस डिजिटल उपकरण जब्त करने की कार्रवाई करेगी। समीर को एक मामले में पहले ही जमानत मिल चुकी है और अगर

पूछताछ के दौरान और सबूत मिलते हैं, तो वे उसे किसी अन्य मामले में गिरफ्तार करने की संभावना पर भी विचार कर रहे हैं। पूछताछ के दौरान, वीडियो बनाने के उद्देश्य और इसके लिए जानकारी किन स्रोतों से जुटाई गई, इस बारे में जानकारी जुटाई गई है। सौजन्या मामले में वीडियो बनाने के लिए जानकारी किस स्रोत से जुटाई गई थी? अनन्या भट मामले में भी, वीडियो एआई तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया गया था। पुलिस ने उस स्रोत की जानकारी हासिल कर ली है जिससे जानकारी जुटाई गई थी। ऐसी शिकायतें हैं कि समीर ने वीडियो में फर्जी तस्वीरें और वीडियो बनाने के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल किया और ढेर सारी व्याख्याएँ देकर धर्मस्थल के खिलाफ दुष्प्रचार और गलत सूचना फैलाने के लिए उनका इस्तेमाल किया। ऐसे आरोप हैं कि समीर के वीडियो में हिंसा भड़काने वाले तत्व हैं, जिसके कारण उजीरे के पास दंगे हुए और एक निजी चैनल के रिपोर्टर पर हमला हुआ। पुलिस उन स्रोतों की तलाश में जुट गई है जिनसे समीर ने वीडियो बनाने के लिए जानकारी जुटाई थी। संदेह है कि वीडियो और धर्मस्थल के खिलाफ दुष्प्रचार के पीछे एक बड़ी साजिश है। इन संदेहों के आधार पर जाँच जारी है और समीर किन लोगों के संपर्क में था और उसके वित्तीय स्रोत क्या हैं, इस पर पूछताछ की जा रही है।

कर्नाटक में अत्याचार अधिनियम के मामलों में निर्धारित समय के भीतर आरोपपत्र दाखिल करें अधिकारी: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत दर्ज मामलों में निर्धारित 60 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने का पुलिस अधिकारियों से आग्रह करते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कुल दर्ज मामलों में से केवल 63 प्रतिशत मामलों में ही अदालतों में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। उन्होंने सोमवार को राज्य स्तरीय समीक्षा एवं निगरानी समिति की बैठक में कहा 2023 से अब तक कुल 6,635 मामले दर्ज किए गए हैं और अब तक 4,912 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। कुल दाखिल किए गए आरोपपत्रों में से केवल 4,149 मामलों में ही 60 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल किए गए हैं।

उन्होंने कहा पिछले छह महीनों में केवल 84 प्रतिशत मामलों में ही 60 दिनों के भीतर अदालतों में आरोपपत्र दाखिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल 36 मामलों में ही दोषसिद्धि हुई है जबकि 679 मामले जाँच के चरण में हैं। पुराने मामलों का वर्षवार आँकड़ा माँगते हुए उन्होंने पूछा पुराने मामलों का क्या हुआ? उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि 56 मामलों में अदालतों के स्थगन आदेश हटा दिए जाएँ। राज्य में अत्याचार के मामलों की सुनवाई के लिए ग्यारह फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित की गई हैं। पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए पुलिस को मामलों की सुनवाई में तेजी लाने की दिशा में काम करना होगा। वर्तमान में, दोषसिद्धि दर लगभग 10 प्रतिशत है। उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए जो आरोपियों से मिलीभगत करने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने अत्याचार के मामलों में विकलांगता से पीड़ित पीड़ितों के लिए चिकित्सा मुआवजा बढ़ाने का वादा किया। फर्जी जाति प्रमाण पत्रों के मामलों में, उन्होंने अधिकारियों से अनुकूल आदेशों के बावजूद अदालतों के फैसले को लागू करने में देरी का कारण पूछा। लगभग 170 मामलों में, अदालतों में फर्जी प्रमाण-पत्र साबित हो चुके हैं। इन मामलों में कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि यह पाया जाता है कि फर्जी प्रमाण-पत्रों का उपयोग करके सरकारी लाभ प्राप्त किए गए हैं, तो ऐसे मामलों में वसूली प्रक्रिया शुरू करने के प्रयास किए जाने चाहिए। इसे लागू करने के लिए विभागों के बीच समन्वय की आवश्यकता है। इस पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। राज्य भर के 33 डीसीआरई पुलिस थानों में, यदि कोई रिक्तियां हैं, तो उन्हें भरने के प्रयास किए जाने चाहिए। प्रति-शिकायतें दर्ज करने की प्रवृत्ति में वृद्धि को देखते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को प्राथमिकी दर्ज करने से पहले सच्चाई की पुष्टि के लिए घटनास्थल का दौरा करना होगा। राज्य सरकार कर्नाटक में देवदासियों के लिए एक पुनर्वास पैकेज की शुरुआत करेगी जिसका उद्देश्य इस कुप्रथा को दूर करना है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण कार्य चल रहा है और सर्वेक्षण के निष्कर्ष सामने आने के बाद पुनर्वास पैकेज की घोषणा की जाएगी। हम विशेष वित्तीय सहायता प्रदान करने पर भी विचार करेंगे।

सीईएससी ने मैसूरु क्षेत्र में गणेश उत्सव के सार्वजनिक उत्सव के लिए सुरक्षा दिशानिर्देश जारी किए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चामुंडेश्वरी विद्युत आपूर्ति निगम (सीईएससी) ने मैसूरु और आसपास के जिले में सार्वजनिक स्थानों पर गणेश प्रतिमाएँ स्थापित करने वाले संगठनों और समूहों के लिए सुरक्षा दिशानिर्देश जारी किए हैं।

सीईएससी के प्रबंध निदेशक मुनिगोपाल राजू ने सोमवार को उत्सव के दौरान सुरक्षा को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया।

इसलिए, सार्वजनिक गणेश उत्सव के आयोजकों को सभी आवश्यक एहतियाती उपाय करने और यह सुनिश्चित करने की

सलाह दी गई है कि उत्सव के दौरान कोई अप्रिय घटना न घटे। आयोजकों को बिजली की तारों से अनाधिकृत बिजली कनेक्शन लेने के प्रति आगाह करते हुए, उन्होंने कहा कि उचित कनेक्शन के लिए सीईएससी उप-विभाग या शाखा के संबंधित कार्यालय से अनुमति लेनी चाहिए। साथ ही, आयोजकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि मूर्ति स्थापना स्थल और पंडालों के पास कोई बिजली की तार न गुजरे। मंडप बिजली की तारों के नीचे या उनके पास नहीं बनाए जाने चाहिए।

बिजली की तारों और मूर्ति व पंडालों के बीच एक सुरक्षित दूरी बनाए रखी जानी चाहिए।

सीईएससी अधिकारी ने कहा कि बारिश के मौसम को देखते हुए अतिरिक्त सावधानी बरतना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली के खंभों या ट्रांसफार्मरों पर कोई बैनर या बोर्ड नहीं लगाया जाना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए कि ऊँचे झंडे या कटआउट ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइनों के संपर्क में न आएँ।

अधिकारी ने कहा अगर जुलूस के रास्ते में बिजली की लाइनों के कारण कोई रुकावट आती है, तो इसकी सूचना संबंधित सीईएससी कार्यालय को दी जानी चाहिए, ताकि बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से रोकी जा सके। लोग बिजली संबंधी मदद और जानकारी के लिए 1912 पर सीईएससी से संपर्क कर सकते हैं।

शांतिपूर्ण गौरी-गणेश और ईद मिलाद समारोह के लिए पर्याप्त सुरक्षा: आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गौरी-गणेश और ईद-मिलाद त्योहारों के मद्देनजर, शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने शहर भर में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुछ सुझाव और निर्देश दिए हैं।

आयुक्त कार्यालय के सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए, उन्होंने गणेश प्रतिमाओं की स्थापना, जुलूस और विसर्जन के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। किसी भी कारण से छोटी-मोटी घटनाएँ नहीं होनी चाहिए। यदि कोई छोटी-मोटी घटना भी होती है, तो निरीक्षक तुरंत घटनास्थल पर जाकर उसका समाधान करें। उन्होंने गणेश प्रतिमाओं की स्थापना वाले स्थानों के पास पुलिस तैनात करने और आयोजकों के संपर्क में रहने के निर्देश दिए। कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में दमकल गाड़ियों के साथ रिजर्व कर्मी तैनात किए जाएँ। उन्होंने बेस्कॉम अधिकारियों के संपर्क में रहने और उन स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी जहाँ पहले गणेश प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं। आयुक्त ने चेतावनी दी कि शहर में सामान्य तौर पर कोई भी छोटी-मोटी घटना नहीं होने दी जानी चाहिए। इसी प्रकार, ईद-मिलाद त्योहार के दौरान पर्याप्त पुलिस सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। किसी भी तरह का दंगा-फसाद न होने दें। उन्होंने सलाह दी कि अगर कोई छोटी-मोटी घटना भी होती है, तो उसका जल्द से जल्द समाधान किया जाना चाहिए। बैठक में शहर के सभी संभागों के एसीपी, डीसीपी, संयुक्त पुलिस आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त मौजूद थे।

दिग्गज अभिनेता दिनेश का निधन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वरिष्ठ कन्नड़ फिल्म अभिनेता और कला निर्देशक मेंगलूरु दिनेश का सोमवार की सुबह कुंडापुर स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। मूल रूप से मेंगलूरु के रहने वाले दिनेश ने थिएटर में अपनी गहरी पृष्ठभूमि के साथ सिनेमा में प्रवेश किया। हालाँकि उन्होंने शुरुआत में एक कला निर्देशक के रूप में काम किया - नंबर 73, शांतिनिवास जैसी फिल्मों के सेट संभाले - लेकिन अंततः उन्हें एक अभिनेता के रूप में पहचान मिली। के एम चैतन्य की फिल्म आ दिनागलु में

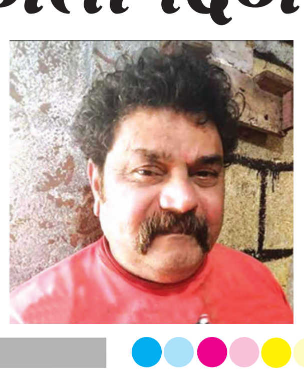

सीताराम शेट्टी के रूप में उनके अभिनय ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई। दिनेश बाद में सैंडलवुड में एक जाना-पहचाना चेहरा बन गए, खासकर ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ में बॉम्बे डॉन की यादगार भूमिका के लिए। उन्होंने रिकी, हरिकथा अल्ला गिरिकाथा और उलिदावारु कंदंठे जैसी फिल्मों में भी अभिनय किया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण के लिए जाने जाने वाले, मेंगलूरु के दिनेश कला निर्देशन और अभिनय, दोनों में एक ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जिसने कन्नड़ सिनेमा को समृद्ध बनाया।

बहुचर्चित धर्मस्थल खोपड़ी मामले में एक सनसनीखेज मोड़ आया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियाँ बटोरने वाले बहुचर्चित 'धर्मस्थल खोपड़ी' मामले में एक सनसनीखेज मोड़ आया है। एसआईटी की जाँच से पता चला है कि सबूत के तौर पर पेश की गई तथाकथित खोपड़ी असल में नकली थी। एसआईटी सूत्रों के अनुसार, गवाह से आरोपी बने चिन्नेय्या सी एन (जिसे पहले अनाम कहा जाता था) द्वारा सौंपी गई खोपड़ी दरअसल उसके गिरोह ने एक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र से हासिल की थी। विशेषज्ञों ने जाँचकर्ताओं को बताया कि खोपड़ी लगभग 40 साल पुरानी थी और इसे लंबे समय तक इस्तेमाल के लिए सुरक्षित रखने के लिए वार्निश से लेपित किया गया था। यह खुलासा 11 जुलाई को बेल्टांगडी अदालत में खोपड़ी पेश किए जाने के बाद हुआ। एसआईटी ने तब पुष्टि की है कि

सबूत गढ़े गए थे।

इससे पहले, चिन्नेय्या ने अपने वकील की मौजूदगी में अदालत के सामने दावा किया था कि खोपड़ी धर्मस्थल में एक सामूहिक दफनाने वाले स्थान से बरामद की गई थी, जहाँ उसने आरोप लगाया था कि सैकड़ों शव दफनाए गए थे। उसकी गवाही ने देशव्यापी हंगामा खड़ा कर दिया था, जिसके बाद एसआईटी ने धर्मस्थल में 17 अलग-अलग जगहों पर कई जगहों पर तलाशी ली। जांच से अब पता चला है कि गिरोह खोपड़ी को दिल्ली भी ले गया था, जहाँ धर्मस्थल की 'सामूहिक कब्र' की कहानी सुनाते हुए उसे एक प्रभावशाली व्यक्ति को दिखाया गया था। एसआईटी इसे साजिश का पर्दाफाश करने में एक अहम सुराग मान रही है। शनिवार को गिरफ्तारी के बाद, एसआईटी ने रविवार को चिन्नेय्या से गहन पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि उसने कई और नामों का खुलासा किया है। उन लोगों से लेकर जिन्होंने उसे शरण दी थी और साजिश रचने में शामिल लोगों तक। सभी बयानों की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई है, और एसआईटी पहचाने गए लोगों को नोटिस जारी करने की तैयारी कर रही है।

रविवार को उसका मेडिकल परीक्षण भी हुआ। इस बीच, बेल्टांगडी पुलिस ने गुरुवार को ब्रह्मवर पुलिस स्टेशन लाए जाने के दौरान पुलिस की ड्यूटी में बाधा डालने के मामले में महेश शेट्टी को नोटिस जारी किया है। रिपोर्टों से पता चलता है कि इस सिलसिले में शेट्टी, गिरीश मट्टनवर, जयंत टी और 16 से ज्यादा अन्य लोगों के नाम शामिल हैं।

जांचकर्ताओं का ध्यान चिन्नेय्या के लापता मोबाइल फोन पर भी केंद्रित है। उसने दावा किया था कि अब उसके पास वह नहीं है, लेकिन एसआईटी को संदेह है कि उसकी टीम ने 11 जुलाई को खोपड़ी के साथ अदालत में पेश होने से पहले ही उसे अपने साथ ले लिया होगा। तब से, उसे केवल अपने वकील से बात करने की अनुमति दी गई थी और कथित तौर पर उसे शेट्टी में ही पनाह दी गई थी। अपने वकील धनंजय की सलाह पर अमल करते हुए, उसने कुछ मीडिया संस्थानों को साक्षात्कार भी दिए, जिन पर अब एसआईटी को संदेह है कि यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। एसआईटी ने सुजाता भट को भी समन जारी किया है, जिन्होंने पहले अनन्या भट लापता मामले में सुर्खियाँ बटोरी थीं। सूत्रों के अनुसार, जाँचकर्ता 1985 से 2025 तक के उसके व्यक्तिगत इतिहास को संकलित कर रहे हैं, जिसमें उडुपी, बेंगलूरु, शिवमोग्गा और सूरथकल में उसके प्रवास, उसके वैवाहिक जीवन और 2003 में अनन्या के लापता होने के उसके दावों को शामिल किया गया है।

अर्हताओं को जगाने का माध्यम मंत्र साधना: साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में पर्युषण पर्व का छठा दिन जप दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वी श्री ने अपने मंगल उद्बोधन में भगवान महावीर की भव श्रृंखला पर प्रकाश डालते हुए 22वें-23वें भव में मानव भव के गुणों को उजागर किया। इसके साथ मंत्रों की साधना की पद्धति बताया। जप के माध्यम से मन को एकाग्र किया जाता है, मंत्रों के साथ जब शब्द जुड़ते है तो उनकी शक्ति बढ़ जाती है। शब्दों का हमारे मन, शरीर, आत्मा, भावों पर प्रभाव पड़ता है। मंत्रों के माध्यम से हमारा कार्मण शरीर प्रभावित होता है। खं शब्द के प्रयोग से आकाश तत्व की वृद्धि होती है। आकाश तत्व की वृद्धि से द्वेष के परिणाम नष्ट होते हैं, बं शब्द के द्वारा मधुमेह, जोड़ों के दर्द, गैस एवं अनेक समस्याओं का समाधान प्राप्त किया जा सकता है। साध्वी बोधिप्रभा जी ने कहा मंत्रों के प्रयोग में श्रद्धा, आस्था, विश्वास के साथ में जप किया जाता है तो उसका परिणाम अनूठा होता है। साथ ही मंत्रों के उच्चारण के साथ शुद्धि का ध्यान रखना चाहिए। साध्वी वर्धमानयशा जी ने जप दिवस पर गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मंगलाचरण विजय मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया। सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, महिला मंडल अध्यक्ष मंजु बोथरा व सभी संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं काफी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही। तेयूप उपाध्यक्ष विपुल पितलिया ने आगे के कार्यकम की विस्तृत जानकारी दी। साध्वी जी के मंगलपाठ से प्रवचन सम्पन्न हुआ।

सम्यक् दर्शन कार्यशाला के बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री संयमलता जी के सानिध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् एवं समण संस्कृति संकाय के संयुक्त तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद, विजयनगर द्वारा सम्यक् दर्शन कार्यशाला के बैनर का अनावरण अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत द्वारा किया गया। परिषद् अध्यक्ष विकास बाँठिया ने भिक्षु त्रिशताब्दी के अवसर पर कम से कम 300 लोगों को जुड़ने का आह्वान किया। साध्वी श्री संयमलता जी ने फरमाया कि भिक्षु चेतना वर्ष के उपलक्ष्य में हम आचार्य भिक्षु को जाने सभी भिक्षुमय बनें और

अधिक से अधिक इस कार्यशाला मे सहभागी बने। तेयुप विजयनगर से सम्यक् दर्शन कार्यशाला की जानकारी देते हुए केंद्र से जुड़े पवन बैद ने कहा कि कार्यशाला 9 सितंबर से 24 सितंबर तक साध्वी श्री के सान्निध्य में आयोजित होगी। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा संभागी बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर तेयुप हनुमंतनगर अध्यक्ष स्वरुप चोपडा, महिला मंडल अध्यक्षा महिमा पटावरी, तेयुप विजयनगर प्रभारी रोहित कोठारी, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चोपडा, समण संस्कृति संकाय केंद्र व्यवस्थापिका बरखा पुगलिया, प्रायोजक परिवार से मनोहरलाल बाबेल, सुनीता बाबेल, परिषद् प्रबंध मंडल एवं श्रावक समाज कि उपस्थिति रही।

परमात्मा महावीर का जन्म वांचन और स्वप्न दर्शन धूमधाम से सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में परमात्मा महावीर का जन्म वांचन और स्वप्न दर्शन धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

चातुर्मास हेतु विराजित मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी की निश्रा में बहुत ही भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बेंगलूरु के अनेक उप नगरों से श्रद्धालु पधारे और त्रिशला माता द्वारा देखे गए चौदह महास्वप्नों को निहारा और गुरुदेव के मुखारविंद से वीर प्रभु का जन्म वांचन सुना। कार्यक्रम की शुरुआत में परमात्मा और गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण संघवी विजयराज हंसराज डोसी परिवार खजवाणा निवासी ने किया और दीप प्रज्वलन विजयराज गौतम कुमार लोढ़ा

परिवार पाली निवासी ने किया। गुरुवर ने परमात्मा महावीर का जीवन चारित्र वर्धमान से महावीर बनने की अवस्थानुसार सकल संघ को कल्पसूत्र के माध्यम से सुनाया। सकल संघ ने कल्पसूत्र में वर्णित परमात्मा महावीर के जन्म वांचन और स्वप्न दर्शन की खुशियां बांटी। अगर महावीर नहीं होते तो जिन शासन का नामोनिशान नहीं होता। भगवान ने उनके केवल ज्ञान के आलोक में भव्य जीवों को धर्म देशना दी। परमात्मा के जन्म के समय नारकी जीवों को भी कुछ समय के लिए शांति मिलती है। परमात्मा के जन्म के बाद छप्पन दिक्कुमारियां आती है और परमात्मा की शुचि कर्म करती है। परमात्मा के जन्म के पश्चात सौधर्मेंद्र पांच रूप बनाकर उन्हें मेरु पर्वत पर ले जाकर एक करोड़ साठ लाख अभिषेक करते हैं। जन्म के समय हर क्षेत्र में वृद्धि होने से उनका नाम वर्धमान रखा गया। समय आने पर नव लोकांतिक देवों द्वारा परमात्मा को दीक्षा लेने की विनती की गई।

तब परमात्मा दीक्षा लेने से पहले एक साल तक प्रतिदिन एक करोड़ आठ लाख सोना मोहरों का वर्षीदान देते हैं। दीक्षा के पश्चात परमात्मा को साढ़े बारह वर्ष तक उपसर्ग आए। प्रवचन के पश्चात वीर प्रभु का पालना जी अपने निवास स्थान पर ले जाकर भक्ति भावना मुकुल कुमार, सुशील कुमार, अभिमन्यु भण्डारी परिवार निमाज निवासी ने लिया, जहां श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल एवं महिला संगीत मंडल ने परमात्मा की भक्ति में सभी को झुमाया। स्वप्न दर्शन और जन्म वांचन के शुभ अवसर पर स्वामी वात्सल्य का लाभ गौतम कुमार, पंकज कुमार, निकेश कुमार बाफना परिवार गढ़ सिवाना निवासी ने लिया। दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से अट्ठाई (आठ उपवास) और उससे अधिक की तपस्यार्थियों का तपोभिनन्दन मंगलवार को प्रवचन के दौरान किया जाएगा। पर्युषण महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में तपस्याएं जारी है।

मंत्री खड्रे ने सिद्धारुढ मठ में दर्शन किए

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के वन मंत्री ईश्वर खड्रे ने अपने हुब्बल्ली प्रवास के दौरान दक्षिण की काशी के नाम से प्रसिद्ध श्री सिद्धारुढ मठ पहुंचकर सपत्नीक स्वामीजी के दर्शन किए और आरती में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने देश में उत्तम वर्षा, खुशहाली, सुख-शांति और जनकल्याण की कामना की। मठ समिति के चेयरमैन चनवीर मुंगरवाड़ी ने मंत्री खंड्रे का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें मठ की गतिविधियों, स्वामीजी की प्रेरणादायक जीवनी और प्रतिदिन संचालित दासोह सेवा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मठ समिति के पूर्व चेयरमैन महेंद्र सिंघी ने श्री सिद्धारुढ स्वामीजी की जीवनी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। इस अवसर पर मठ समिति की ओर से चेयरमैन चनवीर मुंगरवाड़ी, पूर्व चेयरमैन महेंद्र सिंघी, श्री जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल के पूर्व कार्यदर्शी, केपीसीसी महासचिव पारसमल जैन, ट्रस्ट कमेटी के उपाध्यक्ष विनय गोडके, ट्रस्टी उदय कुमार नायक, मंजुनाथ मुनवाली तथा कांग्रेस नेता नागराज गौरी ने मंत्री एवं अन्य अतिथियों का सम्मान किया।

समुद्र तट पर एक व्यक्ति डूबा तीन को बचाया गया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सूरथकल के पास शशिहिथलू मूडा बीच पर रविवार शाम को एक दुखद घटना घटी, जहाँ एक युवक डूब गया, जबकि तीन अन्य को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। मृतक की पहचान मुहम्मद समीर (23) के रूप में हुई है, जो पदुपनम्बुर के कजाकाटोटा निवासी स्वर्गीय अनवर का पुत्र था। बचाए गए लोगों की पहचान पदुपनम्बुर कजाकाटोटा निवासी अबुबकर के पुत्र ऐमन (23), कजाकाटोटा निवासी रईस (22) और हलियांगडी बोल्लुरु निवासी हनीफ के पुत्र फाजिल के रूप में हुई है। मदद की चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुँचे स्थानीय मछुआरों ने उन्हें बचा लिया। रिपोर्टों के अनुसार, एक ही परिवार के छह चचेरे भाई रविवार शाम शशिहिथलू मूडा बीच पर घूमने गए थे। पानी में खेलते समय, समीर, ऐमन और फाजिल तेज लहरों की चपेट में आ गए। शोर सुनकर, मछुआरे उनमें से तीन को बचाने में कामयाब रहे और उन्हें मुक्का के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हालाँकि, समीर को बचाया नहीं जा सका। सूरथकल पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

जप आत्मा को शुद्ध करने का एक अद्भुत माध्यम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पर्युषण पर्व के अंतर्गत जप दिवस का आयोजन अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति-भाव से संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपासक सुमेर कोचर एवं अशोक बुरड़ ने अपने प्रेरक उद्बोधनों के माध्यम से उप-स्थित समाजजनों को आध्यात्मिक जीवन की गहराइयों से परिचित कराया।

उपासक सुमेर कोचर ने अपने वक्तव्य में कहा कि जप आत्मा को शुद्ध करने का एक अद्भुत माध्यम है। जैसे अग्नि सोने की

अशुद्धियाँ दूर करती है, वैसे ही मंत्र-जप आत्मा की मलिनताओं को दूर कर उसे निर्मल बनाता है। उन्होंने समझाया कि पर्युषण पर्व आत्मा की आराधना का पर्व है और जप के द्वारा हम अपने मन को एकाग्र कर सकते हैं। नवकार महामंत्र को उन्होंने जीवन का सबसे बड़ा ऊर्जा-स्रोत बताते हुए कहा कि इसका निरंतर जाप करने से आत्मबल, शांति और सकारात्मकता बढ़ती है। इसके बाद उपासक अशोक बुरड़ ने जप दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जप केवल मुख की क्रिया नहीं, बल्कि मन और आत्मा का गहन संवाद है। उन्होंने कहा कि जप से व्यक्ति का मन संयमित होता है और जीवन में अनुशासन व संतुलन स्थापित होता है। उन्होंने यह भी बताया कि पर्युषण के दौरान किया गया जप अनेक जन्मों के कर्म बंधनों को क्षीण करने वाला होता है।

अनियंत्रित कार ने खड़ी गाड़ियों और बिजली के खंभे को तोड़ दिया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु के बाहरी इलाके में पिलिकुला हर्बेरियम और बॉटनिकल म्यूजियम के पास एक बड़ा हादसा बाल-बाल टल गया, जब एक कार अनियंत्रित होकर दो बाइक, एक स्कूटर और एक बिजली के खंभे से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे कार पहले से खड़ी गाड़ियों - दो मोटरसाइकिल और एक स्कूटर - से टकराई और अंततः

एक बिजली के खंभे से जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि खड़ी कारों में से एक पास की दीवार से टकरा गई। टक्कर की गंभीरता के बावजूद, चालक सौभाग्य से गंभीर रूप से घायल हुए बिना बच गया। स्कूटर और बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना में शामिल कार विश्वनाथ नाम के एक स्थानीय निवासी की है। विश्वनाथ ने ही नियंत्रण खो दिया और गाड़ियों और खंभे से टकरा गई। कावूर पुलिस स्टेशन और बैकमपडी यातायात विभाग के पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुँचे और जाँच शुरू की। आगे की जानकारी का इंतजार है क्योंकि अधिकारी नुकसान और घटना के कारणों का आकलन कर रहे हैं।

एक भव्य और प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच (एमवाईएम) बेंगलूरु सेंट्रल, आईवीएफ एवं हैंड्स फॉर सोसायटी के संयुक्त प्रयास से निसर्ग ग्राम में रविवार को एक भव्य और प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और दिलों में नई ऊर्जा भर दी। इस अवसर पर बृजेश, पवन एवं आयुष के मार्गदर्शन में 40 से अधिक स्वयंसेवकों की टीम ने अपनी निस्वार्थ सेवा और समर्पण से सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की शुरुआत चिल्ड्रन्स बैंक के शुभारंभ से हुई, जहाँ नन्हें-मुन्ने बच्चों ने अपनी वित्तीय समझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। इसके बाद हुए गीत-संगीत और नृत्य सत्रों ने वातावरण को उल्लास और ऊर्जा से भर दिया। सबसे विशेष रहा मिट्टी के गणेश जी बनाने का सत्र, जिसने न केवल बच्चों की रचनात्मकता को निखारा बल्कि पर्यावरण संरक्षण का गहरा संदेश भी दिया। स्वयंसेवकों और बच्चों के बीच की आत्मीयता ने इस क्षण को और भी यादगार बना दिया। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु सेंट्रल, आईवीएफ, हैंड्स 4 सोसायटी तथा बृजेश, पवन और आयुष का यह प्रयास समाज में सेवा, शिक्षा और संस्कार की सशक्त मिसाल बन गया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** विजयनगर स्पोर्ट्र्स एंड कल्चरल एसोसिएशन द्वारा रविवार को हंपी नगर वार्ड 133 के मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आयोजक वीवी सुरेश, अर्चना एवं विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने श्रद्धालुओं में निशुल्क पर्यावरण स्नेही मिट्टी से बनी हुई गणेश प्रतिमाओं का वितरण किया।*

वीडियो कॉल धोखाधड़ी के आरोप में नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी में पुलिस ने वीडियो कॉल से जुड़े एक ऑनलाइन धोखाधड़ी रैकेट के सिलसिले में एक नाबालिग समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने अपराध में इस्तेमाल की गई कई वस्तुओं के साथ-साथ लाखों रुपये की नकदी भी जब्त की है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान राजस्थान निवासी जैद मोहम्मद उर्फ जैद खान (19) और एक नाबालिग लड़के के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से पाँच मोबाइल फोन और 2 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। जिला पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने बताया कि मामले के अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस के अनुसार, मामला तब सामने आया जब एक शिकायतकर्ता ने फेसबुक पर एक महिला से दोस्ती की। इसके तुरंत बाद, शिकायतकर्ता को एक वीडियो कॉल आया। कॉल रिसीव करने के कुछ ही मिनटों के भीतर, कॉल करने वाले ने शिकायतकर्ता की तस्वीर के साथ छेड़छाड़ करके एक नग्न वीडियो बना लिया और उसे व्हाट्सऐप के जरिए वापस भेज दिया। इसके बाद शिकायतकर्ता को धमकी दी गई कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया जाएगा। बार-बार जबरन वसूली के जरिए कुल 4,44,999 रुपये ट्रांसफर किए गए। सीईएन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। सीईएन इंस्पेक्टर रामचंद्र नाइक और पीएसआई हरीश के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया और अंततः आरोपी को गोवा के मडगांव रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

साइबर सुरक्षा पुख्ता करने के लिए पेन ड्राइव के इस्तेमाल पर रोक

जम्मू, 25 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर सरकार ने सोमवार को साइबर सुरक्षा चिंताओं और संवेदनशील सरकारी डेटा की सुरक्षा की आवश्यकता का हवाला देते हुए सभी प्रशासनिक विभागों के आधिकारिक उपकरणों में पेन ड्राइव के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी एक परिपत्र, में लिखा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की साइबर सुरक्षा स्थिति को बेहतर बनाने, संवेदनशील सरकारी सूचनाओं की सुरक्षा करने और डेटा उल्लंघनों, मैलवेयर संक्रमणों और अनधिकृत पहुंच के जोखिमों को कम करने के लिए, जम्मू और श्रीनगर के सिविल सचिवालय में सभी प्रशासनिक सरकारी विभागों और सभी जिलों के उपायुक्त कार्यालयों में आधिकारिक उपकरणों पर पेन ड्राइव के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है।

हालांकि, इस आदेश में अपवादों की सीमित गुंजाइश है। इसमें कहा गया है कि असाधारण मामलों में, जहां परिचालन संबंधी जरूरतें उनके उपयोग को उचित ठहराती हैं, संबंधित प्रशासनिक प्रमुख के माध्यम से राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (एसआईओ), एनआईसी को औपचारिक अनुरोध भेजने पर, प्रति विभाग 2-3 पेन ड्राइव तक नियंत्रित श्वेतसूचीकरण की अनुमति दी जा सकती है। परिपत्र में निर्देश दिया गया है कि ऐसे अनुमोदित उपकरणों को उपयोग से पहले पुनः कान्फिगरेशन, प्राधिकरण और स्वामित्व पंजीकरण के लिए एनआईसी प्रकोष्ठों में जमा किया जाना चाहिए।

एक सुरक्षित विकल्प के रूप में, सरकार ने विभागों का सरकारी वेबसाइट के माध्यम को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है, जो एक क्लाउड-आधारित, बहु-किरायेदार प्लेटफार्म है जो प्रत्येक सरकारी अधिकारी को 50 जीबी सुरक्षित संग्रहण प्रदान करता है, जिसमें सभी उपकरणों में केंद्रीकृत पहुंच और समन्वयन शामिल है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आधिकारिक डेटा को साझा करने, संग्रहीत करने या संसाधित करने के लिए व्हाट्सएप जैसे सार्वजनिक मैसेजिंग प्लेटफॉर्म या आईलवपीडीएफ जैसी असुरक्षित सेवाओं के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगा दिया है, और चेतावनी दी है कि सभी संवेदनशील तकनीकी जानकारी केवल सुरक्षित सरकार अनुमोदित चैनलों के माध्यम से ही संभाली जानी चाहिए। परिपत्र में चेतावनी दी गई है कि इन निर्देशों का उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा और आधिकारिक आचरण और आईटी उपयोग के प्रासंगिक नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

इसमें कहा गया है कि यह आदेश सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के साथ तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएगा।

यूपी में छूटे हुए छह लाख छात्रों को मिलेगी छात्रवृत्ति

फिर से खुलेगा पोर्टल, सीएम योगी की सौगात

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

यूपी में छूटे हुए छह लाख छात्रों को छात्रवृत्ति मिलेगी। इसके लिए पोर्टल फिर से खोला जाएगा। सीएम योगी ने इसकी अनुमति दे दी है। वर्ष 2024-25 में संस्थाओं और अधिकारियों की लापरवाही से इसका लाभ नहीं मिल सका था। उत्तर प्रदेश में छूटे छह लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के साथ शुल्क भरपाई भी होगी। इसके लिए छात्रवृत्ति पोर्टल खोला जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी सहमति दे दी है। भुगतान के लिए अनुपूरक बजट और बचत के मदों (पुनर्विनियोग) से करीब 300 करोड़ रुपए की व्यवस्था की जाएगी।

प्रदेश सरकार ढाई लाख रुपए तक सालाना आय वाले एससी-एसटी छात्रों और दो लाख रुपए तक आय वाले अन्य वर्गों के छात्रों को छात्रवृत्ति के साथ शुल्क की भरपाई करती है। वर्ष 2024-25 में शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अधिकारियों की लापरवाही से सभी वर्गों के करीब 6 लाख पात्र छात्र योजना का लाभ नहीं पा सके। कहीं लापरवाह अधिकारियों ने डाटा लॉक नहीं किया तो कहीं शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन आवेदन आगे ही नहीं बढ़ाया। इतना ही नहीं अलीगढ़ की राजा महेंद्र प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी के नोडल अधिकारी ने एससी छात्रों का डाटा फॉरवर्ड करने के लिए लॉग इन ही नहीं किया। संस्थानों और विश्वविद्यालय को फरवरी और मार्च में आवेदन करने वाले एससी छात्रों का डाटा फॉरवर्ड करने के लिए 17-30 अप्रैल तक का समय दिया गया था। संबंधित नोडल अधिकारियों ने डाटा वेरीफाई कर आगे ही नहीं बढ़ाया।

समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव वेंकटेश्वर लू ने बताया कि नए वित्त वर्ष में इन छात्रों को पिछले बकाया के भुगतान के लिए मुख्यमंत्री ने सहमति दे दी है। अब प्रस्ताव कैबिनेट में भेजा जाएगा। कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद इन छात्रों का ऑनलाइन डाटा प्रोसेस करने के लिए समय सारिणी जारी की जाएगी।

जम्मू कश्मीर सीमा पर पाकिस्तान फिर खेलने लगा ड्रोन-ड्रोन

जम्मू, 25 अगस्त (ब्यूरो)।

पाकिस्तानी सेना एक बार फिर जम्मू कश्मीर की सीमाओं पर ड्रोन ड्रोन खेलने लगी है। यही कारण था कि जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास कई अग्रिम इलाकों में पाकिस्तान से आए लगभग आधा दर्जन ड्रोन मंडराते देखे जाने के बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। जबकि इस बीच सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा में आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया है।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार रात 9.15 बजे मेंढर सेक्टर के बालाकोट, लंगोटे और गुरसाईं नाले के ऊपर सीमा पार से ड्रोन की गतिविधि देखी गई। उन्होंने बताया कि माना जा रहा है कि निगरानी के लिए छोड़े गए ये ड्रोन बहुत ऊंचाई पर उड़ते देखे गए और पांच मिनट के भीतर ही पाकिस्तान की सीमा में लौट गए। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई और सुबह होते ही उन कई इलाकों में तलाशी शुरू कर दी गई जहां ड्रोन की गतिविधि देखी गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई हथियार या नशीले पदार्थ हवाई मार्ग से न गिराए जा रहे हों।

पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान द्वारा हथियार और नशीले पदार्थ गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है और इसी के अनुरूप, पुलिस ने पिछले साल फरवरी में ड्रोन देखे जाने की सूचना देने वाले को तीन लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी, जिससे गिराई गई सामग्री बरामद हो सके।

इस बीच सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। टीम ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के त्रेहगाम के दरीबल मरहमा इलाके से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। हालांकि इस दौरान आतंकी पहले ही फरार हो चुके थे। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ की यूनिट इंटेलिजेंस सेल (यूआईसी) से मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के बाद सीआरपीएफ की 98वीं बटालियन और जम्मू-कश्मीर पुलिस (पीपी अवोरा) ने संयुक्त रूप से अभियान शुरू किया। इस दौरान दरीबल मरहमा इलाके से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

तलाशी के दौरान एक हथगोला, दस एके-47 राउंड, एक दूरबीन, छह डेटोनेटर और एक पाकिस्तान निर्मित बैकपैक बरामद किया गया है1 माना जा रहा है कि आतंकी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे, हालांकि उससे पहले ही उनके नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस बरामदगी ने क्षेत्र में संभावित आतंकवादी गतिविधियों को विफल कर दिया है। फिलहाल आगे की जांच जारी है और आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है।

केसर के बीज प्रदेश से बाहर जाने पर किसान चिंतित

जम्मू, 25 अगस्त (ब्यूरो)।

कश्मीर में केसर के कंदों अर्थात् बीजों के अवैध निर्यात पर अंकुश लगाने और उनकी संख्या बढ़ाने के लिए, अधिकारियों ने पूरे केसर क्षेत्र में कड़ी निगरानी और दस्तावेजीकरण अभियान शुरू किया है। कृषि विभाग के पंपोर जोन ने इस प्रथा की जांच करने और कंद निकालने व बुवाई का विस्तृत रिकार्ड रखने के लिए एक विशेष दल का गठन किया है।

अधिकारियों ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य कंदों की अनधिकृत आवाजाही को रोकना और स्थानीय उत्पादकों के हितों की रक्षा करना है, क्योंकि हाल के वर्षों में अवैध निर्यात एक बढ़ती हुई चिंता का विषय बन गया है। यह दल हर निष्कर्षण का रिकार्ड रख रहा है, यह ध्यान रखते हुए कि कंद कहां निकाले जाते हैं और उन्हें कहां दोबारा लगाया जाता है ताकि इस प्रक्रिया पर नजर रखी जा सके और अवैध निर्यात पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने बताया कि दर्ज किए जा रहे विवरणों में उत्पादकों के नाम, आधार संख्या, निष्कर्षण के स्रोत और वे खेत शामिल हैं जहां कंद बोए जाते हैं।

अधिकारियों के अनुसार, इस प्रक्रिया और निगरानी से उन्हें यह सत्यापित करने में मदद मिलेगी कि प्रत्येक किसान कितना बीज निकालता है, दोबारा लगाता है और उसे कहां बोया जाता है। उन्होंने बताया कि यह निगरानी प्रक्रिया पूरे बुवाई के चरम मौसम में जारी रहेगी। पंपोर के कृषि विस्तार अधिकारी इश्तियाक अहमद भट ने बताया कि केसर के कंदों की निकासी और बुवाई 15 अगस्त से शुरू हुई, जिसके बाद विभाग ने निगरानी के प्रयास तेज कर दिए। उनके अनुसार, निर्यात कई वर्षों से चल रहा है और एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। हमने पंपोर, सम्बूरा, चंदहरा, लेथपोरा, अंद्रोसा, डूसू और आसपास के इलाकों में जागरूकता अभियान चलाए हैं ताकि लोग निर्देशों का पालन करें और कंदों के निर्यात से बचें। उन्होंने बताया कि कई जगहों पर छापे मारे जा चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप अवंतीपोरा में गैर-निवासियों से लगभग 1.5 क्विंटल कंद जब्त किए गए हैं, जो उन्हें तस्करी के जरिए बाहर ले जाने की कोशिश कर रहे थे।

भट ने कहा कि जागरूकता अभियान और छापे जरूरी हैं। केसर के बीज को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है ताकि यह यहीं रहे और स्थानीय स्तर पर बढ़ता रहे। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि केसर के कंदों का अवैध निर्यात या परिवहन बीज अधिनियम, 1966 और केसर अधिनियम, 2007 के तहत दंडनीय है, जिसमें कारावास, भारी जुर्माना और सामग्री की जब्ती का प्रावधान है। इस कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर जुर्माने सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, किसानों से विभाग के साथ सहयोग करने और विश्व प्रसिद्ध कश्मीरी केसर के जर्मप्लाज्म की सुरक्षा के अभियान का समर्थन करने का आग्रह किया गया है। दूसरी ओर, अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए, अधिकारियों ने बताया कि एचएडीपी के तहत, निष्कर्षण और बुवाई में लगे किसानों को प्रति कनाल 27,000 रुपए सीधे उनके बैंक खातों में जमा किए जाएंगे।

यूट्यूबर समीर अदालत में हुए पेश

बेंगलूरु, 25 अगस्त (ब्यूरो)।

यूट्यूबर समीर रविवार को दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्टांगडी पुलिस स्टेशन में पेश हुए और उनसे पूछताछ की गई। समीर के खिलाफ धर्मस्थल पुलिस स्टेशन समेत कई जगहों पर एआई तकनीक का इस्तेमाल करके वीडियो बनाकर धर्मस्थल के खिलाफ गलत सूचना फैलाने और भड़काने के मामले दर्ज किए गए हैं।

अदालत ने समीर को धर्मस्थल मामले में अग्रिम जमानत दे दी है। हालाँकि, उन्हें सुनवाई में पेश होने की चेतावनी भी दी गई थी। पुलिस के नोटिस के बाद, समीर अपने वकीलों के साथ कई दस्तावेजों और एक लैपटॉप के साथ बेल्टांगडी सर्किल इंस्पेक्टर के कार्यालय में पेश हुए। सर्किल इंस्पेक्टर नागेश कादरी ने समीर से पूछताछ की। समीर द्वारा बनाए गए वीडियो ने काफी विवाद खड़ा कर दिया था।

एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में जुड़ेंगे युवा और छात्र

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में होंगे कार्यक्रम

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

एक राष्ट्र-एक चुनाव के समर्थन के लिए भाजपा उत्तर प्रदेश में युवाओं और छात्रों को जोड़ेगी। इसके लिए विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्र-एक चुनाव अभियान के समर्थन के लिए छात्रों और युवाओं को जोड़ेगी। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में रविवार को अभियान को गति प्रदान करने के लिए आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों के संदर्भ में व्यापक विचार-विमर्श करते हुए रणनीति तय की गई। पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान समिति के प्रदेश के सह संयोजक और एमएलसी अनूप गुप्ता एवं प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह की मौजूदगी में बैठक हुई। इसमें छात्रों व युवाओं को अभियान के साथ जोड़ते हुए सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, कॉलेजों आदि में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है लोकतंत्र को अनावश्यक खर्च, बार-बार होने वाले चुनाव और राजनीतिक अस्थिरता से मुक्त किया जाए। इसके लिए राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ एक राष्ट्र-एक चुनाव आवश्यक है। आर्थिक नीतियों में निरंतरता, व्यापार और रोजगार को गति देने के लिए एक देश-एक चुनाव समय की मांग है। इसके लिए लोकमत तैयार करना है ताकि इस मुहिम में जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। गांव, गली, शहरों, खेत, खलिहानों, दुकानों और प्रतिष्ठानों में चर्चा के साथ ही युवाओं को भी जोड़ना है।

प्रदेश टोली के सदस्यों पर अभियान की सफलता की जिम्मेदारी है। अभियान से व्यापारियों को भी जोड़ने के लिए योजना बनाकर काम करना होगा। वहीं, अनूप गुप्ता ने कहा कि अभी तक प्रदेश में जो भी अभियान और कार्यक्रम एक राष्ट्र एक चुनाव के संदर्भ में आयोजित किए गए हैं, उन्हें समाज के हर वर्ग का समर्थन प्राप्त हुआ है। बैठक में स्टूडेंट फॉर वन-नेशन-वन-इलेक्शन के संदर्भ में व्यापक चर्चा हुई। इस दौरान प्रदेश में राज्य स्तरीय छात्र नेता सम्मेलन अगस्त माह के आखिरी सप्ताह में राजधानी में करने पर चर्चा हुई। इसी क्रम में क्षेत्रीय स्तर पर भी छात्र नेता सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे। क्षेत्रीय छात्र नेता सम्मेलन की प्रस्तावित तिथियों में 2 अथवा 3 सितंबर को काशी व गोरखपुर क्षेत्र का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। वहीं 4 अथवा 5 सितंबर को पश्चिम और ब्रज क्षेत्र में, 6 अथवा 7 सितंबर को कानपुर व अवध क्षेत्र में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा 10 से 30 सितंबर के मध्य यूथ सम्मेलन का भी आयोजन एक राष्ट्र-एक चुनाव अभियान के समर्थन में किया जाएगा। यूथ सम्मेलन के कार्यक्रम सभी महानगरों में आयोजित किए जाएंगे।

पटना में 2 नाबालिग बच्चों की मौत पर भारी बवाल!

अटल पथ पर नाराज लोगों ने कई गाड़ियों को किया आग के हवाले

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

पटना के अटल पथ पर सोमवार की शाम भारी बवाल हुआ। पिछले दिनों पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी इलाके में एक गाड़ी में दो बच्चों के शव मिले थे। ट्यूशन के लिए घर से निकले बच्चों की मौत अब तक रहस्य ही है। इससे गुस्साए लोगों ने सड़क पर उतरकर हंगामा किया। एक वीवीआइपी की गाड़ी और पुलिस की एस्कॉर्ट गाड़ी को भीड़ ने निशाना बनाया। किसी तरह वो जान बचाकर सभी भागे। वहीं आक्रोशित लोगों ने कई गाड़ियों को आग के भी हवाले कर दिया।

घटना सोमवार शाम की है। रोज की तरह वाहनों का आना-जाना लगा हुआ था। अचानक बड़ी संख्या में लोग अटल पथ पर जुटे और बवाल काटने लगे। इस दौरान एक वीवीआइपी की गाड़ी पर यह भीड़ टूट पड़ी। कार के शीशे फोड़ दिए। जब कार पर हमला शुरू हुआ तो वीवीआइपी की गाड़ी और उसे एस्कॉर्ट कर रही पुलिस की गाड़ी लेकर ड्राइवर तेजी से भाग निकला। वहीं, कार के नीचे उतरे बॉडीगार्ड और अन्य पुलिसकर्मी पैदल ही जान बचाकर भागते रहे। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। अटल पथ पर यातायात बाधित हो गया है। पूरी घटना का वीडियो भी किसी ने मोबाइल में कैद किया जो वायरल हो रहा है।

मौके पर पहुंचे पटना के आईजी जितेंद्र राणा ने बताया कि हंगामा, उपद्रव और पथराव करने वाले कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल स्थिति पुलिस के नियंत्रण में हैं।

अन्ना भाग्य चावल का अवैध भंडारण, दो पर मामला दर्ज

मेंगलूरु, 25 अगस्त (ब्यूरो)।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बंटवाल नगर पुलिस की सहायता से शनिवार को गोल्थामजालु गाँव में पट्टेकोडी के पास एक निजी इमारत पर छापा मारा और सरकार की अन्न भाग्य योजना के लिए चावल का अवैध भंडारण करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। आरोपियों की पहचान गोदाम प्रबंधक उम्मारब्बा उर्फ पुट्टमोनु (47) और कर्मचारी रफीक (42)

के रूप में हुई है, दोनों कल्लडका निवासी हैं। छापेमारी के दौरान, अधिकारियों ने लगभग 25 क्विंटल अन्न भाग्य चावल जब्त किया। इसमें 21.4 क्विंटल उबले हुए चावल और 4.67 क्विंटल टूटे हुए चावल शामिल थे, जिन्हें अवैध रूप से संग्रहीत किया गया था। अधिकारियों ने इस गोरखधंधे में इस्तेमाल किए गए तौल उपकरण और चावल ले जाने के लिए लाए गए एक ऑटोरिक्शा को भी जब्त कर लिया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने की महत्वपूर्ण घोषणा

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के नाम पर स्कॉलरशिप

स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में छात्रों को दी जाएगी स्कॉलरशिप

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। देश को चार दशक के बाद एक भारतीय को अंतरिक्ष यात्रा का अवसर मिला। यह हमारा सौभाग्य है कि यह अवसर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जन्मे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को प्राप्त हुआ। वह सफलतम यात्रा के बाद पहली बार लखनऊ आए हैं। ऐसे में उनका आगमन हम सभी को आनंदित करता है। उनकी अंतरिक्ष यात्रा हम सभी के लिए कौतुहल का विषय थी। हर भारतवासी बड़े विश्वास और आशा भरी निगाहों से उनकी अंतरिक्ष यात्रा को देख रहा था। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोक भवन के सभागार में आयोजित देश के सपूत, अंतरिक्ष यात्री एवं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के लखनऊ आगमन पर नागरिक अभिनंदन में कार्यक्रम में कही।

कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की माता आशा शुक्ला, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पिता शंभुदयाल शुक्ला और मेयर सुषमा खर्कवाल ने ग्रुप कैप्टन की पत्नी कामना शुक्ला को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से ग्रुप कैप्टन की अंतरिक्ष यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखाई गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अनुभव का इस्तेमाल विभाग में करने को कहा। इसके अलावा सीएम योगी ने स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए शुभांशु शुक्ला के नाम से स्कॉलरशिप का ऐलान किया। सीएम ने कहा कि 3 वर्ष से 4 वर्ष पहले प्रदेश में स्पेस टेक्नोलॉजी को लेकर किसी भी विश्वविद्यालय, संस्थान में न तो कोई पाठ्यक्रम था, न ही सिलेबस, न डिग्री, न डिप्लोमा और न ही कोई सर्टिफिकेट कोर्स था। वहीं वर्तमान में प्रदेश के दर्जन भर से अधिक टेक्निकल इंस्टीट्यूशन में स्पेस टेक्नोलॉजी को लेकर कोर्सेज संचालित हो रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि भारत के विकास की यात्रा में प्रदेश के संस्थान बराबर सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत वासियों के सामने वर्ष 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य दिया है। इसे साकार करने के लिए विकास के उन सभी क्षेत्र के लिए अपने द्वार खुले रखने होंगे, जहां-जहां आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं। सीएम योगी ने कहा कि शुभांशु शुक्ला के पिता प्रदेश सरकार के सचिवालय प्रशासन में अधिकारी थे। उनके इस गौरवपूर्ण मार्ग पर चलते हुए आज उनके पुत्र ने न केवल उत्तर प्रदेश को बल्कि समूचे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने 18 दिनों की स्पेस यात्रा में पृथ्वी की 320 बार परिक्रमा की। इससे उनकी यात्रा की महत्वपूर्णता और उद्देश्य स्पष्ट होता है।

सीएम ने कहा कि इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन से अंतरिक्ष यात्रा को लेकर बातचीत हुई, जिसमें ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की यात्रा, अंतरिक्ष मिशन और भविष्य में होने वाले प्रयोगों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने 18 दिनों में पूरी पृथ्वी का दौरा किया, जो किसी भी आम नागरिक के लिए अविश्वसनीय अनुभव है। उनका यह अनुभव भविष्य में उत्तर प्रदेश और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। इस यात्रा से ना केवल उन्होंने अंतरिक्ष में अपनी पहचान बनाई, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखा और कृषि के संकटों से निपटने के लिए भी नई दिशा दिखाई है। सीएम ने कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी के उपयोग से प्राकृतिक आपदाओं का बेहतर प्रबंधन और किसानों की आय में वृद्धि संभव है। सीएम ने कहा कि फिल्म के माध्यम से हम सभी ने देखा कि किन-किन क्षेत्रों में आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं जबकि पहले यह फील्ड हम सभी से अछूती थी। वर्तमान में क्लाइमेट चेंज से हर व्यक्ति जूझ रहा है। ऐसे में इससे निपटने के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी का उपयोग कर सकते हैं। सीएम ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने भी युवाओं से स्पेस टेक्नोलॉजी में करियर बनाने की बात कही। उन्होंने बताया कि आज के युवा के पास अंतरिक्ष मिशन जैसी नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के अनगिनत अवसर हैं, जो पहले कभी नहीं थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शुभांशु शुक्ला के अनुभव से आने वाले समय में उत्तर प्रदेश और भारत के युवा इस क्षेत्र में और भी अधिक सक्रिय हो सकते हैं। यह यात्रा न केवल स्पेस सेक्टर को विकसित करने का अवसर है, बल्कि यह हमें आने वाली प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की दिशा भी देती है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में स्पेस सेक्टर में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की यात्रा के माध्यम से हम 2027 में गगनयान मिशन और 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बड़े कदम उठा सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए प्रदेश में अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाए गए हैं। इसके लिए भारत सरकार सहयोग कर रही है, लेकिन हम स्वयं के सैटेलाइट, रिमोट सेंसिंग स्टेशन के माध्यम से आपदाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपदाएं नियंत्रित नहीं हो सकती हैं, यह कहकर हम अपने जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकते हैं। इन चुनौतियों का सामना टेक्नोलॉजी से किया जा सकता है।

अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में बिताए अपने पलों को साझा किया। उन्होंने कहा कि जब आप पहली बार स्पेस स्टेशन पर पहुंचते हैं तो पहली बार आपका शरीर माइक्रोग्रैविटी का एक्सपीरियंस शेयर करता है। आपके शरीर में बहुत सारे बदलाव आते हैं। आपके शरीर का पूरा ब्लड सर में आ जाता है, जिससे आपका सर बड़ा हो जाता है। आपका हार्ट स्लो हो जाता है क्योंकि उसको ग्रेविटी के अगेंस्ट काम नहीं करना है। आपके पेट में जो भी होता है, वह भी फलौट करने लगता है। इसे आप समझ नहीं आते हैं कि आपके अंदर क्या चल रहा है। आपको भूख नहीं लगती है। बहुत सारे चैलेंजेस होते हैं। मुझे लगता है कि हम ऐसी जगह लाइफ को सस्टेन कर रहे हैं, जहां लाइफ सस्टेन होनी नहीं चाहिये। वहां का वातावरण है कि वैक्यूम है, तापमान काफी हार्ष है और हवा बिल्कुल भी नहीं है। इसके सबके बाद भी ह्यूमन इंजीनियरिंग का कमाल है कि इसके बाद भी वहां पर लाइफ को सस्टेन कर पा रहे हैं। इसी डायरेक्शन में भारत अपनी जर्नी पर है। जब हम अपना पहला मिशन लॉन्च करेंगे, जो दुनिया के चौथे राष्ट्र होंगे, जिसके पास ये कैपेबिलिटी होगी। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना, अनिल कुमार, गिरीश चंद्र यादव, अजीत पाल, मनोहर लाल कोरी, मेयर सुषमा खर्कवाल, सांसद बृजलाल, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद आदि मौजूद थे।

यूपी का विकास अन्य प्रदेशों के लिए प्रेरणा स्रोत : वी नारायणन

कार्यक्रम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने प्रदेश के विकास कार्यों और स्पेस प्रोग्राम से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना की और यूपी की प्रगति पर बात की। उन्होंने कहा कि यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जो विकास हो रहा है, वह अन्य प्रदेशों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विकास के लिए कई योजनाओं और पहलों की शुरुआत की, जिसकी वजह से उत्तर प्रदेश आज कई क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी में जो परिवर्तन हुआ है, वह सिर्फ राज्य के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी को एक नई दिशा दी है। इसके अलावा इसरो के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान को भी विशेष रूप से सराहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा देश को अंतरिक्ष कार्यक्रम में नए आयामों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारत ने स्पेस टेक्नोलॉजी में कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं और आज देश अंतरिक्ष में अपने स्थान को और भी मजबूत बना रहा है।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का लखनऊ में जोरदार स्वागत

एयरपोर्ट पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया स्वागत

सम्मान समारोह में सीएमएस पहुंचे ग्रुप कैप्टन शुभांशु

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरिक्ष यात्रा से लौटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला आज अपने गृह जनपद लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने उनका स्वागत किया। उनके माता-पिता और बड़ी संख्या में मौजूद परिजनों के साथ लखनऊवासियों ने उनका भावुक और भव्य स्वागत किया। उनके मोहल्ले त्रिवेणी नगर में जश्न का माहौल है। लखनऊ शहर में चारों ओर शुभांशु- नेशनल हीरो के पोस्टर लगे हैं।

लखनऊ के लाल के नगर आगमन पर उनका स्वागत करने के लिए सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा।

इस दौरान उनके साथ गाड़ी पर सुषमा खर्कवाल, उनके माता-पिता, पत्नी और बेटा मौजूद थे। एक छात्र ने स्कूल के पुरातन छात्र रहे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को स्केच देकर उनका स्वागत किया। अंतरिक्ष से लौटने के बाद शुभांशु शुक्ला के प्रथम लखनऊ आगमन पर अमौसी एयरपोर्ट पर सीएमएस स्कूल के तीन हजार बच्चों ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर बच्चों ने परेड निकालकर प्रस्तुति दी। अलग-अलग प्रस्तुति देकर बच्चों ने ग्रुप कैप्टन का किया स्वागत। इस मौके पर शुभांशु भी कभी हाथ हिलाकर तो कभी हाथ जोड़कर बच्चों के अभिनंदन का जवाब देते रहे।

शुभांशु शुक्ला एयरपोर्ट से निकलकर एक कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़े, तो रास्ते में स्कूली बच्चों ने सड़क किनारे खड़े रहकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान उनका जोश देखने लायक था। आसपास का इलाका भारत माता की जय के नारों से गूंजता रहा। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज लखनऊ के लिए बहुत बड़ा दिन है। भारत के सपूत, लखनऊ के सपूत ने लखनऊ में कदम रखा है। जब से वह अंतरिक्ष से धरती पर लौटे हैं, लखनऊ के लोग बेसब्री से उनके आगमन का इंतजार कर रहे थे। आज आखिरकार वह क्षण आ ही गया।

हम शुभांशु शुक्ला का गर्मजोशी और प्रेम से स्वागत करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी से मिले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से सफल मिशन पूरा कर लौटे लखनऊ के गौरव, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। शुभांशु शुक्ला हाल ही में भारत लौटे हैं और पहली बार सोमवार को अपने गृह प्रदेश उत्तर प्रदेश आए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें मिशन की सफलता के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री आवास पर पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा करते हुए शुभांशु शुक्ला ने कहा, जिस तरह का उत्साह और जिस तरह का एक्साइटमेंट मुझे देखने को मिला है, उससे मैं सच में बहुत कृतज्ञ महसूस कर रहा हूं। ऐसा लग रहा है जैसे मैं घर वापस आया हूं, और यह बहुत अच्छा लगा। यहां आकर जिस तरह का उत्साह देखने को मिला और जिस तरह का प्यार और समर्थन लोग दिखा रहे हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। मुझे गर्व है कि मेरे एक मिशन के जरिए इतना उत्साह सृजित हो पाया है। इस बात से मैं और भी प्रोत्साहित हूं कि जो गतिशीलता हमने बनाई है, वह हमारी अंतरिक्ष की शोध-यात्रा को और आगे बढ़ाएगी।

संपादकीय

'त्रिकोण' बनाम अमरीका

भारत रूस और चीन में एक बार फिर 'त्रिकोण' उभर रहा है। वैश्विक परिस्थितियां ऐसी हैं कि तीनों देश एक ही मंच पर लामबंद हो रहे हैं। उसे 'आरआईसी' नाम दिया जा सकता है। तीनों देश 'ब्रिक्स' के एक मंच पर भी लामबंद हैं। तीनों देश 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) में भी साथ-साथ हैं। यह 'त्रिकोण' 1998 में भी उभरा था और 2002 में उसके विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। भारत और रूस कई दशकों से 'दोस्त' हैं। उनके बीच व्यापारिक रिश्ते, रणनीतिक साझेदारी रही है, बेशक हालात कैसे भी रहे हों, लेकिन भारत और चीन, रूस और चीन के बीच युद्ध भी हुए हैं और सीमा-विवाद भी रहे हैं। भारत चीन को 'दुश्मन नंबर 1' भी मानता रहा है, लेकिन दोनों एशिया के 'सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी देश' भी हैं और 2024-25 में दोनों देशों के बीच 127.7 अरब डॉलर का कारोबार भी किया गया। अब विश्व की बदलती परिस्थितियों के मद्देनजर भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार और कूटनीति की कवायद जारी है। रूस और चीन के संबंध कूटनीतिक स्तर पर प्रगाढ़ रहे हैं। चूंकि तीनों देशों का एक साझा खलनायक है-अमरीका, लिहाजा उस पर दबाव बनाए रखने और उसकी अड़चनों और उसके फैसलों से निष्प्रभावी होने के मद्देनजर भारत, रूस, चीन का 'त्रिकोण' पुख्ता होता जा रहा है। रूस पर अमरीकी और यूरोपीय पाबंदियों के दौर में चीन और भारत ने उससे काफी मात्रा में कच्चा तेल खरीदा। रूस ने भारत के साथ 'रुपया' मुद्रा में कारोबार किया। हालांकि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एक अखबार में विस्फोटक लेख लिखा और भारत की 'तेल लॉबी' को करार दिया कि वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन की युद्ध-मशीनरी की आर्थिक मदद कर रहा है, लिहाजा भारत को रूस से तेल खरीदने से रोका जाए। यथार्थ यह है कि अमरीका और यूरोप तुलनात्मक रूप से रूसी तेल और गैस के सबसे बड़े खरीददार हैं। यही वैश्विक परिस्थितियां हैं, जो भारत, रूस, चीन को करीब लाकर 'त्रिकोण' बना रही हैं। हाल ही में चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत आए और हमारे विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवल तथा अंततः प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। चीन ने महत्वपूर्ण पेशकश की कि वह भारत को खाद, रेयर अर्थ मिनरल्स और सुरंग खोदने की मशीन मुहैया कराने को तैयार है। रेयर अर्थ मिनरल्स करीब 90 फीसदी चीन में ही होते हैं। चीन पहले इन वस्तुओं की आपूर्ति में बाधाएं डालता रहा था। इस माह के अंत में तीनों देशों के शीर्ष नेता एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान चीन में मिलेंगे। उस मुलाकात से 'त्रिकोण' और भी पुख्ता होगा। विश्व की करीब 38 फीसदी आबादी, 33 फीसदी जीडीपी, करीब 20 फीसदी क्षेत्रफल और दुनिया की नंबर 2, 3, और 4 सेनाएं इन तीनों देशों की हैं। इन तीनों देशों के पास करीब 5100 परमाणु हथियार हैं। रूस और चीन सुरक्षा परिषद के स्थायी, वीटो पॉवर वाले देश हैं। कल्पना कर सकते हैं कि इन तीनों देशों की साझा शक्ति कितनी होगी? यह 'त्रिकोण' बनना तब जोर पकड़ने लगा, जब अमरीका ने रणनीतिक साझेदार होने के बावजूद भारत पर 50 फीसदी टैरिफ थोपने की घोषणा की। नतीजतन समीकरण बदलने लगे और चीन ने भारत पर थोपे गए टैरिफ की निंदा की और भारत के साथ सहयोग का हाथ बढ़ाया। हालांकि इतिहास और अतीत बताता है कि भारत को चीन पर भरोसा नहीं करना चाहिए, लेकिन यह 'त्रिकोण' बनाना भी वैश्विक हित में है। अमरीका की 'दादागीरी' कुछ ढीली होगी। भारत की चीन के साथ 3488 किमी सीमा के विवाद पुराने और गंभीर हैं, लेकिन अब चीनी विदेश मंत्री ने हमारे सुरक्षा सलाहकार के सीमा संबंधी प्रस्ताव पर सहमति जताई है, लिहाजा बातचीत आगे बढ़ेगी। दोनों देश सीधी उड़ान और सीमावर्ती व्यापार को फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं। हालांकि चीन के साथ व्यापार करने में भारत को करीब 100 अरब डॉलर का निरंतर घाटा है, लेकिन धीरे-धीरे इसकी भरपाई की जा सकती है।

भारत और रूस कई दशकों से 'दोस्त' हैं। उनके बीच व्यापारिक रिश्ते, रणनीतिक साझेदारी रही है, बेशक हालात कैसे भी रहे हों, लेकिन भारत और चीन, रूस और चीन के बीच युद्ध भी हुए हैं और सीमा-विवाद भी रहे हैं। भारत चीन को 'दुश्मन नंबर 1' भी मानता रहा है, लेकिन दोनों एशिया के 'सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी देश' भी हैं और 2024-25 में दोनों देशों के बीच 127.7 अरब डॉलर का कारोबार भी किया गया। अब विश्व की बदलती परिस्थितियों के मद्देनजर भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार और कूटनीति की कवायद जारी है। रूस और चीन के संबंध कूटनीतिक स्तर पर प्रगाढ़ रहे हैं। चूंकि तीनों देशों का एक साझा खलनायक है-अमरीका, लिहाजा उस पर दबाव बनाए रखने और उसकी अड़चनों और उसके फैसलों से निष्प्रभावी होने के मद्देनजर भारत, रूस, चीन का 'त्रिकोण' पुख्ता होता जा रहा है। रूस पर अमरीकी और यूरोपीय पाबंदियों के दौर में चीन और भारत ने उससे काफी मात्रा में कच्चा तेल खरीदा। रूस ने भारत के साथ 'रुपया' मुद्रा में कारोबार किया।

राहुल गांधी एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बीमारी का ढिंढोरा पीट रहे हैं लेकिन बीमारी के इलाज का विरोध कर रहे

चुनाव आयोग नहीं, जनादेश का अपमान हो रहा है

राजेश कुमार पासी

इंडिया गठबंधन के नेताओं ने 11 अगस्त को संसद से लेकर चुनाव आयोग मुख्यालय तक विरोध मार्च निकालकर हंगामा किया जबकि चुनाव आयोग ने 30 नेताओं को अपनी बात रखने के लिए बुलाया था। वास्तव में विपक्ष यह दिखाना चाहता था कि उसके विरोध को दबाया जा रहा है, इसलिए ऐसा हंगामा किया गया कि पुलिस को उनकी गिरफ्तारियां करनी पड़ी। विदेशी समाचार पत्रों में यह खबर प्रमुखता के साथ प्रकाशित की गई कि भारत में विपक्ष को चुनावी धांधलियों के खिलाफ आवाज उठाने से रोका जा रहा है। इस पर कई विदेशी समाचार पत्रों द्वारा लेख प्रकाशित करके बताया जा रहा है कि भारत में लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के कार्यक्रम पर विपक्ष द्वारा खड़े किये जा रहे विवाद के कारण विदेशी समाचार पत्रों द्वारा इस पारदर्शी प्रक्रिया को विवादास्पद बताया जा रहा है। राहुल गांधी ने 7 अगस्त को दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस करके चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कर्नाटक में कांग्रेस को 16 सीटें मिलने की उम्मीद थी लेकिन वो केवल 9 सीटें ही जीत पाई। उनका आरोप है कि ऐसा केवल वोट चोरी से हो सकता है इसलिए वो इसे चुनाव चोरी कहते हैं। राहुल गांधी चुनाव आयोग के कर्मचारियों को धमकी देते हुए कहते हैं कि जब उनकी सरकार आएगी तो उनको इसका परिणाम भुगतना होगा। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को अपने आरोपों पर शपथ पत्र देने का कहा है ताकि वो मामले की जांच कर सके। राहुल गांधी कहते हैं कि वो शपथपत्र नहीं देंगे, उनका बयान ही शपथ पत्र माना जाए। सबसे अजीब बात यह है कि एक तरफ राहुल गांधी मतदाता सूची में फर्जी लोगों का नाम जोड़ने का आरोप लगाते हैं तो दूसरी तरफ बिहार में मतदाता सूची में फर्जी, अयोग्य और मृत लोगों के नाम हटाये जाने का विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बीमारी का ढिंढोरा पीट रहे हैं लेकिन बीमारी के इलाज का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने 7 अगस्त को अपनी प्रेस कांफ्रेंस में जो खुलासा किया है, वो वास्तव में कोई खुलासा है ही नहीं बल्कि एक ऐसा सच है जो इस देश का हर व्यक्ति जानता है। सबको पता है कि मतदाता सूची में मृतकों और अयोग्य लोगों के नाम दर्ज हैं। इसके अलावा ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने अपने नाम कई जगहों पर दर्ज करवाए हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा है कि बैंगलुरू सैंट्रल निर्वाचन क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा मतदाता चुपके से जोड़ दिए गए हैं। सवाल यह है कि नये वोटर जोड़ना कैसे गलत है लेकिन राहुल गांधी इन विसंगतियों को लेकर खुद ही नतीजे पर पहुंच गए हैं कि यह सब भाजपा ने अपने फायदे के लिए किया है। कांग्रेस की कर्नाटक सरकार के मंत्री राजन्ना ने इस मामले पर अपनी ही पार्टी और सरकार को घेर लिया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन हमारी सरकार के दौरान ही हुआ है और यह काम कर्नाटक सरकार में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किया गया है। एक आदिवासी मंत्री राजन्ना को इसलिए बर्खास्त कर दिया गया क्योंकि उन्होंने राहुल गांधी के झूठ की पोल खोल दी। सबसे बड़ा सवाल यही है कि कांग्रेस सरकार के शासन में, उसके ही कर्मचारियों और अधिकारियों ने मतदाता सूची में भाजपा के लिए हेराफेरी कैसे कर दी। राहुल गांधी चुनाव आयोग के कर्मचारियों को धमकी दे रहे हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वो कार्यवाही करेंगे। अब सवाल उठता है कि कर्नाटक में तो उनकी सरकार है तो कार्यवाही क्यों नहीं की गई है। क्या वो यह कहना चाहते हैं कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार आएगी तो वो कर्नाटक के कर्मचारियों को दंड देंगे। कानूनन किसी भी दल को मतदान प्रक्रिया या मतदाता सूची में गड़बड़ी पाए जाने पर नतीजों के 45 दिनों के अंदर अपनी शिकायत दर्ज करवानी होती है लेकिन राहुल गांधी और उनकी पार्टी ऐसा नहीं कर सकी। राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि कई ऐसे पते हैं जिन पर वहां रहने वाले लोगों की संख्या के मुकाबले कहीं ज्यादा मतदाता दर्ज हैं। यह भी एक आम समस्या है क्योंकि भारत में लगभग 40 करोड़ प्रवासी हैं जो अपना निवास स्थान जल्दी-जल्दी बदलते रहते हैं। वो उस घर के पते का इस्तेमाल करते हैं जो उन्हें ऐसा करने की इजाजत देता है। इसके कारण कई घरों में रहने वाले लोगों से कहीं ज्यादा मतदाता दर्ज हो जाते हैं। दूसरी बात यह है कि ऐसे लोग कई बार कई जगहों पर मतदाता बन जाते हैं और उनके कई वोटर कार्ड भी बन जाते हैं। इन विसंगतियों को तो बिहार में चुनाव आयोग ठीक कर रहा है और अब पूरे देश में इसे ठीक करने की मुहिम शुरु होने वाली है। अजीब बात यह है कि पूरा विपक्ष इसका विरोध कर रहा है। वास्तव में राहुल गांधी और दूसरे विपक्षी नेता चुनाव आयोग के खिलाफ अभियान नहीं चला रहे हैं बल्कि वो भाजपा के खिलाफ राजनीति कर रहे हैं। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसे सारी शक्तियां संविधान से मिलती हैं। चुनाव आयोग सरकार के अधीन नहीं है बल्कि स्वतंत्र तरीके से अपना काम करता है। चुनाव आयोग का काम केन्द्र और राज्य सरकार के अधिकारी और कर्मचारी करते हैं। यह आरोप लगा देना सही नहीं है कि चुनाव आयोग किसी विशेष दल के लिए हेराफेरी कर रहा है। आरोप लगाना तब सही है जब आपके पास उसको साबित करने के लिए पक्के सबूत हों लेकिन सबूत के नाम पर विपक्ष के पास कुछ नहीं है। मतदाता सूची में विसंगतियां हैं इसलिए तो चुनाव आयोग गहन पुनरीक्षण कर रहा है। मतदाता सूची में विसंगतियां दिखा कर यह साबित नहीं किया जा सकता कि इससे किसी पार्टी को फायदा पहुंचाया गया है। अगर फर्जी वोटिंग हुई है तो किसके पक्ष में हुई है, उसे भी साबित करने की जरूरत है। सिर्फ विसंगतियों के आधार पर यह कह देना कि इससे भाजपा को फायदा हुआ है, पूरी तरह से गलत है। अगर भाजपा कहती है कि इससे कांग्रेस को फायदा हुआ है तो राहुल गांधी क्या जवाब देंगे। मतदाता सूची में जिन विसंगतियों का खुलासा राहुल गांधी ने किया था, वैसी ही विसंगतियों को भाजपा ने कांग्रेस नेताओं द्वारा जीती हुई सीटों पर ढूंढ निकाला है। क्या अब राहुल गांधी यह कहेंगे कि यह विसंगतियां कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव जीतने के लिए करवाई थी। इस तरह देखा जाए तो कांग्रेस ने भी चुनाव की चोरी की है। वास्तव में राहुल गांधी का निशाना चुनाव आयोग नहीं बल्कि मोदी सरकार है। राहुल गांधी को अब अहसास हो गया है कि वो मोदी से जीत नहीं सकते, इसलिए उनकी जीत को संदिग्ध बना रहे हैं। वो यह साबित करना चाहते हैं कि मोदी सरकार को जनता वोट नहीं दे रही है बल्कि भाजपा वोट चोरी करके सरकार बना रही है। इस तरह राहुल गांधी मोदी सरकार को मिले जनादेश का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा भी है कि हर सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर होती है लेकिन मोदी सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर नहीं होती है। उन्हें मोदी सरकार का बार-बार चुनाव जीतना संदिग्ध लग रहा है इसलिए वो कह रहे हैं कि भाजपा चुनाव चोरी करके सरकार बना रही है। वो भूल गए हैं कि आजादी के बाद 55 साल तक कांग्रेस ने राज किया है। क्या वो कहना चाहते हैं कि नेहरू जी और इंदिरा जी बार-बार चुनाव इसलिए जीत रहे थे क्योंकि वो चुनाव चोरी कर रहे थे। क्या मनमोहन सिंह सरकार दोबारा चुनाव चोरी करके बनी थी। राहुल गांधी इस देश की जनता का अपमान कर रहे हैं, संविधान और लोकतंत्र का मजाक बना रहे हैं। इस देश का मतदाता बहुत समझदार है, वो सरकार को तब तक नहीं बदलता जब तक कि उसका अच्छा विकल्प उसके सामने न हो। 1977 तक देश की जनता ने सिर्फ कांग्रेस को चुना लेकिन आपातकाल के कारण पहली बार विपक्ष को सरकार बनाने का मौका दिया। जब विपक्ष ने अच्छा काम नहीं किया तो जनता ने कांग्रेस को दोबारा मौका दिया। ऐसे ही 2009 में मनमोहन सिंह सरकार को दोबारा इसलिए मौका मिला क्योंकि जनता के सामने अच्छा विकल्प नहीं था। 2014 में जनता को मोदी के रूप में एक विश्वसनीय चेहरा मिला तो सरकार बदल दी।

राहुल गांधी ने 7 अगस्त को दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस करके चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कर्नाटक में कांग्रेस को 16 सीटें मिलने की उम्मीद थी लेकिन वो केवल 9 सीटें ही जीत पाई। उनका आरोप है कि ऐसा केवल वोट चोरी से हो सकता है इसलिए वो इसे चुनाव चोरी कहते हैं। राहुल गांधी चुनाव आयोग के कर्मचारियों को धमकी देते हुए कहते हैं कि जब उनकी सरकार आएगी तो उनको इसका परिणाम भुगतना होगा। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को अपने आरोपों पर शपथ पत्र देने का कहा है ताकि वो मामले की जांच कर सके। राहुल गांधी कहते हैं कि वो शपथपत्र नहीं देंगे, उनका बयान ही शपथ पत्र माना जाए। सबसे अजीब बात यह है कि एक तरफ राहुल गांधी मतदाता सूची में फर्जी लोगों का नाम जोड़ने का आरोप लगाते हैं तो दूसरी तरफ बिहार में मतदाता सूची में फर्जी, अयोग्य और मृत लोगों के नाम हटाये जाने का विरोध कर रहे हैं।

देश दुनिया से

राजस्थान रेत का विस्तार नहीं अवसरों का पिटारा

थार के रेगिस्तान और दूर-दूर तक रेत के धोरों के लिए पहचाना जाने वाला राजस्थान आज औद्योगिक निवेश की विपुल संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश हो गया है। औद्योगिक निवेश के लिए देसी-विदेशी निवेशकों के लिए राजस्थान प्रमुख डेस्टिनेशन बन गया है। राजस्थान का भौगोलिक परिदृश्य, जिसे कभी निवेश के लिए बाधा माना जाता था, आज अवसरों का पिटारा बन गया है। थार का रेगिस्तान अब केवल रेत का विस्तार नहीं, बल्कि सौर और नवीकरणीय ऊर्जा का वैश्विक केंद्र बन गया है। प्रदेश हरित विकास का नया अध्याय लिख रहा है तो धरती की गर्भ में छिपी खनिज संपदा ने राजस्थान में खनन विकास की नई इबारत लिखना शुरु कर दिया है। गत दिसंबर, 24 में आयोजित राइजिंग राजस्थान इसका जीता-जागता उदाहरण है कि आरआर समिट के दौरान ना केवल देसी-विदेशी निवेशकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया अपितु समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश समझौते हस्ताक्षरित किये हैं। यह आज के बदलते राजस्थान की तस्वीर है। राज्य की औद्योगिक विकास यात्रा को चार महत्वपूर्ण आयामों में विभाजित कर आसानी से समझा जा सकता है। एक, सौर और पवन ऊर्जा राजस्थान को हरित ऊर्जा केंद्र बना रही है। दूसरा, बाड़मेर आज प्रति व्यक्ति आय में अग्रणी है और जैसलमेर भारत की सीमेंट राजधानी के रूप में उभर रहा है। तीसरा, कोटा के जल संसाधन ऊर्जा भंडारण और शिक्षा हब दोनों को गति दे रहे हैं। तो चौथे, पोटाश, यूरेनियम, हाइड्रोकार्बन, क्रिटिकल मिनरल और अन्य खनिज प्रदेश की अर्थव्यवस्था का भविष्य तय कर रहे हैं। राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बनने का बड़ा कारण यह है कि राजधानी दिल्ली और अन्य प्रमुख केन्द्रों से कनेक्टिविटी और यहां की कानून व्यवस्था व लोगों का व्यवहार। शांति, सद्भाव और सहजता राजस्थान की पहचान है। मानव संसाधन की सहज उपलब्धता उद्यमियों के लिए और अधिक आसान हो जाती है। राजधानी दिल्ली से सबसे निकटतम शांत और बेहतर कानून व्यवस्था वाला प्रदेश राजस्थान है। एनसीआर का विस्तार राजस्थान और इसकी सीमाओं से लगते हुए हो रहा हैं। एक्सप्रेस वे और नेशनल हाईवे के विस्तार से प्रदेश के किसी भी कोने तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। आज देश में नवीकृत उर्जा के उत्पादन में राजस्थान शीर्ष पर है तो अब सोलर के लिए आवश्यक उपकरण तैयार करने वाले उद्योगों को भी राजस्थान में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बालोतरा के पचपदरा में तैयार हो रही हिन्दुस्तान पेट्रोलियम राजस्थान रिफाइनरी शुरु होते ही तस्वीर पूरी तरह से बदल जाएगी। यहां पर पेट्रोकेमिकल जोन विकसित किया जा रहा है। बाड़मेर जैसलमेर जिसे कभी काले पानी की सजा के रुप में देखा जाता था तेजी से विकसित क्षेत्र होते जा रहे हैं। लगभग असंभव को संभव बनाते हुए बाड़मेर के विकास को इसी से समझा जा सकता है कि आज राजस्थान में परकेपिटा आय में बाड़मेर शीर्ष स्थान पर आ गया है। बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर से बीकानेर तक तपती धरती आज नवीकृत ऊर्जा खासतौर से सोलर उर्जा के उत्पादन बढ़ा रही है। नवीकृत ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान में अभी भी संभावनाओं को इसी से समझा जा सकता है कि 35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों में करीब करीब 80 प्रतिशत निवेश प्रस्ताव नवीकृत उर्जा क्षेत्र के प्राप्त हुए है। राज्य सरकार रीको के माध्यम से भूमि उपलब्ध कराने के साथ ही राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, 2024 के तहत आकर्षक प्रोत्साहन भी दे रही है। सिंगल विण्डो सिस्टम से निवेशकों के लिए राजस्थान में उद्योगों की स्थापना आसान हो रही है। निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के प्रति मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं बड़े प्रस्तावों को धरातल पर लाने के लिए हो रही प्रगति की समीक्षा प्रतिमाह अपने स्तर पर कर रहे हैं। मुख्य सचिव स्तर पर 200 करोड़ तक के निवेश प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा प्रति सप्ताह की जा रही है तो इससे कम के निवेश प्रस्तावों की समीक्षा नियमित रुप से संबंधित विभागों द्वारा की जा रही है। यह सब राजनीतिक ईच्छा शक्ति से ही संभव हो पा रहा है। योजनाबद्ध प्रयासों से प्रदेश में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। आज बाड़मेर प्रदेश में परकेपिटा के हिसाब से शीर्ष पर आ गया है तो वो दिन दूर नहीं जब जैसलमेर सीमेंट के उत्पादन में देश की राजधानी बन जाएगा। पचपदरा में रिफाइनरी अब आ रही है पर इससे पहले ही बाड़मेर और आसपास के क्षेत्र में आर्थिक दृष्टि से तेजी से विकास हुआ है। इस सबके पीछे एक बड़ा कारण तपती धरती को वरदान में बदल कर नवीकृत ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देने और प्रदेश में खनिजों की विपुल संपदा को एक्सप्लोर करने से संभव हो पाया है। वैसे राजस्थान में सभी क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के योजनाबद्ध प्रयास किये जा रहे हैं। कोटा में पानी की प्रचुरता के कारण नवीकृत ऊर्जा को संरक्षित कर उपयोग करने की विपुल संभावनाएं हो गई है तो शिक्षा नगरी के रुप में कोटा की अलग पहचान बन चुकी है। जैसलमेर में सीमेंट ग्रेड लाइमस्टोन के विपुल भण्डार मिलने के साथ ही कच्चे तेल और गैस के भण्डार मिलने से पूरा सिनेरियो ही बदल रहा है। बीकानेर में पोटाश के विपुल भण्डार है तो राजस्थान में यूरेनियम के साथ ही क्रिटिकल मिनरल, गारनेट आदि आदि बहुतायत में है। राजस्थान की धरा के गर्भ में अथाह और विविध प्रकार की खनि संपदा है। सोने-चांदी और लेड जिंक सहित कई मिनरलों में तो राजस्थान शीर्ष पर आ गया है। पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी प्रदेश बन गया है। देसी-विदेशी विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद राजस्थान बनता जा रहा है। राजस्थान के सेंड डून्स, गढ़-किले से लेकर मंदिर गलियारें पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। पर्यटन के कारण होटल व्यवसाय ने तेजी से विस्तार किया है तो जयपुर और राज्य के अन्य प्रदेशों तक सहज पहुंच के चलते आज राजस्थान मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में भी तेजी से पहचान बनाता जा रहा है। हेरिटेज होटलों के साथ सभी आर्थिक वर्ग की पहुंच की होटल्स की उपलब्धता है। राजधानी दिल्ली के नजदीक होने से दिल्ली आने वाला और नहीं तो जयपुर का ही चक्कर लगा लेता है। राजस्थान के एंटिक और रत्न व्यवसाय की धमक समूची दुनिया में है। औद्योगिक निवेशोन्मुखी माहौल का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि राजस्थान में जापानी जोन अलग से विकसित है और सफलता पूर्वक औद्योगिक उत्पादन हो रहा है। देखा जाए तो राजस्थान में प्रचुर मात्रा में संसाधन होने के साथ ही राज्य सरकार की स्पष्ट उद्योगोन्मुखी नीति, राजनीतिक इच्छाशक्ति और निवेशक-अनुकूल माहौल भी है। यही कारण है कि राजस्थान आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि का धुरी बनता जा रहा है। आने वाला समय राजस्थान का है और राजस्थान अब केवल पर्यटन ही नहीं, बल्कि ऊर्जा, खनिज, शिक्षा और उद्योगों का केंद्र भी हो गया है।

आप का नजरिया

आपदा के कानों तक चर्चा

आपदा राहत के बीच सवाल एक बीघा जमीन का है और ढहते वजूद को बसाने का भी है। ऐसा नहीं है कि हम ही डूब रहे हैं, लेकिन हिमाचल का दर्द भी कसूरवार बनाया जा रहा है। इसलिए जब धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर विधानसभा में बोल रहे थे, तो मुद्दा बदला और मुद्दई भी। विधायक चंद्रशेखर ने पर्वत की पीड़ा को प्रस्तुत किया ताकि इन खौफनाक परिस्थितियों के कारण देश भर में ढूंढे जाएं। आश्चर्य है कि जिस पानी को लेकर कई मैदानी प्रदेश अपने-अपने अधिकार के पहाड़ बन जाते हैं, वही बरसात की हर बूंद का दोष हमारे ऊपर मढ़ते हैं। कमोबेश यही उपदेश दिल्ली से आते हैं कि हमने पानी को कहर बना दिया। ऐसे में हिमाचल विधानसभा का मानसून सत्र इस बार कुछ विधायकों का शुक्रगुजार रहेगा, क्योंकि यहां सवाल सिर्फ 'पानी को अमृत' मानकर जीने का नहीं, बल्कि पानी से निकले विषाद में जीने का है। बेशक विपक्ष ने वाकआउट करने के विषय और मुहाने ढूंढ लिए, लेकिन इस बार चर्चा में आपदा की चर्चा ही रहेगी। अब विधायक प्राथमिक योजनाओं और विधायक निधि से भी ताल्लुक तो इस हाहाकार का रहेगा। ठेकेदारी प्रथा के संचालन, मिट्टी से लड़ते निर्माण, नदी-नालों से लड़ते विकास और निर्माण में लगे हर पक्षधर को विराम चाहिए। विकास के साये में ठेकेदारी प्रथा में जो नजरअंदाज हो रहा है, वह धर्मपुर के विधायक की संवेदना में दर्ज हुआ है। वह गैंती युग का मुकाबला रात-दिन पहाड़ पर चढ़ी मशीनों के पंजों से करके, उस महीन फर्क को सामने लाते हैं, जो पहाड़ पर अंधाधुंध विकास की परतों में छुपा है। यह अंतर भवन निर्माण के कौशल का ऐसा सियासी अनुबंध हो चला है, जो सरकारी इमारतों में सबसे अधिक गुण-दोष देख रहा है। सत्ता परिवर्तन की लहरों में ठेकेदारी प्रथा का भी एक साम्राज्य केंद्र से शुरू होकर राज्य तक असर दिखाता है। बोले हैं विधायक, एक-दूसरे पर, लेकिन हमारी खामोशियों ने उजाड़े हैं, कहीं तो वक्त के पत्थर। यह डंगा आपदा है। गैंती में इतना दम नहीं था, अब जेसीबी के अंदाज में निर्माण का रिकार्ड हमारे-तुम्हारे बीच बंटता है। जरा गिने तो, पूरे हिमाचल में कितनी हो गईं। हर जगह को उखाड़ने की वजह से पहले हर निर्माण की अदा को भी समझें। क्या फोरलेन के किनारों पर डंगे सही थे या ये टेंडर की कमाई में सिर्फ खड़े थे। अगर ऐसा नहीं है तो वर्षों बाद अपनी सुरंगों से गुजरती शिमला ट्रेन के डिब्बों में कहां सुकून होता। हर टूटे डंगे की एक कहानी जो बरसात के पानी में बहानी है। हिमाचल के कई ट्राइबल इलाकों में भी इसी तरह भारी बर्फबारी के नीचे पूरी सिंचाई परियोजनाएं पिघल जाती हैं, तो कोई तो विकल्प होगा। पीडब्ल्यूडी व जलशक्ति विभाग से पूछने का वक्त जाया न हो। बरसात में ये महकमें कहां खड़े हैं और आगाज के हर शिलान्यास में यह हिसाब क्यों छुपा है। वैसे भी कभी सॉर्स में पानी नहीं, कभी मौसम के साथ हैरानी होती है। बरसात के पानी में डूबे प्रदेश का गला सूख रहा है क्योंकि परियोजनाएं बनाते वक्त हम आज भी नहीं सोचते कि अति सुरक्षित जलापूर्ति के लिए सही मानदंड क्या हो सकते हैं। पूछना तो फोरेस्ट से भी पड़ेगा। इस आपदा का तमाशबीन यही है, यहीं है। बरसात के मौसम में आखिर उन जंगलों का क्या करें जो लुटती-पिटती जमीन पर निर्वस्त्र होती बस्तियों की आबरू पर तरस नहीं खाते। आखिर क्यों आपदाग्रस्त राज्य के मुख्यमंत्री को पुनर्वास के लिए, अपने ही प्रदेश की भूमि पाने का अधिकार नहीं। पुनर्वास की दरख्वास्तें पेड़ों पर टंगी हैं और हम एक बीघा जमीन के लिए जंगल जंगल भटक रहे हैं। क्या जंगल हमें बचा रहे हैं, क्या वन भूमि का और बेहतर इस्तेमाल नहीं हो सकता। आपदा से बचने के लिए मानवीय सुरक्षा व पुनर्वास के लिए कब जंगल से जमीन लौटेगी। जंगल को मात्र पेड़ मानकर कौनसी पर्यावरण सुरक्षा और लंबे आपदा के दौर में, जबकि सभी विभागों की जिम्मेदारी व जवाबदेही तय हो रही है, तो वन भूमि पर राज करने वाले विभाग से क्यों न पूछा जाए कि बुरे वक्त में उसके कानूनी खंजर कब तक बेपरवाह रहेंगे।

आश्चर्य है कि जिस पानी को लेकर कई मैदानी प्रदेश अपने-अपने अधिकार के पहाड़ बन जाते हैं, वही बरसात की हर बूंद का दोष हमारे ऊपर मढ़ते हैं। कमोबेश यही उपदेश दिल्ली से आते हैं कि हमने पानी को कहर बना दिया। ऐसे में हिमाचल विधानसभा का मानसून सत्र इस बार कुछ विधायकों का शुक्रगुजार रहेगा, क्योंकि यहां सवाल सिर्फ 'पानी को अमृत' मानकर जीने का नहीं, बल्कि पानी से निकले विषाद में जीने का है। बेशक विपक्ष ने वाकआउट करने के विषय और मुहाने ढूंढ लिए, लेकिन इस बार चर्चा में आपदा की चर्चा ही रहेगी। अब विधायक प्राथमिक योजनाओं और विधायक निधि से भी ताल्लुक तो इस हाहाकार का रहेगा। ठेकेदारी प्रथा के संचालन, मिट्टी से लड़ते निर्माण, नदी-नालों से लड़ते विकास और निर्माण में लगे हर पक्षधर को विराम चाहिए। विकास के साये में ठेकेदारी प्रथा में जो नजरअंदाज हो रहा है, वह धर्मपुर के विधायक की संवेदना में दर्ज हुआ है। वह गैंती युग का मुकाबला रात-दिन पहाड़ पर चढ़ी मशीनों के पंजों से करके, उस महीन फर्क को सामने लाते हैं, जो पहाड़ पर अंधाधुंध विकास की परतों में छुपा है। यह अंतर भवन निर्माण के कौशल का ऐसा सियासी अनुबंध हो चला है, जो सरकारी इमारतों में सबसे अधिक गुण-दोष देख रहा है।

बोध कथा

महानता और संपूर्णता का आधार है संतुलित जीवन

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। राजपुर नामक एक सुंदर राज्य में अर्जुन नाम का एक बुद्धिमान व्यापारी रहता था। वह अपने व्यापार में अत्यंत सफल था, लेकिन उसे हमेशा अधिक धन कमाने की लालसा रहती थी। इसी कारण, वह दिन-रात काम करता और अपने परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा करता था। एक दिन, वह एक संत के पास पहुंचा और बोला, "महाराज, मैंने जीवन में बहुत धन कमाया है, लेकिन फिर भी मन अशांत रहता है। कृपया मुझे शांति का मार्ग दिखाएं। संत मुस्कुराए और उसे एक जलपात्र दिया, जो पानी से भरा हुआ था। उन्होंने अर्जुन से कहा, इसे लेकर इस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलो, लेकिन ध्यान रहे कि एक भी बूंद पानी गिरे नहीं। अर्जुन बहुत सावधानी से चलने लगा। जब वह संत के पास लौटा तो संत ने पूछा- क्या तुमने रास्ते के सुंदर पेड़, चहकते पक्षी और ठंडी हवा का आनंद लिया? अर्जुन ने उत्तर दिया- नहीं महाराज, मैं तो केवल इस पात्र को संभालने में लगा रहा, ताकि पानी गिर न जाए। संत मुस्कुराए और बोले- यही तुम्हारी समस्या है। तुम केवल धन कमाने में इतने व्यस्त हो कि जीवन के बाकी पहलुओं का आनंद नहीं ले पा रहे। जीवन में सच्ची शांति और आनंद पाने के लिए संतुलन आवश्यक है – कार्य, परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता में समरसता होनी चाहिए। अर्जुन को अपनी भूल का अहसास हुआ। उसने निश्चय किया कि अब वह केवल धन ही नहीं, बल्कि अपने परिवार, स्वास्थ्य और आत्मिक शांति का भी ध्यान रखेगा। कहने का भाव यही है कि जीवन में जब हम हर पहलु और पक्ष का ध्यान रखते हैं, जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच साक्षी भाव से जीवन में घटने वाली हर परिस्थिति में समान रहते हैं तभी हम जीवन का असली आनंद ले सकते हैं। संतुलित जीवन ही आदर्श, महान और प्रेरक होता है। इतिहास में जितने भी महान पुरुष, संत हुए हैं सभी के जीवन में एक संतुलन था, एक समन्वय था।

दृष्टि कोण

भारत की धर्मनिरपेक्ष संस्कृति संकट में

आधुनिक भारतीय इतिहास का सबसे यादगार पल... आजादी, जो इसी माह 78 साल पहले मिली थी .. हमारे सबसे दर्दनाक पलों में से एक भी था। इतिहास में पहली बार भारत, एक ऐसा देश जहां सहस्र शताब्दियों तक बहुलवाद फलता-फूलता रहा, धार्मिक आधार पर विभाजित हो गया। विभाजन ने हमारे बहुलवादी, बहुसांस्कृतिक समाज पर एक बुरा साया डाल दिया। आज, दुख की बात है कि कई भारतीय धर्मनिरपेक्षता को एक बुरा शब्द मानते हैं, और देश एक हिंदू राष्ट्र बनने पर तुला हुआ है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, आइए इस स्थिति पर पुनर्विचार करें और धार्मिक सहिष्णुता, समानता और विविध मान्यताओं के सम्मान की अपनी विश्व-प्रसिद्ध विरासत को पुनः प्राप्त करें। कल्पना कीजिए कि यदि धर्मनिरपेक्षता खत्म हो जाए तो भारत को क्या नुकसान होगा। लगभग 4000 वर्ष पूर्व, हमारे वैदिक ऋषियों ने यह विचार गढ़ा कि 'सत्य एक है, और ज्ञानी इसे विभिन्न नामों से पुकारते हैं।' इस सरल विचार ने हमारे पूर्वजों को हजारों वर्षों तक अद्वितीय प्रगति और समृद्धि दिलाई। इसने सभी प्रकार के विश्वासों वाले लोगों को...सर्वेश्वरवादी (हिंदू), नास्तिक (चार्वाक), भौतिकवादी (आजीविका), अनास्तिक (बौद्ध) और अध्यात्मवादी (जैन)...एक साथ रहने और बढ़ने का अवसर दिया। ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में, हमारी समृद्धि के चरम पर, सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म अपनाया, लेकिन एक फरमान सुनाया: ''व्यक्ति को दूसरे के धर्म का सम्मान करना चाहिए...ऐसा करने से व्यक्ति अपने धर्म को बढ़ने में मदद करता है और साथ ही दूसरे के धर्म की सेवा भी करता है।'' बौद्ध धर्म इस भारतीय दर्शन को लगभग पूरे एशिया और अंततः पृथ्वी के हर महाद्वीप तक ले गया। 1937 में, एक चीनी राजनेता, हू शी ने दुख व्यक्त किया कि ''चीन को सांस्कृतिक रूप से जीतने के लिए भारत ने सैनिक भेजने के बजाय केवल कुछ धर्म प्रचारक भेजे।'' आठवीं शताब्दी के आसपास मुस्लिम शासकों के हिंसा के आधार पर विजय के बावजूद, ये बहुलवादी परंपराएं जीवित रहीं। औरंगजेब जैसे कुछ मुस्लिम बादशाहों ने अन्य धर्मों पर क्रूरतापूर्वक अत्याचार किए, लेकिन अकबर जैसे अन्य शासकों ने उनका सम्मान किया। अकबर ने अपने मंत्रिमंडल में विभिन्न धर्मों के लोगों को नियुक्त किया और एक समन्वयवादी धर्म (दीन-ए-इलाही) को बढ़ावा दिया। जब 18वीं शताब्दी में अंग्रेज भारत आए, तब भी हिंदुओं और मुसलमानों के बीच गहरा भाईचारा था। 1857 में उन्होंने मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया और भारत के अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर के नेतृत्व में प्रतीकात्मक रूप से एकजुट हुए। रानी लक्ष्मीबाई और बेगम हजरत महल जैसे हिंदू और मुस्लिम दोनों शासकों ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। भारत की धर्मनिरपेक्ष संस्कृति स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी कायम रही। मोतीलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना, जो क्रमशः कांग्रेस और मुस्लिम लीग का प्रतिनिधित्व करते थे, के बीच 1916 में हुए समझौते को हिंदू-मुस्लिम सहयोग के प्रतीक के रूप में सराहा गया। एक ब्राह्मण और कांग्रेसी नेता गोपाल कृष्ण गोखले ने जिन्ना को 'हिंदू-मुस्लिम एकता का सर्वश्रेष्ठ दूत' कहा था। जब महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया, तो उन्होंने धार्मिक एकजुटता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उन्होंने कहा, ''मेरा हिंदू धर्म सांप्रदायिक नहीं है।

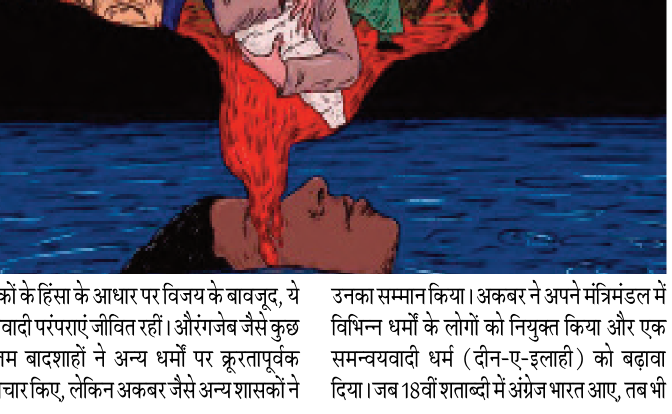

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रूस की बड़ी कार्रवाई, 24 घंटे में मार गिराए 160 यूक्रेनी ड्रोन और 4 गाइडेड हवाई बम

मास्को, 25 अगस्त (एजेंसियां) । रूस ने बताया कि पिछले 24 घंटों में उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने यूक्रेन के 4 गाइडेड हवाई बम और 160 ड्रोन मार गिराए। एजेंसी के अनुसार, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने देश के पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्रों में 33 यूक्रेनी ड्रोनों को रोका।

मंत्रालय ने कहा कि सुबह 9:30 से दोपहर 12 बजे (मॉस्को समय) के बीच 13 यूक्रेनी ड्रोन गिराए गए, जिनमें से 12 ब्रायंस्क क्षेत्र और एक कालुगा क्षेत्र में थे। इसके बाद अगले दो घंटे में 20 और ड्रोन नष्ट किए गए, जिसमें आठ ब्रांस्क में, सात स्मोलेंस्क में, तीन कुर्स्क में और दो कलुगा में हैं। अगस्त की शुरुआत में, रूस ने अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक से पहले यूक्रेन पर हमले बढ़ाने का आरोप लगाया था।

रूसी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्सळ पर बयान जारी करते हुए बताया कि पिछले एक हफ्ते में यूक्रेन की गोलाबारी और ड्रोन हमलों से रूस में 22 लोगों की मौत हो चुकी है और 105 लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने रूसी क्षेत्र में हमले वाले इलाकों को चिह्नित करते हुए एक नक्शा भी साझा किया।

रूसी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता अलेक्सी फादेव ने कहा, रूस-अमेरिका शिखर सम्मेलन के नज़दीक आने के साथ, कीव शासन ने रूसी क्षेत्रों के खिलाफ अपनी आतंकवादी गतिविधियां बढ़ा दी हैं। पिछले एक हफ्ते में, 127 रूसी नागरिक गोलाबारी और ड्रोन हमलों का शिकार हुए। 22 की मौत हो गई और 105 घायल हुए।

बता दें रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए रूसी व्लादिमीर पुतिन ने अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अलास्का में शिखर सम्मेलन किया था। इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने वाशिंगटन में यूरोपीय नेताओं के साथ ट्रंप से मुलाकात की थी। हालांकि, इन बैठकों से युद्ध विराम को लेकर कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। ट्रंप ने पुतिन और जेलेंस्की के साथ त्रिपक्षीय बैठक की बात की है।

न्यूज ब्रीफ

जर्मनी को नए व्यापारिक साझेदारों की तलाश करनी चाहिएः चांसलर फ्रेडरिक मर्ज

बर्लिन। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने रविवार को कहा कि देश को आने वाले वर्षों में नए व्यापारिक साझेदारों की तलाश करनी होगी, खासकर उस स्थिति में जब अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच हुआ हालिया व्यापार समझौता यूरोपीय वस्तुओं पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान करता है। बर्लिन में आयोजित सरकारी ओपन डे कार्यक्रम के दौरान मर्ज ने कहा, हम वैश्विक व्यापार को कैसे आगे बढ़ाएंगे, यदि अमेरिका अब विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का पालन करने को तैयार नहीं है हमें ऐसे देशों की तलाश करनी होगी, जो हमारे विचारों से मेल खाते हों। सीडीयू पार्टी के नेता मर्ज ने यह भी बताया कि दक्षिण अमेरिका, एशिया और अफ्रीका में नए व्यापारिक अवसर तलाशे जा सकते हैं, जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। उन्होंने कहा, हमें अमेरिका के साथ अच्छे आर्थिक संबंध बनाए रखने की जरूरत है, और अब तक हम कुछ हद तक इससे बच निकले हैं। लेकिन हमें लगातार नए बाजारों की ओर बढ़ना होगा। चांसलर मर्ज ने इसके साथ ही यह भी कहा कि जर्मनी को सामाजिक सुरक्षा प्रणाली पर बुनियादी सवालों का समाधान इस साल के अंत तक करना होगा। उन्होंने रोजगार, पेंशन और स्वास्थ्य लाभ पर बढ़ते कल्याणकारी खर्चों को नियंत्रित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, हमें अपनी सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को भविष्य के लिए मजबूत और टिकाऊ बनाना होगा। उल्लेखनीय है कि 28 जुलाई को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच व्यापार ढांचा समझौता हुआ था, जिसके तहत यूरोपीय वस्तुओं पर टैरिफ लागू किए गए हैं।

अमेरिका के साथ सीधी बातचीत को खामेनेई ने किया खारिज.......ईरान कभी भी अमेरिका के आगे नहीं झुकेगा

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ सीधी बातचीत को खारिज कर दिया है। खामेनेई ने कहा है कि ईरान कभी भी अमेरिका के आगे नहीं झुकेगा। खामेनेई ने कहा कि अमेरिका ईरान का विरोध इसलिए करता है क्योंकि वह चाहता है कि ईरान उसकी बात माने, जिसे उन्होंने अपमानजनक बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका से सीधी बातचीत की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही अमेरिका की दुश्मनी लगातार बनी हुई है। खामेनेई ने जून में ईरान पर हुए हमले का जिक्र कर कहा कि अमेरिका से जुड़े समूहों ने इस्लामी गणराज्य के बाद की व्यवस्था पर चर्चा की थी, लेकिन ईरान के लोगों की मजबूती ने इस नाकाम कर दिया। उन्होंने इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमलों की भी चर्चा की, जिनका मकसद ईरान को अस्थिर करना था। खामेनेई ने ईरान की जनता से घरेलू एकता बनाए रखने और राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने गाजा में इजरायल की कार्रवाई की निंदा की और यमन के हूती समूह के इजरायल विरोधी कदमों का समर्थन किया। ईरान और अमेरिका के बीच संबंध 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही तनावपूर्ण हैं, और अमेरिका ने ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर कई प्रतिबंध लगाए हैं।

टेक कंपनियों के सीईओ की सुरक्षा पर अरबों का खर्च, खतरे बढ़ने से कंपनियां अलर्ट

कैलिफोर्निया। कुछ वर्षों में दुनिया की बड़ी-बड़ी टेक कंपनियों के प्रमुखों की सुरक्षा खर्चों में हैरान करने वाली बढ़ोत्तरी हुई हैं। यह इसलिए कि इनके प्रमुख अब केवल बिजनेस लीडर नहीं रहे, बल्कि वे राजनीति, समाज और जनभावनाओं के निशाने पर भी आ चुके हैं और इसी कारण से उनकी सुरक्षा पर खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है और 2024 में यह हैरान करने वाले स्तर तक पहुंच गया। बीते साल 10 बड़ी टेक कंपनियों ने अपने सीईओ की सुरक्षा पर लगभग 369 करोड़ रुपये यानी 45 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक खर्च किया। इसमें सबसे ज्यादा राशि मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग और उनके परिवार की सुरक्षा पर लगी, जिस पर अकेले लगभग 221 करोड़ रुपये यानी 27 मिलियन डॉलर खर्च हुए। इसमें उनके कैलिफोर्निया स्थित घर की सुरक्षा और यात्रा के दौरान की जाने वाली सुरक्षा शामिल रही। टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क की सुरक्षा पर खर्च का पूरा ब्योरा सामने नहीं आया, लेकिन 2023 में टेस्ला ने उनकी सुरक्षा पर करीब 21 करोड़ रुपये खर्च किए थे। अब मस्क अपनी ही सिक्योरिटी कंपनी के जरिए सुरक्षा व्यवस्था कराते हैं और उनके साथ हमेशा करीब 20 बॉडीगार्ड तैनात रहते हैं। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की सुरक्षा पर हर साल लगभग 13 करोड़ रुपये खर्च होते हैं, वहीं कंपनी के मौजूदा सीईओ एंडी जासी की सुरक्षा लागत भी साल दर साल बढ़ रही है। एनवीडिया ने अपने सीईओ जेन्सेन हुआंग की सुरक्षा पर 2024 में लगभग 29 करोड़ रुपये खर्च किए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीतियों में उनकी सीधी भागीदारी और उनकी अरबों की संपत्ति ने उनके लिए खतरा और बढ़ा दिया है।

इजरायल और हमास की लड़ाई यमन पहुंची आईडीएफ ने उड़ाया सना का पावर प्लांट

तेलअवीव, 25 अगस्त (एजेंसियां) ।

इजरायल और हमास की लड़ाई अब यमन तक पहुंच गई है। हमास के समर्थन में इजरायल पर हूती विद्रोहियों ने जो हमला किया, उसके बाद भड़के इजरायल ने यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों के ठिकानों को धुआं-धुआं कर दिया। इजरायली सेना ने जिन ठिकानों को निशाना बनाया, वे सभी हूतियों की सैन्य गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण थे। हूती स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस हमले में कम से कम दो से चार लोग मारे गए और कई लोग घायल चुके हैं। सना में हुए इस एयरस्ट्राइक ने हूतियों की ओर से किए गए क्लस्टर मिसाइल हमलों के जवाब में क्षेत्रीय तनाव और बढ़ा दिया है। इसके जरिये इजरायल ने साफ कर दिया है कि वो अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है ।ये कार्रवाई उन मिसाइलों के जवाब में की गई, जो हूतियों ने इज़राइल की ओर भेजी थी। इस हमले में इजरायल ने सना के प्रेसिडेंशियल पैलेस, असर और हिजाज बिजली संयंत्र और एक पावर प्लांट को निशाना बनाया।

एक तरफ गाजा शहर पर इजरायल के हमले को लेकर इजरायली सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट इयाल जमीर ने कहा है कि- बंधकों को लेकर सौदा हमारे सामने हैं, हमें इसे लेना होगा। एक चैनल से बात करते हुए जमीर ने कहा कि सेना ने इस तरह की परिस्थितियां बना दी हैं कि सौदा हो सकता है, अब इसे स्वीकार करना नेतन्याहू के हाथ में है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले के बाद हूतियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा है। अगर कोई हमला करता है, तो हम उसे जवाब देंगे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा मंत्रिमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि हूती अपने कृत्य की भारी कीमत चुका रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सना का राष्ट्रपति महल, पावर प्लांट और ईंधन डिपो हूतियों के प्रमुख अड्डे हैं वे इसी रणनीतिक आधार को निशाना बना रहे हैं।

इजराइली सेना ने गाजा के दक्षिण में एक सैन्य क्षेत्र से होकर जा रहे 4 लोगों पर हमला किया, जिनकी मौत हो गई। अस्पताल के सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वे चारों भोजन वितरण केंद्र से राहत सामग्री लेने जा रहे थे। इजरायली सेना ने इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इजराइली सेना शहर पर कब्जा करने के लिए योजनाबद्ध हमले के साथ आगे बढ़ रही है।

फिलिस्तीनी पहचान को मिटाने में जुटा इजरायल, वेस्ट बैंक में सेना का बुलडोजर ऑपरेशन

वेस्ट बैंक। इजरायली सेना वेस्ट बैंक में बुलडोजर लेकर जैतून के पेड़ उखाड़ रही है। वेस्ट बैंक के अल-मुगय्यिर गांव में इजरायली सेना की मौजूदगी में बुलडोजरों ने सैकड़ों जैतून के पेड़ नष्ट कर दिए। संयुक्त राष्ट्र ने भी पुष्टि की है कि क्षेत्र में अकाल जैसी स्थिति है, जहां लोग और बच्चे भूख से जूझ रहे हैं। बता दें कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद गाजा में युद्ध शुरू होने से वेस्ट बैंक में हिंसा बढ़ी है। एएफपी के आंकड़ों के मुताबिक, तब से 971 फिलिस्तीनी (आतंकवादी और नागरिक) इजरायली सैनिकों या बस्ती वासियों द्वारा मारे गए, जबकि 36 इजरायली मारे गए। 1967 से इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 30 लाख फिलिस्तीनी और 5 लाख इजरायली रहते हैं, जिनकी बस्तियां अंतरराष्ट्रीय कानून में अवैध मानी जाती हैं। उखाड़े गए ज्यादातर पेड़ जैतून के थे, जो वेस्ट बैंक की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का अहम हिस्सा हैं। ये पेड़ लंबे समय से फिलिस्तीनी किसानों और इजरायली बस्तियों के बीच तनाव का कारण रहे हैं। रामल्लाह के पास इस गांव के किसान अब्देलतीफ मोहम्मद अबू आलिया ने बताया कि 70 साल पुराने, एक हेक्टेयर में फैले जैतून के पेड़ों को झूठे बहानों के तहत उखाड़कर जमीन समतल कर दी गई। स्थानीय लोग उखड़े पेड़ों को फिर से लगाने की कोशिश कर रहे हैं। फोटोग्राफरों ने गिरे हुए जैतून के पेड़ और पहाड़ियों पर चलते बुलडोजर देखे, जिनमें से एक पर इजरायली झंडा था और पास में सेना की गाड़ियां खड़ी थीं। जैतून के पेड़ फिलिस्तीन के इतिहास, संस्कृति और अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़े हैं। ये लचीलेपन, पैतृक भूमि से लगाव और कब्जे के खिलाफ प्रतिरोध के प्रतीक हैं। जैतून की खेती हजारों परिवारों की आजीविका का आधार है। सालाना फसल का समय उत्सव के साथ-साथ इजरायली प्रतिबंधों और हमलों के खिलाफ संघर्ष का भी दौर होता है ।

ट्रंप के समधी और अमेरिकी राजदूत चार्ल्स कुशनर पर भड़का फ्रांस

पेरिस, 25 अगस्त (एजेंसियां) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समधी और अमेरिकी राजदूत चार्ल्स कुशनर को फ्रांस ने तलब किया है। कुशनर ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि देश ने यहूदी-विरोधी भावना से निपटने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। इस पर फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर घोषणा की कि उसने कुशनर को सोमवार को विदेश मंत्रालय में उपस्थित होने के लिए बुलाया है और कहा कि उनके आरोप अस्वीकार्य हैं।

दरअसल, यह विवाद पिछले सप्ताह मैक्रों द्वारा इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उन आरोपों को खारिज करने के बाद हुआ, जिसमें उन्होंने कहा था कि फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने की फ्रांस की मंशा यहूदी-विरोधी भावना को बढ़ावा दे रही है। पश्चिमी यूरोप में सबसे बड़ी यहूदी आबादी फ्रांस में है, जहां अनुमानित 5,00,000 यहूदी रहते हैं, जो राष्ट्रीय जनसंख्या का लगभग एक प्रतिशत है।

वहीं अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि वह कुशनर की टिप्पणियों के साथ खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि राजदूत कुशनर फ्रांस में हमारी अमेरिकी सरकार के प्रतिनिधि हैं और इस भूमिका में हमारे राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने में उत्कृष्ट काम कर रहे हैं। राजदूत को तलब करना नाराजगी की एक औपचारिक और सार्वजनिक सूचना है। बता दें कि कुशनर एक रियल एस्टेट डेवलपर हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के पिता हैं। फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि फ्रांस कुशनर के इन आरोपों को दृढ़ता से खारिज करता है और फ्रांसीसी अधिकारी 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले के बाद से यहूदी-विरोधी कृत्यों में वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और इन कृत्यों को असहनीय मानते हैं। फ्रांसीसी मंत्रालय ने कहा कि कुशनर के आरोप अंतरराष्ट्रीय कानून और किसी अन्य देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने के दायित्व का उल्लंघन करते हैं। वे फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच ट्रान्साटलांटिक साझेदारी की गुणवत्ता और सहयोगियों के बीच विश्वास की कमी को भी पूरा नहीं करते हैं।

ट्रंप उलझे रहे टैरिफ में पुतिन ने कर दिया खेल, समुद्र में उतारा शक्तिशाली युद्धपोत

मास्को। रुस ने तीन दशक बाद रूसी नौसेना का परमाणु-संचालित युद्धपोत एडमिरल नाखिमोव फिर से समुद्र में उतार दिया है। यह विशाल जहाज 28,000 टन का युद्धपोत जिसे किरोव क्लास क्रूजर के नाम से जाना जाता है, अपनी आधुनिकीकरण प्रक्रिया पूरी कर हाल ही में व्हाइट सी में समुद्री परीक्षण के लिए रवाना हुआ। यह जहाज न केवल अपनी ताकत के लिए चर्चा में है, बल्कि इसमें शामिल एस-400 वायु रक्षा प्रणाली इसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली युद्धपोत बनाती है। यह रूसी नौसेना का भविष्य का फ्लैगशिप बनने की राह पर है। यह ट्रंप के साथ-साथ पूरे नाटो और यूरोप की टेंशन बढ़ाने वाला है। इसके पास आयरन डोम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एडमिरल नाखिमोव की कहानी 1983 में शुरू हुई, जब इसे लेनिनग्राद में बनाना शुरू किया गया था। इनमें 3एम14टी कलिब्र मिसाइलें लगी हैं, अमेरिका-नाटो की बढ़ी टेंशन 1986 में इसे कालिनिन के नाम से लॉन्च किया था। यह प्रोजेक्ट 1144.2 ओरलान का हिस्सा है, जिस नाटो की ओर से किरोव क्लास नाम दिया गया। सालों की मरम्मत और आधुनिकीकरण के बाद, इसे प्रोजेक्ट 1144.2मी के तहत नया रूप दिया गया है। इसकी सबसे बड़ी ताकत है इसकी हथियार प्रणाली, जिसमें 80 क्रूज मिसाइलें लगी हुई हैं। इनमें 3एम14टी कलिब्र मिसाइलें हैं, जो 2500 किलोमीटर तक की दूरी पर जमीनी लक्ष्यों पर सटीक हमले कर सकती हैं और जिरकॉन मिसाइलें, जो आवाज की रफ्तार से 9 गुना की गति से दुश्मन के जहाजों को तबाह कर सकती हैं।

पाकिस्तान में मूसलाधार बारिश से अब तक 788 जानें जा चुकीं

खैबर पख्तूनख्वा में सबसे अधिक 469 मौतें, देश भर में राहत और बचाव कार्य जारी

इस्लामाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां) । **पाकिस्तान में 26 जून से जारी भारी मानसूनी बारिश ने तबाही मचा दी है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार अब तक*कम से कम 788 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 1,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 200 बच्चे, 117 महिलाएं और 471 पुरुष शामिल हैं।**

क्षेत्रवार आंकड़ों में सबसे ज्यादा मौतें खैबर पख्तूनख्वा में 469 दर्ज की गईं, जबकि पंजाब में 165, सिंध में 51, गिलगित-बाल्टिस्तान में 45, बलूचिस्तान में 24, पाक अधिकृत कश्मीर में 23 और इस्लामाबाद में 8 लोगों की मौत हुई है। घायलों में 279 बच्चे, 246 महिलाएं और 493 पुरुष शामिल हैं। एनडीएमए के अनुसार, देशभर में चल रहे 512 राहत अभियानों के तहत अब तक 25,644 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

ताजा घटनाओं में खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान समेत कई जिलों में तेज हवाओं और बारिश से 13 लोगों की मौत और 52 घायल हुए हैं। पेड़ों के उखड़ने, छत गिरने और बिजली के तार टूटने से कई इलाकों में अंधेरा छा गया। लाहौर, इस्लामाबाद, गुजरांवाला और अन्य शहरी क्षेत्रों में भी जलभराव और बिजली संकट जैसे हालात बने हुए हैं। एनडीएमए और स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों में जुटे हैं, लेकिन स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री हांक रहे थे डींगे- बांग्लादेश ने दिखा दिया आइना

ढाका, 25 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री और डिप्टी पीएम इशाक डार इन दिनों ढाका के दौरे पर हैं। उनका मकसद दोनों देशों के रिश्तों को सुधारना बताया जा रहा है, लेकिन 1971 की जंग का मुद्दा एक बार फिर दोनों देशों के बीच तनाव का कारण बन गया। बता दें कि असली पेंच अब भी 1971 पर ही अटका हुआ है। दिलचस्प बात यह रही कि ढाका में डार ने जिस दौरान मसले सुलझने का दावा किया, उसी वक्त वहां मौजूद कई बांग्लादेशी राजनीतिक दलों बीएनपी, जमात-ए-इस्लामी और छात्र संगठनों ने भी पाकिस्तान से साफ कहा कि जब तक 1971 के घावों पर ईमानदारी से माफी और समाधान नहीं मिलेगा, रिश्तों में असली भरोसा लौटना मुश्किल है।

डार ने दावा किया कि जंग और नरसंहार का मामला अतीत में निपट चुका है और अब दोनों देशों को बेहतर भविष्य की ओर देखना चाहिए। लेकिन उनके ऐसा कहते ही बांग्लादेश के विदेश

मंत्री पलटकर जवाब दिया, आप जो कह रहे हैं वो ठीक नहीं है। अंतरिम सरकार के विदेश सलाहकार एम तौहीद हुसैन ने डार के दावे को सीधे खारिज कर दिया। हुसैन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ कहा, मैं डार साहब से सहमत नहीं हूं। अगर वाकई सब हल हो गया होता तो हम इन्हीं मुद्दों पर चर्चा क्यों कर रहे होते उन्होंने पाकिस्तान से लंबित वित्तीय मामलों के निपटारे, वहां फंसे पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी और सबसे अहम 1971 के नरसंहार के लिए औपचारिक माफी की मांग दोहराई। एम तौहीद हुसैन ने दो टूक कहा कि बांग्लादेश ने अपना रुख बहुत मजबूती से रखा है। हमें पाकिस्तान से अपेक्षा है कि वह उस त्रासदी के लिए माफी मांगे, जब लाखों लोग मारे गए थे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि 54 साल पुराने मसलों को एक दिन में हल करने की उम्मीद करना गलत होगा, लेकिन बातचीत जारी रहेगी।

शेख हसीना सरकार के समय पाकिस्तान-बांग्लादेश रिश्ते रसातल में पहुंच गए थे। 2010 में जब हसीना ने 1971 की जंग में पाकिस्तानी सेना के सहयोगियों पर मुकदमे शुरू किए, तब इस तनाव ने नया रूप लिया। अब शेख हसीना की सत्ता से विदाई और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के आने के बाद पाकिस्तान रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहा है। इस बीच दोनों देशों के बीच एक समझौता और पांच एमओयू पर दस्तखत भी हुए हैं।

पुतिन के साथ मीटिंग से पहले बोले रूसी विदेश मंत्री- पता नहीं जेलेंस्की राष्ट्रपति हैं भी या नहीं

मॉस्को। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक बार फिर से जेलेंस्की के यूक्रेन के राष्ट्रपति पद पर होने को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने साफ कहा कि मुझे तो संदेह होता है कि वो राष्ट्रपति हैं भी या नहीं। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि राष्ट्रपति पुतिन शांति के लिए यूक्रेनी राष्ट्रपति से मिलने के लिए तैयार हैं, लेकिन हमें जेलेंस्की के यूक्रेन के राष्ट्रपति पर होने की वैधता को लेकर संदेह है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब रूसी पक्ष की तरफ से यूक्रेनी राष्ट्रपति के पद पर जेलेंस्की के कार्यकाल को लेकर सवाल उठाए गए हों। इससे पहले भी ऐसा हो चुका है। लावरोव ने समझौते के लिए बातचीत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, हम बातचीत चाहते हैं, लेकिन किसी भी बातचीत के लिए यह साफ होना चाहिए कि हम आखिर किससे बात कर रहे हैं। जब हम किसी समझौते की टेबल पर आएंगे, तो अंत में हमें उस पर हस्ताक्षर करने होंगे। हमें इस बात की साफ जानकारी होनी चाहिए कि जो इंसान इन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर रहा है, वह कानूनी रूप से पद पर है, या नहीं। क्योंकि यूक्रेनी संविधान के हिसाब से तो जेंलेंस्की राष्ट्रपति नहीं है। बता दें मई में राष्ट्रपति जेलेंस्की का कार्यकाल औपचारिक रूप से समाप्त हो गया था। इसके बाद से रूस की तरफ से लगातार उनकी वैधता पर सवाल उठाए जाते रहे हैं। इन आरोपों को लेकर यूक्रेन की तरफ से कहा जाता रहा है कि कि यूक्रेन की मार्शल लॉ नियमों के तहत, युद्ध के दौर में राष्ट्रपति की शक्तियों में विस्तार किया जा सकता है, इसलिए जेलेंस्की वैध राष्ट्राध्यक्ष हैं। लावरोव ने इस बात को स्वीकार किया कि जेंलेंस्की यूक्रेनी शासन के वास्तविक प्रमुख है लेकिन सवाल तब भी वही है कि आखिर यूक्रेन की तरफ से समझौते पर हस्ताक्षर कौन करेगा।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने जीता महिला डीपीएल का खिताब
रोमांचक फाइनल में सेंट्रल दिल्ली क्वींस को 1 रन से हराया

नई दिल्ली,25 अगस्त (एजेंसियां)।

अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात महिला दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 का फाइनल मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांच से भरा रहा। पिछले सीज़न की उपविजेता साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने इस बार खिताब जीत लिया और सेंट्रल दिल्ली क्वींस को सिर्फ 1 रन से मात देकर चैंपियन बनीं।

122 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली क्वींस की शुरुआत खराब रही। शुरुआती विकेट गिरने और बीच में बारिश से खेल बाधित होने के बाद उनकी पारी लय नहीं पकड़ सकी। 74/5 पर संघर्ष कर रही टीम को मोनिका (33 रन, 28 गेंद) और रिया शौकीन (28* रन, 28 गेंद) ने छठे विकेट के लिए 33 रनों की साझेदारी से संभाला। लेकिन अहम मौके पर मोनिका के आउट होने से मैच का रूख बदल गया।

निचला क्रम डगमगा गया और क्वींस 20 ओवर में 120/8 तक ही पहुँच सकीं, यानी लक्ष्य से सिर्फ एक रन पीछे रह गईं। दक्षिण दिल्ली की ओर से मेधावी बिधुरी ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 3 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। हिमाक्षी चौधरी ने भी 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट चटकाए। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी सुपरस्टार्ज़ की शुरुआत भी साधारण रही। तनिष्का सिंह (14) और शिवि शर्मा (29) ने पारी को संभाला। इसके बाद तनिशा सिंह (28) ने शिवि के साथ मिलकर 50 रनों की अहम साझेदारी की। लेकिन इनके आउट होते ही मिडिल ऑर्डर बिखर गया।

क्वींस की ओर से प्रिया मिश्रा (2/19), निधि माहतो (2/24) और साची (2/7) ने शानदार गेंदबाज़ी की। हालांकि कप्तान श्वेता सेहरावत (34 रन, 24 गेंद) ने आखिर तक संघर्ष कर टीम को 20 ओवर में 121/8 तक पहुँचाया। यही स्कोर अंततः खिताब दिलाने में निर्णायक साबित हुआ।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़: 121/8, 20 ओवर (श्वेता सेहरावत 34, शिवि शर्मा 29, तनिशा सिंह 28; प्रिया मिश्रा 2/19, निधि माहतो 2/24, साची 2/7)।

सेंट्रल दिल्ली क्वींस: 120/8, 20 ओवर (मोनिका 33, रिया शौकीन 28*; मेधावी बिधुरी 3/26, हिमाक्षी चौधरी 2/18)।

न्यूज़ ब्रीफ

सीएएफए नेशंस कप 2025 : भारतीय फुटबॉल टीम में गुरप्रीत की वापसी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने आगामी सीएएफए नेशंस कप 2025 के लिए अपनी पहली टीम घोषित कर दी है। इस स्क्वॉड में अनुभवी गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू की वापसी हुई है, जबकि दिग्गज स्ट्राइकर सुनील छेत्री को बाहर रखा गया है। जमील ने टूर्नामेंट में नए स्ट्राइकरों को आजमाने के संकेत दिए हैं। भारत का मुकाबला 29 अगस्त को ताजिकिस्तान, एक सितंबर को ईरान और चार सितंबर को अफगानिस्तान से होगा। सीएएफए नेशंस कप 2025 के लिए भारतीय टीम : गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, ऋतिक तिवारी। डिफेंडर : राहुल भेके, नाओरेम रोशन सिंह, अनवर अली, संदीश झिंगन, चिंगलेन्साना सिंह, हमिंगथनमाविया राल्टे, मोहम्मद उवैस मिडफील्डर : निखिल प्रभु, सुरेश सिंह वांगजम, डेनिश फारूक भट, थोंगाओजाम जैकसन सिंह, बोरिस सिंह थांगजम, आशीक कुरुनियन, उदंता सिंह कुमाम, नाओरेम महेश सिंह फॉरवर्ड : इरफान यादवड़, जूनियर मनवीर सिंह, जितिन एमएस, लालियानजुआला छांगते, विक्रम प्रताप सिंह।

यूएस ओपन 2025: पहले ही दौर में मेदवेदेव बाहर, बोनजी ने किया बड़ा उलटफेर

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन 2025 के पहले ही दिन जबरदस्त ड्रामा और हंगामा देखने को मिला। 2021 के चैंपियन डानिल मेदवेदेव को फ्रांस के बेंजामिन बोनजी ने पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-3, 7-5, 6-7(5), 0-6, 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया।

यह मैच सिर्फ नतीजे के लिहाज से ही नहीं, बल्कि कोर्ट पर मचे बवाल के कारण भी सुर्खियों में रहा। तीसरे सेट में मैच प्वॉइंट के दौरान एक फोटोग्राफर कोर्ट पर आ गया, जिससे खेल कुछ देर के लिए रुक गया। चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ ने इस व्यवधान के बाद बोनजी को पहला सर्व दोहराने का मौका दिया, जिस पर मेदवेदेव भड़क उठे। रूसी खिलाड़ी ने अंपायर पर जमकर चिल्लाया और यहां तक कह डाला – क्या आप मर्द हैं क्यों कांप रहे हैं लगभग छह मिनट तक मैच रुका रहा और स्टेडियम में हूटिंग, सीटियां और दर्शकों की आवाजाही का शोर गूंजता रहा। यूएसटीए ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फोटोग्राफर की मान्यता रद्द कर दी और उसे कोर्ट से बाहर कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम से मेदवेदेव को कुछ राहत मिली। उन्होंने तीसरे सेट में वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और चौथे सेट में 6-0 से बोनजी को परास्त कर मैच को बराबरी पर ला दिया। हालांकि निर्णायक सेट में बोनजी ने हिम्मत दिखाई और शानदार प्रदर्शन के साथ जीत पक्की कर ली। मैच खत्म होने के बाद बोनजी ने कहा, ये पागलपन भरा अनुभव था। शायद मुझे कुछ नए फैन मिले और कुछ गैर-फैन भी। माहौल इतना शोरगुल वाला था कि मैच प्वॉइंट पर हमें लगभग पांच मिनट इंतजार करना पड़ा, लेकिन इस ऊर्जा ने मुझे जीत की ताकत दी। विश्व रैंकिंग में 51वें नंबर के बोनजी ने ग्रैंड स्लैम में लगातार तीसरी बार मेदवेदेव को पहले ही दौर में हराया है। वहीं, मेदवेदेव इस साल ग्रैंड स्लैम में बेहद खराब प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन से बाहर होने वाले पहले पूर्व चैंपियन बन गए ।

एशियन शूटिंग चैंपियनशिप : मनु भाकर चौथे स्थान पर, ईशा सिंह रहीं छठे नंबर पर

शिमकेंट (कजाखस्तान)। भारत की डबल ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं। वहीं, उनकी साथी ईशा सिंह आठ सदस्यीय फाइनल में छठे स्थान पर रहीं।

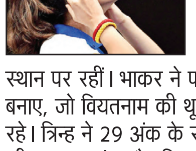

भाकर ने फाइनल में कुल 25 अंक बनाए, जो वियतनाम की थू विन्ह त्रिन्ह से चार अंक कम रहे। त्रिन्ह ने 29 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। चीन की यूएयूए झांग और जियारुइक्सुआन शिआओ ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। दोनों 39-39 अंकों पर बराबरी पर रहीं, जिसके बाद शूट-ऑफ में झांग ने 4-3 से जीत दर्ज की। टीम इवेंट में भारत की मनु भाकर, ईशा सिंह और सिमरनप्रीत कौर बराड़ की तिकड़ी ने कुल 1749 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। भारत चीन और दक्षिण कोरिया से पीछे रहा। ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया था। वह मनु भाकर और चीनी शूटर शिआओ व झांग से आगे रहीं। मनु क्वालिफिकेशन के प्रिसिजन स्टेज के बाद चौथे स्थान पर थीं। इससे पहले, मनु भाकर प्रतियोगिता में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम इवेंट में दो कांस्य पदक जीत चुकी हैं।

खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल : डल झील से शुरू हुई वैश्विक सफलता की नई यात्रा

नई दिल्ली,25 अगस्त (एजेंसियां)।

खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 का समापन भले ही हो चुका है, लेकिन तीन दिन तक डल झील पर चली रोमांचक प्रतिस्पर्धाओं ने भारतीय जल क्रीड़ा इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के संयुक्त आयोजन ने न केवल खिलाड़ियों बल्कि कोचों में भी उत्साह भर दिया है। अब लक्ष्य एशियन गेम्स 2026 और लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में पदक जीतना है।

इससे पहले राष्ट्रीय स्तर के खुले आयु वर्ग के टूर्नामेंट में 24 स्वर्ण पदकों का फैसला हुआ, जिनमें से 10 रोइंग के ओलंपिक इवेंट थे। मध्य प्रदेश, ओडिशा और केरल शीर्ष तीन राज्यों के रूप में उभरे। भोपाल की झील, ओडिशा का जगतपुर ट्रेनिंग सेंटर और केरल के अलप्पुझा का साई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस चर्चा में रहे क्योंकि यहां से तैयार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

मध्य प्रदेश ने 24 में से 10 स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा साबित किया। कोच अंकुश शर्मा ने कहा, यह महीनों की सख्त तैयारी, अनुशासन और खिलाड़ियों के विश्वास का परिणाम है। हर पैडल स्ट्रोक में उद्देश्य था। सहायक कोच चंपा मौर्य ने जोड़ा कि खिलाड़ियों की मानसिक मजबूती पर भी काम किया गया, जिससे वे दबाव में निखरे।

ओडिशा ने जगतपुर सेंटर से उतरे खिलाड़ियों के दम पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कोच लैशराम जॉनसन सिंह ने कहा, यह तो बस शुरुआत है। हमारे पास प्रतिभा अपार है। सही निवेश और समर्थन मिले तो हम शीर्ष पर होंगे। रजत है, कल स्वर्ण जरूर होगा।

केरल ने 3 स्वर्ण सहित कुल 7 पदक जीतकर तीसरा स्थान पाया। कोच पृथ्वीराज नंदकुमार शिंदे ने कहा, केरल का जल क्रीड़ा से जुड़ा गौरवशाली अतीत है। इस बार हमने उसमें नया अध्याय जोड़ा है।

फेस्टिवल में 47 साई खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 15 सदस्यीय जगतपुर दल ने ही 3 स्वर्ण व 5 रजत दिलाए। उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वालों में रश्मिता साहू, विद्या देवी ओइनाम, श्रुति चौगुले, डैली बिश्नोई, शिखा चौहान, पल्लवी जगताप और उत्तराखंड के विशाल डांगी शामिल रहे।

साई के हाई परफॉर्मेंस मैनेजर दिलिप बेनिवाल ने इसे जल क्रीड़ा विशेषकर कायाकिंग और कैनोइंग के लिए स्प्रिंगबोर्ड करार दिया। उनके अनुसार, हमारे पास रोइंग में ओलंपिक प्रतिनिधि हैं, अब कायाकिंग और कैनोइंग में भी भारत वैश्विक स्तर पर चमक सकता है।

स्पोर्ट्स मंत्रालय की खेलो भारत नीति, टॉप्स और टॉरगेट एशियन गेम्स ग्रुप जैसी योजनाओं के साथ यह फेस्टिवल खिलाड़ियों को नई ऊर्जा दे रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि एशियाई और ओलंपिक खेलों में 30 से अधिक स्वर्ण पदक दांव पर होते हैं और अब भारत की राह वहां तक निश्चित रूप से खुल गई है।

सिंकफील्ड कप : लगातार ड्रॉ के बाद भी प्रज्ञानानंद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर

सेंट लुईस (अमेरिका)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सिंकफील्ड कप (ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा) के छठे दौर में पोलैंड के जान-क्रिज़स्टॉफ़ डूडा से ड्रॉ खेला। यह उनका लगातार पांचवां ड्रॉ रहा। इस नतीजे के बाद प्रज्ञानानंद 6 मुकाबलों में 3.5 अंक लेकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना 4 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बने हुए हैं और उन्होंने आधे अंक की बढ़त बनाए रखी है। प्रज्ञानानंद के साथ अमेरिका के लेवोन अरोनियन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, विश्व चैंपियन डी. गुकेश 3 अंकों के साथ चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से बने हुए हैं। उनके साथ अमेरिका के वेस्ली सो, सैमुअल सेवियन और फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़जा तथा मैक्सिम वाशिए-लाग्रेव भी शामिल हैं। छठे दौर में गुकेश ने फिरोज़जा के खिलाफ मुश्किल स्थिति से मैच ड्रॉ कराया। कारुआना और सेवियन, अब्दुसत्तोरोव और वाशिए-लाग्रेव, अरोनियन और वेस्ली – सभी मुकाबले ड्रॉ रहे। यह लगातार दूसरा दिन रहा जब सभी खेल बराबरी पर खत्म हुए। डूडा के खिलाफ प्रज्ञानानंद ने सिसिलियन डिफेंस के खिलाफ अलापिन वेरिएशन अपनाया और थोड़ी बढ़त बनाई। हालांकि डूडा के रूख बलिदान के बाद खेल संतुलित हो गया और प्रज्ञानानंद को ड्रॉ स्वीकार करना पड़ा। यह मुकाबला सिर्फ 32 चालों तक चला।

शाकिब ने पूरे किए 500 टी20 विकेट, फाल्कन्स की शानदार जीत

एंटिगुआ,25 अगस्त (एजेंसियां)।

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल 2025) में एंटिगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स ने रविवार रात अपने घरेलू चरण का अंत सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को हराकर किया और अंकतालिका में शीर्ष पर अपनी जगह बरकरार रखी। इस मुकाबले में बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए महज दो ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट झटके और अपने 500 टी20 विकेट पूरे किए।

बल्लेबाज़ी में करीमा गोर ने नाबाद 52 रन बनाकर टीम को 7 विकेट से जीत दिलाई। पैट्रियट्स ने शुरुआत में सतर्क बल्लेबाज़ी की। आंद्रे फ्लेचर ने कुछ अच्छे शॉट लगाए लेकिन जायडन सील्स ने उन्हें चलता कर दिया। इसी बीच इविन लुइस चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। रिली रूसो ने पावरप्ले में दो चौके लगाए लेकिन रन रेट 5 के आसपास ही रहा। पावरप्ले के बाद रूसो भी आउट हो गए। लुइस ने वापसी की और बड़े शॉट लगाए, लेकिन सलमान इर्शाद ने उन्हें कैच आउट करा दिया। इसके बाद शाकिब ने पहले मोहम्मद रिज़वान (30) को आउट कर अपना 500वां टी20 विकेट लिया और फिर काइल मेयर्स व नवियन बिडाइसी को भी पवेलियन भेजा। अंतिम ओवर में तीन रन आउट हुए और पैट्रियट्स 20 ओवर में 133/9 तक ही पहुँच सके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए रहकीम कॉर्नवाल ने तीन चौकों से शानदार शुरुआत की, जबकि ज्वेल एंड्रयू ने भी ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी की। कॉर्नवाल (तेज़ 17 रन) के आउट होने के बाद रनगति थोड़ी धीमी हुई लेकिन एंड्रयू (28) और गोर ने स्थिति संभाल ली। शाकिब ने भी दो छक्के और एक चौका लगाया। अंत में पैट्रियट्स ने गोर और एंड्रीस गॉस के आसान कैच छोड़कर मैच से हाथ धो डाला। गोर ने विजयी चौका लगाते हुए नाबाद 52 रन पूरे किए और फाल्कन्स ने 19.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

संक्षिप्त स्कोर

सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स: 133/9 (20 ओवर) – इविन लुइस 32, मोहम्मद रिज़वान 30; शाकिब अल हसन 3/11, सलमान इर्शाद 1/20, जयडेन सील्स 1/20

एंटिगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स: 137/3 (19.4 ओवर) – करीमा गोर 52*, ज्वेल एंड्रयू 28; वकार सलामखैल 1/16, नवियन बिडाइसी 1/17

फाल्कन्स 7 विकेट से जीते।

मीराबाई चानू ने वापसी पर कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। भारत की स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अपनी शानदार प्रतिष्ठा को बरकरार रखते हुए अहमदाबाद में सोमवार को हुए कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई ने कुल 193 किग्रा (84 किग्रा स्नैच + 109 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल भार में नए कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाए और महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। लगभग एक साल चोट के कारण अंतरराष्ट्रीय मंच से दूर रहने के बाद वापसी करने वाली 31 वर्षीय मीराबाई हालांकि थोड़ी जंग लगी हुई दिखाई दीं और छह प्रयासों में से केवल तीन ही सफलतापूर्वक पूरे कर सकीं। उन्होंने 84 किग्रा स्नैच के शुरुआती प्रयास में असफल रहीं और दाहिने घुटने में असहज महसूस किया, लेकिन दूसरे प्रयास में उसी वजन को सफलतापूर्वक उठाया। उनका तीसरा प्रयास (89 किग्रा) विफल रहा। क्लीन एंड जर्क में मीराबाई ने 105 किग्रा से शुरुआत की और फिर इसे 109 किग्रा तक बढ़ाया, हालांकि आखिरी प्रयास में 113 किग्रा उठाने में नाकाम रहीं। प्रतियोगिता में असली चुनौती न होने की वजह से मीराबाई खुद से ही मुकाबला कर रही थीं।

बेलिंडा क्लार्क को स्पोर्ट ऑस्ट्रेलिया हॉल ऑफ फेम में 'लीजेंड' का दर्जा

सिडनी,25 अगस्त (एजेंसियां)।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बेलिंडा क्लार्क को स्पोर्ट ऑस्ट्रेलिया हॉल ऑफ फेम ने 'लीजेंड' का दर्जा दिया है। क्लार्क यह सम्मान पाने वाली केवल छठी क्रिकेटर बनी हैं। उनसे पहले डॉन ब्रैडमैन, कीथ मिलर, रिची बेनॉड, डेनिस लिली और शेन वॉर्न को यह सम्मान मिल चुका है। हॉल ऑफ फेम ने इसे उनके खेल में उत्कृष्टता, लंबे करियर, जज्बे और योगदान की पहचान बताया।

क्लार्क को दुनिया की सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने 1991 से 2005 तक के करियर में वनडे में 47.49 और टेस्ट में 45.95 की औसत से रन बनाए। केवल 23 साल की उम्र में कप्तान बनने वाली क्लार्क ने 11 वर्षों तक यह जिम्मेदारी संभाली। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 101 वनडे में से 83 मैच जीते और दो विश्व कप खिताब अपने नाम किए।

1997 विश्व कप में डेनमार्क के खिलाफ 229 रन की नाबाद पारी खेलकर क्लार्क वनडे में दोहरा शतक लगाने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी (पुरुष या महिला) बनीं।

खिलाड़ी जीवन के बाद भी क्लार्क ने महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में प्रशासक और आईसीसी महिला समिति की सदस्य के रूप में योगदान दिया। क्लार्क ने कहा, यह अविश्वसनीय सम्मान है। मैं गर्व, कृतज्ञता और आश्चर्य का मिश्रण महसूस कर रही हूं। क्रिकेट टीम खेल है और यह उपलब्धि भी मेरे साथियों, कोचों और सपोर्ट स्टाफ की मेहनत का नतीजा है। मुझे खुशी है कि महिला क्रिकेट सही दिशा में आगे बढ़ रही है और मैं इसके भविष्य को लेकर आश्वस्त हूं। स्पोर्ट ऑस्ट्रेलिया हॉल ऑफ फेम चयन समिति के अध्यक्ष ब्रूस मैकएवनी ने कहा, क्लार्क एक ट्रेलब्लेज़र हैं। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी से खेल का तरीका बदला। खिलाड़ी, कप्तान और शीर्ष प्रशासक के रूप में उनकी नेतृत्व क्षमता और प्रभाव बेमिसाल है।

2023 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर क्लार्क की प्रतिमा लगाई गई थी और उनके नाम पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया व क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स ने पदक भी शुरू किए हैं।

तीन दिनी खेल एवं फिटनेस जन आंदोलन के रूप में मनाया जाएगा राष्ट्रीय खेल दिवस 2025

नई दिल्ली,25 अगस्त (एजेंसियां)।

केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के आह्वान पर इस वर्ष का राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 एक जन आंदोलन के रूप में मनाया जाएगा। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इस दिशा में तैयारियां शुरू कर दी हैं। राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और पुडुचेरी, चंडीगढ़ व दिल्ली ने अपने-अपने विभागों को तैयारियों के निर्देश जारी कर दिए हैं।

हर वर्ष 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1995 से इसे मनाया जा रहा है और 2012 से यह राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। 2019 में इसी अवसर पर फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत हुई थी, जो अब देशव्यापी फिटनेस अभियान बन चुका है।

इस बार राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 को फिट इंडिया मिशन के नेतृत्व में 29 से 31 अगस्त तक तीन दिवसीय महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाएगा। इसका थीम है— एक घंटा, खेल के मैदान में। इसका उद्देश्य लोगों को प्रतिदिन कम से कम 60 मिनट शारीरिक गतिविधि के लिए प्रेरित करना है, ताकि जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाव किया जा सके।

इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए देशभर के स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, 35 करोड़ से अधिक विद्यार्थी, युवा क्लब, माई भारत और नेशनल सर्विस स्कीम के स्वयंसेवक, आरडब्ल्यूए, पंचायतें, शहरी निकाय, कॉर्पोरेट व पीएसयू, भारतीय ओलंपिक संघ, पैरालंपिक समिति, राष्ट्रीय खेल महासंघ और खेल प्राधिकरण के साथ लाखों सामुदायिक समूह शामिल होंगे।

29 अगस्त को देशभर में नामी खिलाड़ी और जनप्रतिनिधि मैदान में उतरेंगे। प्रणव सूरमा (पेरिस पैरालंपिक रजत पदक विजेता), सुमित अंतिल (डबल पैरालंपिक मेडलिस्ट), श्रेयसी सिंह (कॉमनवेल्थ मेडलिस्ट शूटर), भवानी देवी (ओलंपियन फेंसर) और विष्णु सरवणन (एशियाई खेल पदक विजेता नाविक) सहित कई खिलाड़ी अपने गृह राज्यों और प्रशिक्षण केन्द्रों से समारोह में जुड़ेंगे।

इस वर्ष का उत्सव हर गली, हर मैदान, खेले सारा हिंदुस्तान के नारे के साथ आयोजित होगा। संसद सदस्य और अन्य जनप्रतिनिधि भी स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होकर लोगों को प्रेरित करेंगे।

तीन दिवसीय कार्यक्रम का स्वरूप इस प्रकार होगा:

29 अगस्त: मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि, फिट इंडिया प्रतिज्ञा और एक घंटे का खेल आयोजन।

30 अगस्त: खेल विमर्श, फिटनेस वार्ता और कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकशी जैसे पारंपरिक खेल प्रतियोगिताएं।

31 अगस्त: फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल — पूरे देश में साइकिलिंग को बढ़ावा देने का अभियान।

बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक सभी आयु वर्ग के लिए गतिविधियां तय की गई हैं— बच्चों के लिए पारंपरिक खेल, युवाओं के लिए प्रतियोगिताएं, योग व साइकिल रैलियां, और बुजुर्गों के लिए फिटनेस वॉक। भागीदारी दर्ज करने और प्रोत्साहन के लिए फिट इंडिया मोबाइल ऐप का उपयोग भी किया जाएगा। खेल निर्माण को बढ़ावा देने के लिए आत्मनिर्भर भारत विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होगा और फिट इंडिया ऐप में कार्बन सेविंग्स इंसेंटिवाइजेशन फीचर जोड़ा जाएगा। सोशल मीडिया पर भी इस महोत्सव को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली,25 अगस्त (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार उछाल के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स सोमवार को मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी चौतरफा खरीदारी हो रही है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने शुक्रवार को अपने संबोधन में अगले महीने से ब्याज दरों में कटौती शुरू होने का संकेत दिया था। पॉवेल के इस संकेत की वजह से अमेरिका समेत दुनिया भर के तमाम स्टॉक एक्सचेंज में उत्साह का माहौल बन गया। अमेरिकी बाजार में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 96.74 अंक यानी 1.52 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी के साथ 6,466.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डैक ने 396.22 अंक यानी 1.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,496.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स सोमवार को फिलहाल 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 45,599.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 9,321.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,969.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,363.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी चौतरफा उत्साह का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,954 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,259.50 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 590.78 अंक यानी 2.49 प्रतिशत उछल कर 24,355.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 538.86 अंक यानी 2.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,878 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 1.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,204.46 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,938.25 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.86 प्रतिशत उछल कर 3,858.59 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,263.16 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 104.71 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 42,738 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अस्थिर वैश्विक माहौल में बैंकों, कंपनियों को निवेश चक्र बनाने एक साथ आना चाहिए : आरबीआई गवर्नर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि भारत एक अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल से गुजर रहा है और ऐसे समय में बैंकों और कॉरपोरेट क्षेत्र को मिलकर निवेश चक्र को सशक्त करना चाहिए। वे मुंबई में आयोजित वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन एफआईबीएसी 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। गवर्नर ने कहा कि आज जब बैंकों और कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत है, यह उपयुक्त समय है कि वे साथ मिलकर निवेश और विकास को गति दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि विनियमित संस्थाएं और आरबीआई भले ही अलग-अलग दृष्टिकोण से काम करते दिखें, लेकिन दोनों का साझा लक्ष्य आर्थिक स्थिरता और समावेशी विकास है। मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक वित्तीय प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और वह उभरते क्षेत्रों में ऋण विस्तार के उपायों पर विचार कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने प्रौद्योगिकी अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों को अपनाकर बैंकिंग सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत को नए विकास के अवसर तलाशने होंगे। इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करना होगा। आरबीआई मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता देते हुए विकासोन्मुख नीतियों का संचालन करता रहेगा।

सेबी ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में पब्लिक शेयरहोल्डर माना, सख्त शर्तें भी लगाईं

नई दिल्ली। सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में अपनी बची हुई हिस्सेदारी के साथ पब्लिक शेयरहोल्डर के रूप में दोबारा शामिल होने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी बैंक के रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद दी गई है। आईडीबीआई बैंक ने इस संबंध में बीएसई को जानकारी दी है और बताया कि निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने सेबी के इस फैसले की सूचना दी है। सेबी ने एलआईसी को अपनी हिस्सेदारी के वोटिंग राइट्स 10 फीसदी से ज्यादा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी है। इसके अलावा एलआईसी को बैंक के मामलों में सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी तरह का नियंत्रण रखने की अनुमति नहीं होगी। एलआईसी बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में न तो कोई प्रतिनिधि भेज सकेगी और न ही कोई नॉमिनी रख सकेगी। साथ ही एलआईसी को बैंक के साथ कोई विशेष अधिकार, जैसे शेयरहोल्डर समझौते या अन्य सुविधाएं, नहीं दी जाएंगी। यदि एलआईसी इन शर्तों का पालन नहीं करती है, तो उसका पब्लिक शेयरहोल्डर का दर्जा समाप्त हो जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी शर्त लगाई है कि एलआईसी को अपनी बची हुई हिस्सेदारी दो साल के अंदर 15 फीसदी या उससे कम करना होगा। वर्तमान में केंद्र सरकार और एलआईसी मिलकर आईडीबीआई बैंक में लगभग 95 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं, जिसमें से 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री के लिए रखी गई है।

परमाणु ऊर्जा में विस्तार: एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान में रखेगी न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला

नई दिल्ली। बिजली उत्पादन की प्रमुख सरकारी कंपनी एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान के बांसवाड़ा में

2,800 मेगावाट की न्यूक्लियर पावर परियोजना की आधारशिला रखेगी। इस परियोजना में चार प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर शामिल होंगे, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावाट होगी। यह एनटीपीसी के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश का पहला बड़ा कदम है। एनटीपीसी के एक प्रमुख अधिकारी ने ब्लूमबर्ग एनईएफ समिट में बताया कि कंपनी ने परमाणु ऊर्जा में आक्रामक विस्तार करने का निर्णय लिया है। उनका लक्ष्य है कि 2047 तक एनटीपीसी के पोर्टफोलियो में 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता जोड़ी जाए। एनटीपीसी इस दिशा में एनपीसीआईएल के साथ मिलकर भी काम कर रही है। राजस्थान के माही बांसवाड़ा परियोजना को एनपीसीआईएल के साथ ज्वाइंट वेंचर अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड के तहत स्थापित किया जाएगा, जिसमें एनटीपीसी की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत होगी। एनटीपीसी इस परियोजना के अलावा स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में भी स्थापित करने की योजना बना रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बहाउद्दीन बहार...

सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि मोहम्मद इकबाल हुसैन नाम का एक मुस्लिम युवक, हनुमान की गोद में कुरान रख रहा था। साफ हो गया कि यह कृत्य हिंदुओं ने नहीं, बल्कि मुसलमानों ने किया था। लेकिन इकबाल हुसैन के पीछे कौन शक्तियां थीं? जांच में पता चला कि अवामी लीग के नेता और कोमिला-6 से तत्कालीन सांसद एकेएम बहाउद्दीन बहार इस षडयंत्र का असली मास्टरमाइंड था। हनुमान की गोद में कुरान रखने वाला इकबाल तो सांप्रदायिक अराजकता फैलाने की बड़ी योजना का एक मोहरा मात्र था। असली सरगना तो सांसद एकेएम बहाउद्दीन बहार था। इस आपराधिक साजिश के कारण हुई तबाही और मौतों के बावजूद अभियुक्त को सजा बेहद कम मिली। ढाका स्थित साइबर ट्रिब्यूनल के न्यायाधीश एएम जुल्फिकार हयात ने डिजिटल सुरक्षा अधिनियम के तहत इकबाल को केवल चार महीने के कारावास की सजा सुनाई। सांसद बहार और उसके करीबी सभी षडयंत्रकारी अपनी राजनीतिक शक्ति और प्रभाव के बल पर बेदाग बच निकले।

खुद को स्वतंत्रता सेनानी बताने वाहा बहाउद्दीन बहार असल में रजाकार है, जिसने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तान की अत्याचारी सेना का सहयोग किया था। बहाउद्दीन का काम लंबे समय तक हिंदुओं की जमीनें हड़पने का रहा है। खासकर वह कोमिला में कमजोर हिंदू परिवारों की जमीनें हड़पता रहा। बहार और उसके गिरोह ने नानुआ दिघी के पास हिंदुओं की सम्पत्ति पर कब्जा किया और उसे बेचा या अपने परिवार के सदस्यों को हस्तांतरित किया है। कब्जे की जमीन का फायदा उठाने में उसकी बेटी तहसीन बहार सुचना भी शामिल रही है। यहां तक कि कोमिला के निर्वाचन क्षेत्र-6 में अवामी लीग का सबसे बड़ा पार्टी कार्यालय भी हिंदू मालिकों से अवैध रूप से जब्त की गई जमीन पर बनाया गया था। उसने दुर्गा पूजा को मद्‌जुक्तो-पूजो (शराब का त्यौहार) बता कर पूरे बांग्लादेश का सांप्रदायिक माहौल खराब किया था। बहार की हिंदू-विरोधी हरकतें केवल जमीन हड़पने या हिंसा भड़काने तक ही सीमित नहीं थी। वह अपनी हिंदू विरोधी गतिविधियों का राजनीतिकरण करने में भी माहिर था। उसने बांग्लादेश में कट्टर इस्लामिक रुझान को बढ़ावा देने का काम किया और देश में सांप्रदायिक विभाजन की खाई को बढ़ाया।

5 अगस्त 2024 को अवामी लीग की सरकार के पतन के बाद बहार और उसका परिवार अंडरग्राउंड हो गया। उसकी बेटी तहसीन बहार सुचाना 29 अगस्त 2024 को कोमिला के बुरीचोंग उपजिला से सीमा पार करके चरनाल सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश करने में कामयाब रही। बहार भी कुछ ही देर बाद भारत में घुस आया। आज, बहाउद्दीन बहार और उसकी बेटी कोलकाता के राजारहाट इलाके में बड़े ठाठ से रह रहे हैं। उसे पश्चिम बंगाल के सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस और टीएमसी नेताओं का संरक्षण मिल रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस हिंदू विरोधी षड्यंत्रकारी को भारत का आधार कार्ड, भारतीय पासपोर्ट और यहां तक कि नागरिकता के कागजात भी मुहैया करा दिए गए हैं। उसकी बेटी को भी सारे भारतीय दस्तावेज मिल चुके हैं।

बहार जैसे भारत विरोधी व्यक्ति का भारत में होना सुरक्षा के समक्ष गंभीर चुनौती है। जिस व्यक्ति ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ सांप्रदायिक दंगे भड़काए, हिंदुओं का उत्पीड़न किया, मंदिरों की जमीनें हड़पीं और हिंदू महिलाओं के साथ बदसलूकियां कीं, वह व्यक्ति भारत में शांति और विशेषाधिकार का आनंद ले रहा है। यह भारत के लिए अत्यंत शर्म की बात है। बहार भारत में कैसे घुस आया? किन राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तियों ने उसके प्रवेश और बसने में मदद की? क्या बहार ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए धन और प्रभाव का इस्तेमाल किया? ऐसे कई गंभीर सवाल सामने हैं। कोलकाता में रहते हुए बहाउद्दीन बहार हिंदू-विरोधी कट्टरपंथी अंतरराष्ट्रीय चरमपंथी नेटवर्क के लिए माध्यम का काम कर रहा है।

भारत पारंपरिक रूप से बांग्लादेश में सताए गए हिंदुओं को शरण देने की बात कहता रहा है। जबकि, बहाउद्दीन बहार की भारतीय नागरिकता भारत सरकार के विपरीत आचरण का सबूत है। भारत उत्पीड़ित हिंदुओं को शरण देने के बजाय उत्पीड़क को न केवल शरण बल्कि नागरिकता दे रहा है। यह खतरनाक खेल भारत पर भारी पड़ने वाला है। भारत सरकार को बहाउद्दीन बहार और उसकी बेटी के आधार कार्ड, पासपोर्ट और नागरिकता हासिल करने की तत्काल जांच करनी चाहिए। उसका भारतीय दस्तावेज तत्काल रद्द किया जाना चाहिए और उसे बांग्लादेश वापस भेजने की कार्रवाई करनी चाहिए। भारत और बांग्लादेश के बीच अंतर-सरकारी सहयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि बहाउद्दीन बहार पर हिंदुओं के खिलाफ अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जा सके। सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता बढ़ाई जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बांग्लादेश से राजनीतिक रूप से उजागर भगोड़े झूठी पहचान के साथ घुसपैठ न कर सकें।

एकेएम बहाउद्दीन बहार का वाकया इस बात की सनद है कि एक राजनीतिक अपराधी किस तरह सत्ता, प्रभाव और भ्रष्टाचार के बूते कानून से बच जाते हैं। विडंबना है कि बांग्लादेश में सांप्रदायिक दंगे भड़काने, हिंदुओं की जमीनें हड़पने और हिंदुओं को अपमानित करने के आरोपी व्यक्ति को भारत में सुरक्षित आश्रय मिल गया है। जबकि बांग्लादेश के हिंदू भारत से सुरक्षा और सहायता की उम्मीद लगाए बैठे हैं। भारत को इस विश्वासघात की गंभीरता को समझना चाहिए। बहार की रक्षा करने का मतलब उन अनगिनत हिंदुओं के साथ विश्वासघात करना है जिन्होंने उसके कृत्यों के कारण अपने घर, परिवार और जीवन खो दिए। उनके लिए न्याय तब तक प्राप्त नहीं हो सकता जब तक बहार से भारत में उसके धोखाधड़ी वाले विशेषाधिकार छीन लिए न जाएं और उसे उसके अपराधों के लिए मुकदमे का सामना न करना पड़े। यदि भारत वास्तव में वैश्विक हिंदुओं के रक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाना चाहता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि बहार जैसे लोगों को न्याय का मजाक उड़ाने और चोरी की गई जमीनों और जाली दस्तावेजों पर शांति से रहने की अनुमति न दी जाए। बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए न्याय की शुरुआत बहार को जवाबदेह ठहराने से होती है।

भारत और फिजी...

नाव पर सवार हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत और फिजी एक स्वतंत्र, समावेशी, खुले, सुरक्षित और समृद्ध भारत-प्रशांत का समर्थन करते हैं। राबुका रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के प्रधानमंत्री के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में फ़िजी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्र है। प्रशांत क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ बढ़ाने के चीन के अथक प्रयासों की पृष्ठभूमि में, भारत फ़िजी के साथ अपने रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर विचार कर रहा है।मोदी और राबुका के बीच वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को व्यापक बनाने के लिए सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने कहा, हमने रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया है। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि इसके लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत फिजी की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण और उपकरण सहायता प्रदान करेगा। अपने संबोधन में मोदी ने वैश्विक दक्षिण के लिए भारत की प्राथमिकताओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक दक्षिण के विकास में सहयात्री है। हम एक ऐसी विश्व व्यवस्था के निर्माण में भागीदार हैं, जहां वैश्विक दक्षिण की स्वतंत्रता, विचारों और पहचान का सम्मान किया जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन फिजी के लिए खतरा है और नई दिल्ली आपदा प्रतिक्रिया से निपटने में उसकी मदद करेगी।

तब मनमोहन...

हटाने का प्रावधान है, जिसका विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। अमित शाह ने कहा आज देश में एनडीए गठबंधन के मुख्यमंत्री ज्यादा हैं। प्रधानमंत्री भी एनडीए से हैं। ऐसे में इस विधेयक से सिर्फ विपक्ष पर ही सवाल खड़े नहीं होते बल्कि हमारे मुख्यमंत्रियों पर भी सवाल उठेंगे। अगर फर्जी मामला है तो देश के उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट आंखें बंद करके नहीं बैठे हुए हैं, वे जमानत दे सकते हैं। कांग्रेस सरकार में भी ऐसा प्रावधान था कि अगर सत्र अदालत ने किसी को दो साल जेल की सजा सुनाई है तो उस सदस्य की सदस्यता अपने आप चली जाती थी।

भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद भी आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने जेल में रहने के बाद भी सीएम पद से इस्तीफा नहीं दिया था। इस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा आजकल नई परंपरा आ गई है। दो साल पहले ऐसा कोई मामला नहीं था। आरोप लगने के बाद नेता इस्तीफा देते थे और रिहाई के बाद ही राजनीति में शामिल होते थे। लेकिन तमिलनाडु के कुछ मंत्रियों ने जेल में रहने के बावजूद मंत्रीपद से इस्तीफा नहीं दिया था। दिल्ली के सीएम और गृहमंत्री ने भी इस्तीफा नहीं दिया था। राजनीति को बदनाम करने और सामाजिक नैतिकता को इस स्तर तक गिराने के लिए हम इससे सहमत नहीं हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी दलों की ओर से 130वें संविधान संशोधन विधेयक के विरोध पर कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह और भाजपा दोनों इस विचार को पूरी तरह से खारिज करते हैं कि देश उस व्यक्ति के बिना नहीं चलाया जा सकता, जो जेल में बंद है। उन्होंने पूछा कि क्या कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई भी नेता जेल से सरकार चला सकता है? जेल को सीएम हाउस, पीएम हाउस बना दिया जाए? क्या डीजीपी, मुख्य सचिव, कैबिनेट सचिव या गृह सचिव जेल से आदेश लेंगे? अमित शाह ने कहा, मेरी पार्टी और मैं इस विचार को पूरी तरह से खारिज करते हैं कि इस देश पर उस व्यक्ति के बिना शासन नहीं चल सकता जो जेल में बैठा है। इससे संसद या विधानसभा में किसी के बहुमत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एक सदस्य जाएगा, पार्टी के अन्य सदस्य सरकार चलाएंगे और जब उन्हें जमानत मिलेगी, तो वे आकर फिर से शपथ ले सकते हैं। इसमें क्या आपत्ति है?

उन्होंने कहा, मैं पूरे देश को 130वें संशोधन के बारे में बताना चाहता हूं। इस संशोधन में हमने यह प्रावधान किया है कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या केंद्र या राज्य सरकार का कोई भी नेता गंभीर आरोपों का सामना करता है और गिरफ्तार होता है और अगर उसे 30 दिनों के भीतर जमानत नहीं मिलती है, तो उसे अपना पद छोड़ना होगा। अगर वह इस्तीफा नहीं देता है, तो उसे कानूनन पद से हटा दिया जाएगा। यही हमने 130वें संशोधन में शामिल किया है। गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि खुद प्रधानमंत्री ने ही इस विधेयक के अंतर्गत प्रधानमंत्री पद को लाने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने स्वयं इसमें प्रधानमंत्री पद को शामिल किया है। इससे पहले, इंदिरा गांधी 39वां संशोधन (राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष को भारतीय न्यायालयों की ओर से न्यायिक समीक्षा से बचाने के लिए) लेकर आई थीं। नरेंद्र मोदी अपने ही विरुद्ध एक संविधान संशोधन लाए हैं कि अगर प्रधानमंत्री जेल गए तो उन्हें इस्तीफा देना होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं स्पष्ट कर दूं कि जब कोई निर्वाचित सरकार संसद में कोई संविधान संशोधन लाती है, तो विरोध की अनुमति होती है। मैं पहले ही कह चुका हूं कि यह संशोधन दोनों सदनों की एक संयुक्त समिति को भेजा जाएगा। वहां सभी अपनी राय रख सकते हैं। चूंकि, यह एक संविधान संशोधन है, इसलिए इसके लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, लेकिन क्या लोकतंत्र में यह उचित है कि विधेयक को संसद में पेश ही न करने दिया जाए? दोनों सदन चर्चा के लिए हैं या सिर्फ शोरगुल और व्यवधान के लिए? गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि यह विधेयक पारित हो जाएगा। कांग्रेस पार्टी और विपक्ष में कई लोग होंगे, जो नैतिकता का समर्थन करेंगे और नैतिकता के आधार पर काम करेंगे।

मस्जिद से गाजा के ...

यहां आरोपी ने मस्जिदों में जाकर गाजा में भूखे परिवारों के वीडियो दिखाकर चंदा इकट्ठा किया। पुलिस को अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि यह पैसा गाजा भेजा गया हो। शरद सिंघल ने कहा कि यह जांच का विषय है कि वे पहले कोलकाता क्यों गए और फिर अहमदाबाद आए। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वे वास्तव में चंदा इकट्ठा कर रहे थे या किसी और मकसद से भारत आए थे। उन्होंने बताया कि अमेरिकी डॉलर की बरामदगी और कुछ डिजिटल लेन-देन भी शक पैदा करते हैं। पुलिस अब उनकी गतिविधियों और संपर्कों को समझने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी कुछ संदिग्ध लोगों के संपर्क में थे।

गुजरात एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भी इस मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि आरोपी के असली इरादों का पता लगाया जा सके और यह जाना जा सके कि इकट्ठा किया गया पैसा कहां भेजा गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि उनके नेटवर्क और संपर्कों का पता चल सके। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने माना है कि यह पैसा उन्होंने अपनी शानो-शौकत वाली जिंदगी पर खर्च किया। पुलिस के मुताबिक, दान इकट्ठा कर उन्होंने अपने वीजा नियमों का उल्लंघन किया है। सरकार ने अब उन्हें ब्लैकलिस्ट और डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भारत को जहां...

बाजार में स्थिरता आई है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि देशवासियों को सस्ती और स्थिर ऊर्जा मिले। व्यापार एक वाणिज्यिक लेनदेन है और भारतीय कंपनियां वहीं से तेल खरीदेंगी जहां से उन्हें सर्वश्रेष्ठ सौदा मिलेगा।

विनय कुमार ने यह भी कहा कि भारत-रूस व्यापार आपसी हित और बाज़ार की जरूरतों पर आधारित है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि अमेरिका और यूरोपीय देश भी अब भी रूस से व्यापार कर रहे हैं। साथ ही तेल भुगतान प्रणाली को लेकर राजदूत ने कहा कि भारत और रूस के बीच राष्ट्रीय मुद्राओं में भुगतान प्रणाली अच्छी तरह काम कर रही है और इसमें कोई समस्या नहीं है। तेल के अलावा भारत अब रूस को इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, निर्माण सामग्री, फैशन और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में अपने निर्यात को बढ़ाने पर जोर देगा। कुमार ने कहा कि इन क्षेत्रों में भारत की क्षमता बहुत अधिक है, लेकिन अभी निर्यात अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि इन क्षेत्रों में निर्यात बढ़े और डिजिटल व वित्तीय सेवाओं जैसे सेवा क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाया जाए।

इससे पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अमेरिकी टैरिफ के फैसले की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि भारत अपने किसानों और छोटे उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। भारत सरकार ने कहा है कि वह अमेरिका के इस फैसले के खिलाफ हर जरूरी कदम उठाएगी ताकि देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जा सके।

आवारा कुत्तों पर...

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस भूषण आर गवई ने प्रशासनिक स्तर पर हस्तक्षेप करते हुए इस मामले को जस्टिस पारदीवाला की पीठ से हटाकर एक बड़ी पीठ को सौंप दिया, जिसने पारदीवाला का फैसला बदल दिया।

जस्टिस अभय ओका ने इसे लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी आदेश को बदलना हो, तो वह केवल उसी पीठ द्वारा दोबारा सुनवाई करके या समीक्षा याचिका के जरिए किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश को यह अधिकार नहीं है कि वे किसी पीठ को पत्र लिखकर उसके आदेश में बदलाव करें या मामला किसी दूसरी पीठ को सौंप दें। उनका कहना है कि इस तरह का प्रशासनिक हस्तक्षेप न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करता है। अगर किसी पीठ के आदेश पर असहमति है, तो उस पर कानूनी प्रक्रिया के तहत काम होना चाहिए, न कि सार्वजनिक आलोचना के दबाव में आकर पीठ को बदला जाए। जस्टिस ओका ने सुझाव दिया कि अगर मामला बड़ी पीठ को सौंपना ही था, तो जस्टिस पारदीवाला की मौजूदा पीठ में एक और जज जोड़कर बड़ी पीठ बनाई जा सकती थी। इससे न्यायिक प्रक्रिया में निरंतरता बनी रहती और पहले से जुड़ी पीठ को अचानक हटाने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने इसे सैद्धांतिक रूप से गलत बताया।

चट्टेबट्टे लेकर...

आए घुसपैठियों को वापस भेजने की कोशिशों में जुटी हुई है।

सैयदा हमीद के साथ असम पहुंचने वाले चट्टे-बट्टों में स्वनामधन्य प्रशांत भूषण, हर्ष मंदर, जवाहर सरकार और कई अन्य लोग शामिल हैं। उनलोगों ने कहा कि असम सरकार ने मुसलमानों पर आफत ला दी है और उन्हें बांग्लादेशी कहकर निशाना बनाया जा रहा है। सैयदा ने कहा, अगर घुसपैठिए बांग्लादेशी भी हैं तो इसमें गलत क्या है? बांग्लादेशी भी इंसान हैं। धरती इतनी बड़ी है, बांग्लादेशी यहां भी रह सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह कहना कि अवैध घुसपैठिए असली नागरिकों का हक छीन रहे हैं, बहुत ही परेशान करने वाली बात है। सैयदा ने इसे भ्रामक है और इंसानियत के लिए पूरी तरह नुकसानदायक बताया है। प्रशांत भूषण ने आरोप लगाया कि भारत के मुसलमानों को बांग्लादेश भेजा जा रहा है। यह साफ है कि हिमंत बिस्व सरमा की अगुवाई वाली असम सरकार हर तरह की गैरकानूनी हरकत कर रही है। खासकर नागरिकों को जबरन बांग्लादेश और देश से बाहर धकेल रही है, उनको जमीन से बेदखल कर रही है और उनके घर गिरा रही है।

इस टीम के दौरे को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि जमीयत द्वारा उनका इस्तीफा मांगे जाने के बाद दिल्ली से आई एक टीम असम में डेरा डाले हुए है। उन्होंने कहा, इस टीम में हर्ष मंदर, वजाहत हबीबुल्लाह, फैयाज शाहीन, प्रशांत भूषण और जवाहर सरकार शामिल हैं। इस टीम एक ही मकसद है कि किसी तरह कानूनी तौर पर की जा रही बेदखली को तथाकथित मानवीय संकट बताकर बदनाम किया जाए। यह अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ हमारी लड़ाई को कमजोर करने की सोची-समझी कोशिश है। हम सतर्क हैं और मजबूती से खड़े हैं, कोई भी प्रोपेगेंडा या दबाव हमें अपनी जमीन और संस्कृति की रक्षा करने से रोक नहीं पाएगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख महमूद मदनी के विवादास्पद बयान पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा, मदनी मिल जाए तो उन्हें सीधे बांग्लादेश भेज दूंगा। जमीयत-उलेमा-ए-हिंद ने राज्य में हुई कार्रवाई पर चिंता जताई थी और संगठन की कार्यसमिति ने एक प्रस्ताव पास कर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के इस्तीफे और उन पर हेट स्पीच कानून के तहत आपराधिक कार्रवाई की मांग की थी। सरमा ने कहा, यह असम के लोग तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन होगा, जमीयत अध्यक्ष मदनी नहीं। अगर मैं मदनी को पकड़ लूं तो उन्हें सीधे बांग्लादेश भेज दूंगा। सरमा ने कहा कि उन्हें जमीयत या किसी अन्य संगठन की परवाह नहीं है और वे केवल असम के लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। मुख्यमंत्री ने जमीयत को कांग्रेस की बी टीम बताया।

बांग्लादेशी ही...

दो पाकिस्तानी औरतों के नाम शामिल होने की पुष्टि की। जिलाधिकारी ने कहा, जिले में 24 लाख मतदाता हैं। बीएलओ ने हर बूथ पर वेरिफिकेशन किया है। इस मामले में कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। बिहार में एसआईआर प्रक्रिया में भारत में अवैध रूप से रह रही दो पाकिस्तानी औरतों को पकड़ा गया है। इससे साबित होता है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) कितनी जरूरी प्रक्रिया है। वहीं कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल लगातार इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। इस मामले से विपक्ष के एसआईआर के खिलाफ फैलाए गए सभी प्रोपेगेंडा धराशायी हो गए हैं।

अभी तक यह समझा जा रहा था कि यहां सिर्फ बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं लेकिन भागलपुर में कुछ पाकिस्तानी भी लंबे समय से रह रहे हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इन लोगों ने सरकारी नौकरी भी प्राप्त कर ली है। भागलपुर जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान पता चला कि पाकिस्तान से आईं दो महिलाओं के नाम भी मतदाता सूची में शामिल हैं। खास बात यह है कि दोनों महिलाओं के पास आधार और वोटर आईडी कार्ड भी मौजूद हैं और उन्होंने कई बार मतदान भी किया है। मामला सामने आने के बाद गृह मंत्रालय और चुनाव आयोग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उनके नाम मतदाता सूची से हटाने का आदेश दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने बताया कि जिला प्रशासन ने बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-7 भरकर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बिहार में गहन मतदाता पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। इस दौरान सभी मतदाताओं को अपना पहचान और जन्म प्रमाण पत्र निर्वाचन विभाग को देना है। इस क्रम में उनके दस्तावेजों की जांच भी की जा रही है।

निर्वाचन विभाग ने जब इनके दस्तावेजों की जांच की तो उन्हें संदेह हुआ। निर्वाचन विभाग ने इनके बारे में जानकारी प्राप्त करने का आदेश जिला के जिलाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक और निर्वाचन पदाधिकारी को दिया। इस जांच में यह तथ्य सामने आया कि ये दोनों महिलाएं भागलपुर के भीखनपुर मोहल्ले के टैंक लेन, गुमटी नंबर-3 में रहती हैं। एक का नाम इमराना खानम उर्फ इमराना खातून पति मोहम्मद इब्तुल हसन है, जबकि दूसरी फिरदौसिया खानम उर्फ फिरदौसिया खातून पति मोहम्मद तफजील अहमद है। दोनों मूल रूप से पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के खुशाब जिले के रंगपुर गांव की रहने वाली हैं। बताया जा रहा है कि फिरदौसिया जनवरी 1956 में तीन महीने के वीजा पर भारत आई थी। वहीं, इमराना उसी साल तीन साल के वीजा पर भारत पहुंची। वीजा अवधि खत्म होने के बाद दोनों ने भारत में अवैध रूप से रहना शुरू कर दिया और स्थानीय लोगों से शादी कर ली। इसके बाद उन्होंने आधार और मतदाता पहचान पत्र भी बनवा लिया। दोनों ने वर्षों तक मतदान भी किया।

इमराना खातून सरकारी स्कूल में शिक्षिका भी है। वह 1 जुलाई तक स्कूल भी गई है लेकिन भेद खुलने के डर से वह अब लापता है। इसी प्रकार का एक मामला पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के चंदननगर में भी मिला था। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद जब घुसपैठियों की तलाश शुरू हुई थी तो चंदननगर इलाके से पाकिस्तानी महिला फातिमा बीवी को गिरफ्तार किया गया था।

वह 1980 में अपने पिता के साथ टूरिस्ट वीजा पर आई थी। 1982 में उसने चंदननगर के ही एक बेकरी मालिक मुजफ्फर मल्लिक से शादी कर ली। मुजफ्फर मल्लिक ने गिरफ्तारी के बाद दावा किया था कि उसकी पत्नी चंदन नगर नगर पालिका के वार्ड नंबर 12 की .वोटर हैं। उनके पास आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड जैसे सभी दस्तावेज मिले थे।

आज हरतालिका तीज

सौभाग्य की प्राप्ति का पर्व...हरतालिका तीज

हरतालिका तीज की महिमा को अपरंपार माना गया है। हिन्दू धर्म में विशेषकर सुहागिन महिलाओं के लिए इस पर्व का महात्म्य बहुत ज्यादा है। हरतालिका तीज व्रत हिंदू धर्म में मनाये जाने वाला एक प्रमुख व्रत है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया 26 अगस्त को हरतालिका तीज मनाई जाती है। भारत में हरियाली तीज और कजरी तीज के बाद अब हरतालिका तीज का त्योहार मनाया जाएगा। यह व्रत भी अन्य दोनों व्रत के समान ही महत्व रखता है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का व्रत किया जाता है। हरतालिका तीज व्रत एक कठिन व्रत माना जाता है। इसमें महिलाएं निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। दरअसल भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र में भगवान शिव और माता पार्वती के पूजन का विशेष महत्व है। हरतालिका तीज व्रत कुमारी और सौभाग्यवती स्त्रियां करती हैं। हरतालिका तीज व्रत निराहार और निर्जला किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को सबसे पहले माता पार्वती ने भगवान शंकर को पति के रूप में पाने के लिए किया था। हरतालिका तीज व्रत करने से महिलाओं को सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज व्रत रखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार हरतालिका तीज को सबसे बड़ी तीज माना जाता है। हरतालिका तीज से पहले हरियाली और कजरी तीज मनाई जाती हैं। हरतालिका तीज में भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा की जाती है। हरियाली तीज और कजरी तीज की तरह ही हरतालिका तीज के दिन भी गौरी-शंकर की पूजा की जाती है। हरतालिका तीज का व्रत बेहद कठिन है। इस दिन महिलाएं 24 घंटे से भी अधिक समय तक निर्जला व्रत करती हैं। यही नहीं रात के समय महिलाएं जागरण करती हैं और अगले दिन सुबह विधिवत्त पूजा-पाठ करने के बाद ही व्रत खोलती हैं। मान्यता है कि हरतालिका तीज का व्रत करने से सुहागिन महिला के पति की उम्र लंबी होती है जबकि कुंवारी लड़कियों को मनचाहा वर मिलता है। यह त्योहार मुख्य रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में मनाया जाता है। कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में इस व्रत को गौरी हब्बा के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला और निराहार व्रत रखकर पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। हरतालिका तीज व्रत को सुहागिनों के अलावा कुंवारी कन्याएं रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत के पुण्य प्रभाव से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलता है।

हरितालिका तीज शुभ मुहूर्त

इस वर्ष हरितालिका तीज का व्रत 26 अगस्त 2025 को रखा जाएगा। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 25 अगस्त को दोपहर 12:34 बजे से होगी और इसका समापन 26 अगस्त को दोपहर 1:54 बजे होगा। उदया तिथि (सूर्योदय के समय जो तिथि हो) को मान्यता दी जाती है, इसलिए व्रत 26 अगस्त को रखा जाएगा।

निर्जला रखा जाता है व्रत

हरतालिका तीज व्रत करवा चौथ की तरह ही रखा जाता है। इस व्रत में पानी नहीं पिया जाता। यह व्रत निर्जला रखा जाता है। अगर व्रत के दौरान सूतक लग जाए तो व्रत रख सकते हैं और पूजा रात में कर सकते हैं। हरतालिका तीज पर रात में जगकर माता पार्वती व भगवान भोलेनाथ की पूजा करनी चाहिए।

हरतालिका तीज का महत्व

सभी चार तीजों में हरतालिका तीज का विशेष महत्व है। हरतालिका दो शब्दों से मिलकर बना है- हरत और आलिका. हरत का मतलब है 'अपहरण' और आलिका यानी 'सहेली'. प्राचीन मान्यता के अनुसार मां पार्वती की सहेली उन्हें घने जंगल में ले जाकर छिपा देती हैं ताकि उनके पिता भगवान विष्णु से उनका विवाह न करा पाएं। सुहागिन महिलाओं की हरतालिका तीज में गहरी आस्था है। महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को करने से सुहागिन स्त्रियों को शिव-पार्वती अखंड सौभाग्य का वरदान देते हैं। वहीं कुंवारी लड़कियों को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है।

हरतालिका तीज का व्रत कैसे करें?

हरतालिका तीज का व्रत अत्यंत कठिन माना जाता है। यह निर्जला व्रत है यानी कि व्रत के पारण से पहले पानी की एक बूंद भी ग्रहण करना वर्जित है। व्रत के दिन सुबह-सवेरे स्नान करने के बाद उमामहेश्वरसायुज्य सिद्धये हरितालिका व्रतमहं करिष्ये मंत्र का उच्चारण करते हुए व्रत का संकल्प लिया जाता है।

हरतालिका तीज की पूजन सामग्री

हरतालिका व्रत से एक दिन पहले ही पूजा की सामग्री जुटा लें: गीली मिट्टी, बेल पत्र, शमी पत्र, केले का पत्ता, धतूरे का फल और फूल, अकांव का फूल, तुलसी, मंजरी, जनेऊ, वस्त्र, मौसमी फल-फूल, नारियल, कलश, अबीर, चंदन, घी, कपूर, कुमकुम, दीपक, दही, चीनी, दूध और शहद.

मां पार्वती की सुहाग सामग्री: मेहंदी, चूड़ी, बिछिया, काजल, बिंदी, कुमकुम, सिंदूर, कंघी, माहौर, सुहाग पिटारी.

पूजन विधि

हरतालिका तीज की पूजा प्रदोष काल में की जाती है। प्रदोष काल यानी कि दिन-रात के मिलने का समय. हरतालिका तीज के दिन इस प्रकार शिव-पार्वती की पूजा की जाती है। संध्या के समय फिर से स्नान कर साफ और सुंदर वस्त्र धारण करें। इस दिन सुहागिन महिलाएं नए कपड़े पहनती हैं और सोलह श्रृंगार करती हैं। इसके बाद गीली मिट्टी से शिव-पार्वती और गणेश की प्रतिमा बनाएं। दूध, दही, चीनी, शहद और घी से पंचामृत बनाएं। सुहाग की सामग्री को अच्छी तरह सजाकर मां पार्वती को अर्पित करें। शिवजी को वस्त्र अर्पित करें। अब हरतालिका व्रत की कथा सुनें। इसके बाद सबसे पहले गणेश जी और फिर शिवजी व माता पार्वती की आरती उतारें। अब भगवान की परिक्रमा करें। रात को जागरण करें.। सुबह स्नान करने के बाद माता पार्वती का पूजन करें और उन्हें सिंदूर चढ़ाएं। फिर ककड़ी और हल्वे का भोग लगाएं. भोग लगाने के बाद ककड़ी खाकर व्रत का पारण करें। सभी पूजन सामग्री को एकत्र कर किसी सुहागिन महिला को दान दें।

व्रत कथा

शिव जी ने माता पार्वती जी को इस व्रत के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया था। मां गौरा ने माता पार्वती के रूप में हिमालय के घर में जन्म लिया था। बचपन से ही माता पार्वती भगवान शिव को वर के रूप में पाना चाहती थीं और उसके लिए उन्होंने कठोर तप किया। 12 सालों तक निराहार रह करके तप किया। एक दिन नारद जी ने उन्हें आकर कहा कि पार्वती के कठोर तप से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु आपकी पुत्री से विवाह करना चाहते हैं.। नारद मुनि की बात सुनकर महाराज हिमालय बहुत प्रसन्न हुए। उधर, भगवान विष्णु के सामने जाकर नारद मुनि बोले कि महाराज हिमालय अपनी पुत्री पार्वती से आपका विवाह करवाना चाहते हैं। भगवान विष्णु ने भी इसकी अनुमति दे दी। फिर माता पार्वती के पास जाकर नारद जी ने सूचना दी कि आपके पिता ने आपका विवाह भगवान विष्णु से तय कर दिया है। यह सुनकर पार्वती बहुत निराश हुईं उन्होंने अपनी सखियों से अनुरोध कर उसे किसी एकांत गुप्त स्थान पर ले जाने को कहा। माता पार्वती की इच्छानुसार उनके पिता महाराज हिमालय की नजरों से बचाकर उनकी सखियां माता पार्वती को घने सुनसान जंगल में स्थित एक गुफा में छोड़ आईं। यहीं रहकर उन्होंने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप शुरू किया जिसके लिए उन्होंने रेत के शिवलिंग की स्थापना की। संयोग से हस्त नक्षत्र में भाद्रपद शुक्ल तृतीया का वह दिन था जब माता पार्वती ने शिवलिंग की स्थापना की। इस दिन निर्जला उपवास रखते हुए उन्होंने रात्रि में जागरण भी किया।

उनके कठोर तप से भगवान शिव प्रसन्न हुए माता पार्वती जी को उनकी मनोकामना पूर्ण होने का वरदान दिया। अगले दिन अपनी सखी के साथ माता पार्वती ने व्रत का पारण किया और समस्त पूजा सामग्री को गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया। उधर, माता पार्वती के पिता भगवान विष्णु को अपनी बेटी से विवाह करने का वचन दिए जाने के बाद पुत्री के घर छोड़ देने से व्याकुल थे। फिर वह पार्वती को ढूंढते हुए उस स्थान तक जा पंहुचे। इसके बाद माता पार्वती ने उन्हें अपने घर छोड़ देने का कारण बताया और भगवान शिव से विवाह करने के अपने संकल्प और शिव द्वारा मिले वरदान के बारे में बताया। तब पिता महाराज हिमालय भगवान विष्णु से क्षमा मांगते हुए भगवान शिव से अपनी पुत्री के विवाह को राजी हुए।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

राशि के अनुसार श्रृंगार व उपाय करने से मिलता है हरतालिका तीज का कई गुणा शुभ फल

हरतालिका तीज पर अपनी राशि को ध्यान में रखकर राशि के स्वामी ग्रह को अनुकूल करने के साथ तीज महोत्सव पर शिव-पार्वती का पूजन करने से दोतरफा लाभ मिलता है। एक तो शुभ मुहूर्त में शिव-पार्वती की प्रसन्नता प्राप्त होती है, जिससे व्रत का फल पूर्ण रूप से प्राप्त होता है, दूसरा जन्मपत्री में स्थित आपकी राशि का स्वामी ग्रह सबल हो जाता है। राशि का स्वामी सबल होने से जीवन में आने वाली आधी समस्याओं का निराकरण हो जाता हैं।

मेष और वृश्चिक राशि - मेष और वृश्चिक राशि के लोग लाल वस्त्र धारण कर मां पार्वती एवं भगवान शिव का पूजन करें तथा मां पार्वती का श्रृंगार लाल बिंदी से, लाल पुष्प अर्पण करें, राशि स्वामी मंगल की अनुकूलता भी प्राप्त होगी।

वृष एवं तुला राशि - वृष एवं तुला राशि के लोग सफेद सुगंधित पुष्प एवं चांदी के बिछिए, पायल आदि से माता का श्रृंगार करें एवं सुगंधित इत्र अर्पण करें, राशि का स्वामी ग्रह शुक्र भी अनुकूल होगा, घर परिवार की सुख-समृद्धि बढ़ेगी।

मिथुन एवं कन्या राशि - मिथुन एवं कन्या राशि के लोग हरे वस्त्र पहनकर माता पार्वती को हरी चूड़ियां तथा हरी साड़ी अर्पण करें, बुध ग्रह की अनुकूलता के साथ बौद्धिक विकास होगा जिससे घर में सकारात्मकता का वास होगा।

कर्क राशि - कर्क राशि के लोग देवी मां को बताशा, इलायची दाना अथवा दूध से बने मिष्ठान का भोग लगाएं, सफेद पुष्प अर्पित करें। शिवजी के मस्तक पर विराजमान चन्द्रमा की कृपा प्राप्त होने से मानसिक शांति का अनुभव होगा।

सिंह राशि - सिंह राशि के लोग मां पार्वती का श्रृंगार गुलाबी पुष्प से करें, गुड़ का भोग लगाएं। ग्रह राज सूर्य भगवान का आशीष प्राप्त होगा तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु एवं मीन राशि - धनु एवं मीन राशि के लोग पीले पुष्प एवं पीली चूड़ियों से मां का श्रृंगार करें, राशि स्वामी देवगुरू बृहस्पति की कृपा से कुंवारी कन्याओं को उनका मनचाहा वर प्राप्त होगा और विवाहित स्त्रियों के सौभाग्य में वृद्धि होगी।

मकर एवं कुम्भ राशि - मकर एवं कुम्भ राशि के लोग तीज के दिन माता पार्वती को नारियल चढ़ाएं तथा हलुए का भोग लगाएं। ऐसा करने से न सिर्फ राशि स्वामी शनि की कृपा प्राप्त होगी, साथ ही पारिवारिक कष्टों से मुक्ति भी मिलेगी।

हरतालिका तीज व्रत खानपान के नियम

हरतालिका तीज का व्रत भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मनाया जाता है। इस बार 26 अगस्त मंगलवार के दिन यह व्रत किया जाएगा।हरतालिका तीज का व्रत करने से महिलाओं को दांपत्य सुख की प्राप्ति होती है। विवाहित महिलाओं इस व्रत को अखंड सौभाग्य और पति के सुख की कामना के लिए लिए रखती हैं जबकि अविवाहित लड़कियां भी यह व्रत अच्छा वर पाने के लिए रखती हैं। तृतीया तिथि को किए जाने के कारण स्त्रियों में यह व्रत 'तीजों' के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत को करने वाली स्त्रियां पार्वती के समान सुखपूर्वक जीवन यापन करके शिवलोक को प्राप्त होती हैं। लेकिन इस दिन महिलाओं की छोटी छोटी भूल उनके व्रत को खंडित कर सकती हैं। हरतालिका तीज व्रत का पूरा लाभ पाने के लिए आपको पद्म पुराण में बताए नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है।

✻ हरतालिका तीज व्रत के दौरान किसी भी तरह के अनाज का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही इस व्रत में फल खाने की मनाही भी होती है। मान्यताओं के अनुसार, हरतालिका तीज व्रत में फल खाने से बचना चाहिए। इस दिन फल खाने से बंदर का जन्म मिलता है।

✻ हरतालिका तीज व्रत के दिन पानी भी नहीं पीना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि इस दिन जो महिला पानी का सेवन करती है। उसे अगला जन्म मछली का मिलता है। व्रत का पारण अगले दिन करने के बाद ही पानी पी सकते हैं।

✻ ऐसी मान्यता है कि हरतालिका तीज व्रत के दिन जो भी महिला नमक या किसी भी प्रकार के मीठे व्यंजन का सेवन करती है उसे अगले जन्म मक्खी का मिलता सकता है।

✻ जो महिलाएं हरतालिकी तीज का व्रत करती हैं उन्हें इस दिन दिन में और रात के समय सोना नहीं चाहिए। ऐसी मान्यता है कि व्रत के दौरान सोने से अगला जन्म सांप का मिलता सकता है।

हरतालिका तीज व्रत में क्या करें क्या न करें

जो महिलाएं हरतालिका तीज का व्रत कर रही हैं उन्हें इस दिन सोलह श्रृंगार जरुर करना चाहिए। साथ ही काला, नीला और सफेद रंग के कपड़े पहनने से बचें।

हरतालिका तीज का व्रत जब आप अगले दिन पारण करें तो कोशिश करें की आप तामसिक भोजन ग्रहण न करें।

इस दिन भूलकर भी अपने पति से परिवार के किसी भी सदस्य से वाद विवाद न करें। न ही किसी की बुराई करें।

अपने मन में भगवान का स्मरण करते रहें और रात के समय जागरण करके बिताएं।

हरतालिका पर तुलसी की मंजरी से आजमाएं ये उपाय दांपत्य जीवन रहेगा खुशहाल, अखंड सौभाग्य होगा प्राप्त

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जला व्रत रखने और पूजा-पाठ करने का खास महत्व होता है। मान्यता है कि हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने और व्रत रखने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वहीं, अगर आप इस विशेष तिथि पर तुलसी की मंजरी से जुड़े कुछ आसान उपाय कर लें तो इससे वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, भगवान शिव की कृपा से जीवन की समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है।

दांपत्य जीवन में खुशहाली के लिए करें यह उपाय

हरतालिका तीज के दिन सुहागिन महिलाओं को सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके बाद, भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा को स्थापित करके विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इसी दौरान तुलसी की मंजरी भगवान के चरणों में अर्पित करें और दांपत्य जीवन में सुख-शांति बने रहने की कामना करें। इस उपाय को करने से वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याएं कम होने लगती हैं और पति-पत्नी के बीच का प्रेम गहरा होता है।

इस उपाय से आपकी सभी मनोकामनाएं होंगी पूर्ण

इसके लिए हरतालिका तीज के दिन शिवलिंग पर एक लोटा जल के साथ तुलसी की मंजरी अर्पित करनी चाहिए। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की शिवजी को तुलसी के पत्ते चढ़ाना वर्जित माना गया है। ऐसे में केवल तुलसी की मंजरी ही उन्हें अर्पित करनी चाहिए। इस उपाय को करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा आपको प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जातक की मनोकामनाएं भी पूर्ण हो सकती हैं और जीवन में खुशहाली आती है।

धन में वृद्धि के लिए करें यह उपाय

हरतालिका तीज पर सुबह भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते समय उन्हें तुलसी की मंजरी जरूर अर्पित करें। पूजा करने के बाद तुलसी की मंजरी को उठाकर एक लाल रंग के साफ वस्त्र में बांध लें। अब इसे अपनी तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रखें। इस उपाय को करने से जातक को पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है। तुलसी की मंजरी का यह उपाय करने से धन में वृद्धि के भी योग बन सकते हैं।

इस उपाय से अखंड सौभाग्य होगा प्राप्त

माना जाता है कि हरतालिका तीज व्रत के दिन दान करने का भी खास महत्व होता है। इस तिथि पर सुहाग के सामानों का दान करना सबसे उत्तम माना गया है। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के बाद सुहागिन महिलाओं को साड़ी, बिछिया, चूड़ियां आदि दान करना चाहिए। इस उपाय को करने से अखंड सौभाग्य प्राप्त होता है और वैवाहिक जीवन में आने वाली बाधाएं दूर हो सकती हैं।

फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का टीजर 28 को होगा रिलीज

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अभिनेता वरुण धवन और जाह्नवी कपूर को एक बार फिर साथ देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। वहीं, मेकर्स भी उत्सुकता बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा किया था और अब टीजर की जानकारी देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट के साथ एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मंडप सजेगी, महफिल जमेगी...पर सनी और तुलसी की एंट्री सारी स्क्रिप्ट बदल देगी। टीजर 28 अगस्त गुरुवार को रिलीज होगा। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फैंस उनकी पोस्ट देखकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वहीं, कमेंट सेक्शन पर वे 'हार्ट' और 'फायर' जैसी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

एक यूजर ने कमेंट में लिखा, इंतजार नहीं कर सकते। दूसरे यूजर ने लिखा, सुपर एक्साइटेड, सन्नी। एक और यूजर ने लिखा, फाइनली अब हम वरुण को फिर से रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में देख पाएंगे। अन्य यूजर ने लिखा, आपकी फिल्म को देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

इसी के साथ ही वीडियो को वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा, जाह्नवी कपूर, रोहित श्राफ, मनीष पॉल और करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है।

बता दें, फिल्म की रिलीज डेट पर कई बार बदलाव किए गए हैं। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में एक बार फिर वरुण और जान्हवी स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने साल 2023 में आई फिल्म 'बवाल' में साथ काम किया था।

फिल्म में अक्षय, जाह्नवी और वरुण के अलावा अक्षय ओबेरॉय, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल भी अहम किरदार में हैं।

दिलचस्प बात यह है कि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' अब बॉक्स ऑफिस पर 'कांतारा: अ लीजेंड – चैप्टर 1' और हर्षवर्धन राणे की अभिनीत फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' से टक्कर लेगी।इस बीच, जान्हवी कपूर भी 29 अगस्त को सिनेमाघरों में आने वाली 'परम सुंदरी' की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। दूसरी ओर, वरुण धवन फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे।

अशनूर कौर ने की बिग बॉस 19 में एंट्री, फैंस को कहा शुक्रिया

बिग बॉस 19 का आगाज हो चुका है। इनमें ये 'रिश्ता क्या कहलाता है' की अदाकारा अशनूर कौर भी शामिल हैं। रविवार को उन्होंने बीबी हाउस में प्रवेश किया। इंस्टाग्राम पर अशनूर की एक वीडियो क्लिप साझा की गई है, जिसमें वे प्रशंसकों का आभार जता रही हैं।

इस क्लिप में उन्होंने बिग बॉस जाने से पहले की तैयारियों की एक झलक भी दिखाई है। अशनूर कौर 'बिग बॉस 19' की सबसे युवा प्रतिभागी हैं। उन्होंने शो में प्रवेश करने के बाद इसे जीतने की इच्छा भी जाहिर की थी। अशनूर की टीम ने ये वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आपके प्यार, दुआओं और साथ से आखिरकार अशनूर कौर ने बिग बॉस के घर में एंट्री कर ली है। जो फैंस उन्हें चार साल की नन्ही बच्ची से आज तक बढ़ते देख रहे हैं, उनके लिए यह खास मौका है, पहली बार रियलिटी टीवी पर असली अशनूर को देखने का, जो खूबसूरत, बेबाक और बहुत भावुक भी हैं। हम बेहद खुश हैं कि आप सभी इस सफर का हिस्सा बने हैं और अपने सपोर्ट से इसे और यादगार बना रहे हैं। अशनूर को चीयर करते रहिए, अपना प्यार बांटते रहिए और तैयार हो जाइए ढेर सारी नई और अनमोल यादों के लिए। अब असली रोमांच की शुरुआत होती है।

इस वीडियो में अशनूर ने ये बताया कि जब तक वो ये वीडियो देखेंगे तब तक वह शो में प्रवेश कर चुकी होंगी। साथ ही उन्होंने फैंस को इतना सारा प्यार और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद भी कहा है। यह वीडियो उन्होंने बिग बॉस हाउस में जाने से पहले बनाया था।

अशनूर कौर ने अपना करियर छोटी उम्र में ही शुरू कर दिया था। उन्होंने 2009 में ऐतिहासिक टीवी सीरियल 'झांसी की रानी' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो 'साथ निभाना साथिया', 'शोभा सोमनाथ की', 'ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा', और 'बड़े अच्छे लगते हैं' जैसे सीरियल्स में काम कर चुकी हैं।

'बिग बॉस' में आने से पहले उन्होंने 'सुमन इंदौरी' टीवी सीरियल में मुख्य अभिनेत्री के किरदार में लोगों को खूब पसंद आई थीं। इस सीरियल में अशनूर के साथ टीवी की मशहूर एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी भी नजर आई थीं। 'बिग बॉस 19' का प्रीमियर जियो सिनेमा और कलर्स टीवी पर हो चुका है। जियो सिनेमा पर टीवी से 90 मिनट पहले ही सारे एपिसोड टेलिकास्ट किए जाएंगे। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 16वीं बार इस शो की मेजबानी कर रहे हैं।

निया शर्मा के दांत तो मोतियों जैसे चमकते हैं! अभिनेत्री ने खोला इसका राज

अदाकारा निया शर्मा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर अक्सर सोशल मीडिया में छाई रहती हैं। इनकी खूबसूरती के दीवाने भी कम नहीं हैं। अभिनेत्री की सुंदरता बढ़ाने में उनके मोतियों जैसे दांतों का भी पूरा योगदान है। सोमवार को निया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड कर बताया कि आखिर ये मुमकिन कैसे हुआ?

वीडियो में अभिनेत्री कह रही हैं, आज मैं घरेलू नुस्खे से अपने दांत साफ करने जा रही हूं, जो कि मैंने इंस्टाग्राम से सीखा है। वीडियो में पहले अभिनेत्री ने दांतों पर हल्के दाग दिखाए और फिर कई सामग्रियों, जिनमें बेकिंग सोडा, नमक, नींबू, नारियल तेल, और टूथपेस्ट को मिलाकर तैयार किया है। इस मिश्रण को अभिनेत्री ने अपने दांतों पर लगाया और कुछ मिनट इंतजार करने के बाद ब्रश किया। निया ने अपने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा, मेरा जीवन पूरी तरह से घरेलू नुस्खों में बीत रहा है। पहले मैंने अपने दांतों की सफेदी पर ध्यान नहीं दिया था (क्योंकि वे अभी तक सफेद दिखते थे), लेकिन 5000 इंस्टाग्राम वीडियो देखने के बाद मैंने इसे आजमाया है।

प्रशंसकों को निया का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, आपको यूट्यूब चैनल बनाना चाहिए-निया के नुस्खे, दूसरे ने लिखा, ग्रेट हैक, और एक और अन्य यूजर ने लिखा, बेकिंग सोडा एक्सपेरिमेंट।

निया शर्मा हमेशा से ही त्वचा और छोटी-मोटी समस्याओं के लिए घरेलू नुस्खों को आजमाने में रुचि रखती हैं। अभिनेत्री केमिकल युक्त उत्पादों की बजाय प्राकृतिक तरीकों को अपनाने को भी प्राथमिकता देती हैं और इसे लेकर ब्यूटी टिप्स भी देती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें डार्क सर्कल्स को खत्म करने के लिए घरेलू नुस्खा बताया था। वीडियो में अभिनेत्री बेसन समेत कॉफी, चावल का पानी, हल्दी और थोड़ा शहद को सही अनुपात में लेकर एक पेस्ट बनाकर अप्लाई करती हैं। निया ने इस पैक को सिर्फ डार्क सर्कल्स पर ही नहीं बल्कि अपने पूरे चेहरे पर लगाया। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, हर सुबह जब मैं रातभर 5000 स्किनकेयर और डिटॉक्स ड्रिंक की रील्स देखकर उठती हूं (इतना सब करने के लिए जिंदगी में वाकई बहुत फुर्सत चाहिए), फिलहाल तो कॉफी, बेसन, शहद और हल्दी वाला फेस मास्क ही लगा रही हूं!

सलमान खान-माधुरी दीक्षित के गाने पर रानी चटर्जी ने बनाया मिरर वीडियो, फैंस का खींचा ध्यान

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री रानी चटर्जी हमेशा से ही अपनी दमदार अदाकारी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने के लिए जानी जाती हैं। चाहे वो फिल्म के सेट से कोई बिहाइंड द सीन्स वीडियो हो या फिर उनकी फिटनेस जर्नी की झलकियां... रानी अपने फैंस को हमेशा कुछ नया देने की कोशिश करती हैं। इन दिनों रानी अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान दे रही हैं और जिम में जमकर पसीना बहा रही हैं। सोमवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मिरर वीडियो पोस्ट किया, जिसने एक बार फिर उनके फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा।

इस वीडियो में रानी चटर्जी जिम के अंदर वर्कआउट मैट पर बैठी हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्लू कलर की स्पोर्ट्स जैकेट पहन रखी है और बाल खुले छोड़े हैं, जिससे उनका लुक और भी निखर कर सामने आ रहा है। वह कैमरे की ओर देखते हुए मिरर के जरिए वीडियो बना रही हैं और 90 के दशक के बेहद मशहूर गाने 'मुझसे जुदा होकर' पर लिप्सिंग करती दिख रही हैं।वीडियो में रानी का एक्सप्रेशन ऐसा है मानो वह गाने के हर शब्द को महसूस कर रही हो। वीडियो को पोस्ट करते हुए रानी ने कैप्शन में लिखा, लंबे अरसे बाद बनाई मिरर वीडियो। इस वीडियो पर उनके फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट्स में दिल और फायर इमोजी भेज रहे हैं।

अगर बात करें 'मुझसे जुदा होकर' गाने की तो, यह गाना 1994 में आई सुपरहिट फिल्म 'हम आपके हैं कौन' का है। यह फिल्म बॉलीवुड की सबसे सफल और यादगार पारिवारिक फिल्मों में से एक मानी जाती है। इस गाने को लता मंगेशकर और जाने-माने गायक एस. पी. बालासुब्रमण्यम ने गाया। संगीतकार रामलक्ष्मण ने इसके संगीत की रचना की है और बोल देव कोहली ने लिखे।

फिल्म में इस गाने को सलमान खान और माधुरी दीक्षित पर फिल्माया गया था, जिनकी जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया था। फिल्म का निर्देशन सूरज आर. बड़जात्या ने किया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें , सुहागन स्त्रियों को फल और मिष्ठान देवें । आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा । परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों–मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। छात्रों के लिए समय कठिन परिश्रम वाला रहेगा परन्तु सफलता मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सुबह कर दर्शन करें सूर्य नमस्कार करें आरोग्यता और शुभता मिलेगी । बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। शाम के वक्त चीटियों को शक्कर डालें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज थोडी मुश्किलें आ सकती हैं परन्तु चिंता करने की आवश्यकता नही हैं ईष्टदेव का ध्यान करें और ब्राह्मण को शक्कर का दान करें । अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार मे सन्तोष का माहौल रहेगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक लाभ बनता हुआ दिख रहा हैं कारोबार में स्थिति अनुकूल रहेगी । आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय बनाने के लिए संयम की आवश्यकता हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज शरीर मे थकान ज्यादा रहेगी ध्यान और योग दिनचर्या मे शामिल करें । व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहेगी। किसी से विवाद होने की परिस्थिति मे अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक हैं ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कारोबार के लिए तो दिन अच्छा हैं घरेलू उलझनें रहेगी , बडे बुजुर्गों से मध्यस्था कराने से बाते सुलझ जांएगी आप को परिश्रम करना पडेगा तभी काम मनोकुल होगा , लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन–देन में सावधानी बरतें। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। दोस्तों से व्यवहार अच्छा रहेगा । नंदी महाराज को दलीया और गुड खिलाए , तुलसी का पौधा सींचे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन और माहौल दोनों बढीया हैं कामकाज में कमी रहेगी दूसरे स्त्रोत से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। बेरोजगारी दूर होगी । चहलकदमी करें शरीर तंदरुस्त रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिश्रम ज्यादा करना कार्यक्षेत्र में मुश्किलें पैदा होंगी छोटी–छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं दूध का दान करके यात्रा आरंभ करें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा । प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख–समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते है शापिंग पर खर्चा होगा सुख सुविधाओं पर व्यय अधिक होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन बहतर सुविधाओं वाला रहेगा । किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। शाम को दूध का सेवन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सुबह मंदिर दर्शन करें कार्यसिद्धि होगी विरोधी शान्त रहेंगे व्यापार में धन प्राप्ति के योग हैं। कारोबार में काम की अधिकता रहेगी लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। शिवपार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखमय रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज समय उलझनों मे बितेगा अनजान व्यक्ति पर भरोसा नही करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन–जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों के साथ यात्रा का समय बन रहा हैं संबंध मे मधुरता रहेगी स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 अगस्त 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 01:56 तक
नक्षत्र : हस्त अहोरात्र
योग : साध्य दोपहर 12:08 तक
करण : गर दोपहर 01:56 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री वराह जयंती ,
हरितालिका तीज , भद्रा रात्रि 02:47 से , मन्वादि तिथि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जनसेवा के पथ पर सरकार और संगठन बेहतर तालमेल के साथ तेजी से बढ़ रहे आगे : भजनलाल

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान2047 के संकल्प को तेजी से साकार करने के क्रम में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर कोटा, झालावाड–बारां, टोंक–सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली–धौलपुर, उदयपुर, राजसमन्द, चित्तोड़गढ़, भीलवाड़ा एवं बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के सांसदों एवं प्रत्याशियों के साथ ही इन संसदीय क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों, प्रत्याशियों तथा भाजपा जिला अध्यक्षों के साथ गहन मंथन किया।

इस दौरान शर्मा ने राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए उनसे प्रदेश के विकास के कार्यों के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सुशासन के माध्यम से सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर जनसेवा के नए कीर्तिमान स्थापित किए है। संवाद के दौरान सांसद–विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों ने राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान में ऐतिहासिक निर्णयों से अभूतपूर्व बदलाव आए है। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी भी उपस्थित रहे।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने गांव–ढाणी से लेकर कस्बों तक सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करते हुए जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। अन्त्योदय हमारी नीतियों का केन्द्र बिन्दु हैं। हमनें वंचितों और गरीब के साथ युवा, महिला और किसान कल्याण के लिए दूरगामी निर्णय किए हैं। जिनकी क्रियान्विति से उनके जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। प्रदेश का कोई भी क्षेत्र विकास से अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि आज सरकार और संगठन बेहतर समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। सांसद और विधायक सहित संगठन के पदाधिकारी राज्य सरकार की अभूतपूर्व उपलब्धियों से गौरवान्वित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बिजली और पानी की पर्याप्त, निर्बाध और नियमित आपूर्ति को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल करते हुए अभूतपूर्व निर्णय किए है। पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना पर काम प्रारंभ हो चुका है। इससे 4 लाख हेक्टेयर में सिंचाई और 3 करोड़ आबादी को पेयजल मिलेगा। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा कार्यों की गुणवत्ता एवं गति पर निरंतर नजर रखें। इस दौरान उन्होंने कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत रिचार्ज संरचनाओं के कार्यों की गति एवं संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा की।

शर्मा ने कहा कि हम वर्ष 2027 तक किसानों को दिन के समय में बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे है। आज प्रदेश के 22 जिलों में किसानो को खेती के लिए दिन में बिजली भी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 150 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने की योजना भी लाई है। इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगो को दिलाने हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही बिजली के क्षेत्र में 20 हजार करोड़ रूपये के कार्यों को भी धरातल पर उतारने के लिए कदम उठाए गए हैं।संवाद कार्यक्रम के पश्चात पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित की। प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है।

आतंकियों को धर्म नहीं, कर्म देखकर मारा : राजनाथ सिंह

जोधपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों को धर्म पूछकर मारा था, लेकिन हमारी सेना ने आतंकियों को धर्म नहीं, कर्म देखकर मारा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना अब केवल जवाब नहीं देती, बल्कि दुश्मन को उसकी जमीन पर घुसकर सबक सिखाने की क्षमता रखती है। सोमवार को रक्षा मंत्री ने लाल सागर स्थित आरके दम्मानी राष्ट्रीय पुनरुत्थान एवं शिक्षा केन्द्र में आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का लोकार्पण किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि राजस्थान की मिट्टी में शौर्य रचा–बसा है, जो कहीं और देखने को नहीं मिलता। यहां के वीर सपूत हमारी प्रेरणा हैं, जिन्होंने भारत माता का मान बढ़ाया है। राणा की शक्ति, मीरा की भक्ति, पन्नाधाय की त्याग भावना और भामाशाह की संपत्ति राजस्थान की पहचान है। एक लाइन में कहूं तो यह भक्ति की भी धरती है और शक्ति की भी धरती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा और शिक्षा का संगम अनूठा होता है। जब इसमें खेल का भी समावेश होता है तो यह और भी विशेष बन जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि एकेडमी से निकलने वाले बच्चे न केवल राजस्थान, बल्कि देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान से सेना में बड़ी संख्या में जवान जाते हैं, लेकिन अधिकारी बहुत कम बनते हैं। विद्या भारती का यह प्रकल्प इस कमी को पूरा करेगा और यहां से नेतृत्व देने वाले अफसर भी निकलेंगे। राजनाथ सिंह ने शिक्षा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा में जो बदलाव दिख रहा है, वही भारत की असली ताकत है। नई सोच, नई नीतियों और आधुनिक ढांचे के साथ भारत का युवा भविष्य गढ़ रहा है।

पहलगाम की आतंकी घटना का जिक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि घटना के अगले ही दिन उनकी तीनों सेनाओं के प्रमुखों, सीडीएस, रक्षा सचिव, एनएसए से बैठक हुई थी। सेना प्रमुखों का एक ही स्वर था कि किसी भी ऑपरेशन के लिए हम तैयार हैं। प्रधानमंत्री ने आवश्यक निर्देश दिए और सेना ने सटीक अटैक किया। जो लक्ष्य तय किया गया था, सेना ने उसे सटीकता से भेदा। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की पहचान हमेशा 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरी दुनिया को एक परिवार मानने वाली रही है, लेकिन आतंकवादी जब लोगों को धर्म पूछकर मारते हैं तो भारत मजबूर होकर सख्त कदम उठाता है। यही वजह है कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ बदला नहीं था, बल्कि यह आतंक के खिलाफ एक निर्णायक अभियान था।

जिले को टीबी की बीमारी से मुक्त करने के लिए मिशन मोड में कार्य करना होगा : जिला कलेक्टर

टोंक, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलेक्टर ने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम एवं चिकित्सा विभाग की आमजन को प्रदान की जा रही योजनाओं में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले को टीबी की बीमारी से मुक्त करने के लिए मिशन मोड में कार्य करना होगा। विभाग टीबी की निशुल्क जांच ओर पोषण को लेकर एक्शन प्लान बनाकर कार्य करें। साथ ही जन भागीदारी से निक्षय मित्र बनाकर टीबी रोगियों को पोषण किट उपलब्ध कराएं। निक्षय पोषण योजना और निक्षय मित्र जैसी पहल से टीबी का इलाज और बेहतर हुआ है। रोगियों एवं उनके पास रहने वाले लोगों की समय पर स्क्रीनिंग ओर इलाज का पूरा कोर्स लेना बेहद जरुरी है, तभी हम टीबी को हरा पाऐंगे। जिला कलेक्टर ने मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं कार्यो की समीक्षा कर सीएमएचओ डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौधरी को जिले में अत्यधिक बारिश को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री निशुल्क दवा एवं जांच योजना की ब्लॉकवार जानकारी लेते हुए सभी दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

झोटवाड़ा के विकास के लिए कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने संभाली कमान, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए कैबिनेट मंत्री और स्थानीय विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कमर कस ली है। उन्होंने हाल ही में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और ब्लॉक अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की, जिसमें क्षेत्र के हर प्रमुख कार्य की प्रगति का जायजा लिया गया और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि सभी काम तय समय–सीमा में पूरे हों। बैठक में कर्नल राठौड़ ने कई अहम फैसले लिए, जिनका सीधा फायदा आम जनता को मिलेगा। उन्होंने कहा कि ज्वाला माता मंदिर में रिटेनर वॉल का काम एक महीने में और सड़क का काम दो महीने में पूरा किया जाए।

इसी तरह, कालवाड़ महाविद्यालय, जोबनेर में ट्रॉमा सेंटर, पुलिस थाना और चौकी के कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों को पानी की समस्या से निजात दिलाने के लिए हर ग्राम पंचायत में ट्यूबवेल लगाए जाएंगे, जिनकी सूची पहले ही तैयार हो चुकी है। इसके अलावा, सैटेलाइट अस्पताल को एक साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। झोटवाड़ा के लोगों को सड़कों की बेहतर सुविधा मिले, इसके लिए 50 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों को मंजूरी दी गई है। इसमें से अकेले जोबनेर ब्लॉक में पहली बार 25 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत हुए हैं।

हरियाणा में कांग्रेस की सरकार चुराई गई है : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान के नेतृत्व में आज तमाम कांग्रेस विधायकों ने वोट चोरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। विधायक वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाते हुए मार्च की शक्ल में विधानसभा पहुंचे। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए हुड्डा ने कहा कि राहुल गांधी के खुलासे से साफ हो गया है कि हरियाणा में बीजेपी जीती नहीं, बल्कि उसने कांग्रेस की सरकार चुराई है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि चुनाव आयोग अपनी साख गंवा चुका है और हरियाणा में उसने पूरी तरह बीजेपी के इशारे पर काम किया। यही वजह है कि प्रदेश में जो वोटिंग 1 अक्टूबर को होनी थी, वो 5 अक्टूबर को हुई। उस समय भी कांग्रेस ने चुनाव आयोग की मंशा और कार्यशैली पर संदेह जताया था और तारीख स्थगित करने का विरोध जताया था। इसके बाद तमाम एग्ज़िट पोल्स कांग्रेस की जीत दिखा रहे थे, बावजूद इसके मुख्यमंत्री ने 7 अक्टूबर बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि बीजेपी की जीत के लिए सभी व्यवस्थाएं की जा चुकी हैं।

इससे पहले, वोटिंग के 50 घंटे बाद भी दो तीन बार अलग अलग समय पर डेटा बदली हुई और परिणाम से मात्र 12 घंटे पहले, वोटों में अचानक से 2.5% की वृद्धि दिखाई गई। इसके बारे में जिलेवार और विधानसभा वार डाटा करण सिंह दलाल की अध्यक्षता वाली जांच समिति की रिपोर्ट में रखा गया है।

काउंटिंग के दौरान यह भी देखा गया कि कई एतच् में 99% बैटरी चार्ज मिली थी। इनकी शिकायत को चुनाव आयोग को की गई, लेकिन उसने नजरअंदाज कर दी और आज तक भी कोई सही उत्तर नहीं दिया गया। रानियां में कोर्ट के आदेश के बाद बावजूद, दोबारा गिनती करने की बजाए, आयोग ने ईवीएम का डाटा ही डिलीट कर डाला। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए हुड्डा ने कहा कि राहुल गांधी से हलफनामा मांगने वाले चुनाव आयोग को पहले खुद हलफनामा देना चाहिए। चुनाव आयोग लिखकर दे कि कहीं भी फर्जी वोटर या एक–एक आदमी के दो–दो वोट नहीं है। अगर आयोग लिखकर देता है तो हम उसको अनगिनत सबूत देने के लिए तैयार हैं।

मूंग की एमएसपी पर खरीद नहीं होने के कारण किसानों को भारी नुकसान : दिग्विजय

चंडीगढ़, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने मूंग फसल बोने वाले किसानों के लिए बड़ी मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि मंडियों में मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद नहीं होने के कारण किसान परेशान है और भाजपा सरकार अनदेखी कर रही है। दिग्विजय ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि सरकार तुरंत मूंग को निर्धारित एमएसपी पर खरीदें ताकि किसानों को राहत मिले। उन्होंने यह भी कहा कि एमएसपी नहीं मिलने के चलते मूंग बिजने वाले किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है और इसके लिए सरकार जिम्मेदार है।

दिग्विजय चौटाला ने कहा कि इस बार नहरी पानी की कमी के कारण हरियाणा के सिरसा, फतेहाबाद सहित अनेक जिलों में किसानों ने मूंग की बिजाई अधिक की थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने मूंग फसल का एमएसपी करीब 8700 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित कर रखा है, लेकिन सच्चाई ये है कि सरकारी खरीद नहीं होने के कारण किसान प्राइवेट रेट पांच से छह हजार रुपए तक मूंग बेचने को मजबूर है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि एक तरफ तो भाजपा सरकार 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का ढोंग करती है और इन फसलों में हरियाणा में नहीं उगने वाली नारियल, जूट जैसी फसलें भी शामिल करती है, लेकिन जिस फसल मूंग की पैदावार हरियाणा में हुई है, उसको सरकार एमएसपी पर खरीद ही नहीं रही है।

मनीषा हमारी बेटी थी, उसकी मौत पर नहीं होनी चाहिए राजनीति

नायब सिंह सैनी भिवानी टीचर हत्याकांड पर विपक्ष को खूब सुनाया

चंडीगढ़, 25 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को विपक्ष पर भिवानी में एक शिक्षिका की मौत के मामले में राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हमने विपक्ष से कहा कि मनीषा हमारी बेटी थी, उसकी मौत पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हमने कहा है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं और सरकार उठाए गए हर बिंदु का जवाब देगी... लेकिन विपक्ष बार–बार इस मामले को उठा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल कांग्रेस ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकार पर निशाना साधा था। वहीं हरियाणा सरकार ने मनीषा की मौत की जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है।

मामले पर मंगलवार को विधानसभा में चर्चा होगी

सीएम नायब सिंह सैनी से हरियाणा विधानसभा के मॉनसून सत्र के पहले दिन शुक्रवार को छह बार कार्यवाही स्थगित होने के बारे में सवाल किया गया था, जिसपर उन्होंने यह टिप्पणी की। विपक्षी कांग्रेस ने शुक्रवार को राज्य में 'बिगड़ती' कानून व्यवस्था पर तत्काल चर्चा की मांग की थी। सदन में हंगामा जारी रहने पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने शुक्रवार को विपक्षी कांग्रेस से कहा कि उनका स्थगन प्रस्ताव विचाराधीन है और उन्हें पहले प्रश्नकाल चलने देना चाहिए। उसी दिन बाद में उन्होंने विपक्ष का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। अब इस मामले पर मंगलवार को चर्चा होगी।

मनीषा का शव 13 अगस्त को भिवानी के एक खेत में मिला था। वह 11 अगस्त को स्कूल से निकलने के बाद लापता हो गई थी। वह कथित तौर पर नर्सिंग कॉलेज में दाखिले के बारे में पूछताछ करने गई थी। पीड़िता के परिवार की मांग के आधार पर हरियाणा सरकार ने 20 अगस्त को कहा था कि वह मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)को सौंपने जा रही है।

हरियाणा सीएम सैनी ने रविवार को पानीपत में संवाददाताओं से कहा कि मनीषा को न्याय दिलाने के लिए सरकार हर संभव कोशिश कर रही है। कभी–कभी मुद्दे ऐसे होते हैं...(पहले की जांच में) यह बात सामने आई कि मनीषा ने किसी दुकान से कीटनाशक खरीदा था, ये सारी बातें मेडिकल रिपोर्ट में भी आई हैं (जिसमें उसके शरीर में कीटनाशक की मौजूदगी का ज़िक्र है)।

कांग्रेस की ओर से निर्वाचन आयोग और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर 'वोट चोरी' के आरोप लगाए गए जाने पर सैनी ने कहा कि जब वे (कांग्रेस) चुनाव हार जाते थे, तो ईवीएम को दोष देते थे। फिर वह (राहुल गांधी) संविधान की प्रति लेकर घूमने लगे। इस बार वह वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। वे ऐसे मुद्दे उठाते रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके समय में वोटों की चोरी होती थी... लेकिन आज सब कुछ पारदर्शी हो गया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम नीतीश कुमार ने पटनावासियों को दी 1024.77 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

पटना (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना वासियों को 1024.77 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगातें ही है। उन्होंने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि प्रगति यात्रा के दौरान पटना जिले के लिये की गयी घोषणाओं से संबंधित पटना शहरी (मध्य क्षेत्र) के अंतर्गत योजनाओं का शिलान्यास/कार्यारंभ किया जा रहा है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से पटना शहरी (मध्य क्षेत्र) में आमलो-गों को काफी फायदा होगा तथा बेहतर जनसुविधाएं मिलेगी। मुख्यमंत्री ने पटेल गोलम्बर के पास आयोजित कार्यक्रम स्थल से 196.80 करोड़ रुपये लागत की पटेल गोलंबर से ईको पार्क के पश्चिमी छोर तक तथा इको पार्क के पूर्वी छोर से अटल पथ तक सरपेंटाईन नाले पर भूमिगत नाला के साथ 4 लेन सड़क के निर्माण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके निर्माण कार्य होने से सचिवालय, राजधानी वाटिका तथा एयरपोर्ट आने-जाने में लोगों को काफी सुविधा होगी। खुले नाले पर फोरलेन पथ के निर्माण हो जाने से आवागमन में सहूलियत के साथ-साथ पटना शहर की सुंदरता और बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने डाकबंगला चौक पर आयोजित कार्यक्रम स्थल से 328.52 करोड़ रुपये की लागत से पटना शहरी क्षेत्र में विद्युत संरचनाओं के आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के तहत बिजली के तारों को चरणबद्ध तरीके से भूमिगत करने की परियोजना का शिलापट्ट अनावरण कर कार्यारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा विभाग के सचिव ने मुख्यमंत्री को पटना शहरी क्षेत्र अन्तर्गत अंडरग्राउंड (कवर्ड) बिजली के तारों के रूट प्लान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही मुख्यमंत्री के समक्ष इस योजना से संबंधित एक लघु फिल्म भी प्रस्तुत की गई। जुलाई माह में विद्युत खपत के दौरान शून्य विद्युत शुल्क वाले दो उपभोक्ताओं को सांकेतिक रूप से मुख्यमंत्री ने प्रमाण पत्र सौंपा।

मुख्यमंत्री ने पटना साइंस कॉलेज स्थित न्यूटन हॉस्टल में आयोजित कार्यक्रम स्थल से 30.02 करोड़ रुपये लागत की पटना शहर में अवस्थित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्रावासों का जीर्णोद्धार, आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर कार्यारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अपने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए कहा कि मैं न्यूटन हॉस्टल में भी रहा हूं और आज यहां आकर पुराने दिनों की याद ताजा हो गई। हमारा इस शैक्षणिक परिसर क्षेत्र से पुराना लगाव है। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्रावासों का जीर्णोद्धार, आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य से छात्रों को रहने और पठन-पाठन में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने न्यूटन छात्रावास के छात्रों के साथ तस्वीर खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने छात्रों से कहा कि आप सभी लोग मिल-जुलकर रहें और अच्छे से पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

मुख्यमंत्री ने जेपी गंगापथ पर आयुक्त कार्यालय के निकट आयोजित कार्यक्रम स्थल से 48.96 करोड़ रुपये की लागत से पटना जिला अंतर्गत गांधी मैदान के नजदीक पटना हाट निर्माण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। साथ ही 52.28 करोड़ रुपये की लागत से मंदिरी नाला पर निर्माणाधीन फोरलेन सड़क को जेपी गंगा पथ से जोड़ने हेतु संपर्क पथ के निर्माण कार्य का भी शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने 387.40 करोड़ रुपये की लागत से पटना शहर अंतर्गत गंगा नदी के किनारे दीघा से गांधी मैदान के बीच जेपी गंगा पथ के दोनों तरफ लगभग 7 कि0मी0 की लंबाई में 'जे0पी0 गंगा पथ समग्र उद्यान परियोजना (फेज- 1)' के निर्माण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने 12.38 करोड़ रुपये की लागत की सभ्यता द्वार से कलेक्ट्रीयट घाट तक विचरण पथ के निर्माण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जेपी गंगा पथ निर्माण के बाद यहां पर लोगों की गतिविधियां बढ़ी हैं। यहां पर पर्यटन, मनोरंजन, सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियां तेज हुई हैं। 'जेपी गंगा पथ समग्र उद्यान परियोजना (फेज-1)' के पूर्ण होने पर खुला हरित क्षेत्र का विकास होगा। साथ ही लोगों को अन्य मूलभूत सुविधाएं मिल सकेंगी जिससे वो यहां के मनोरम दृश्य का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि मंदिरी नाला पर बनाए जा रहे फोर लेन सड़क का जेपी गंगा पथ से संपर्क पथ के जुड़े जाने पर नेहरू पथ की सीधी संपर्कता जेपी गंगा पथ से हो जाएगी। शहर के लोगों को आवागमन में और सहूलियत होगी। साथ ही पीएमसीएच और एम्स अस्पताल पहुंचना और आसान हो जाएगा।

पुल न होने से ग्रामीणों की जिंदगी दांव पर, बढ़ते जलस्तर ने बढ़ाई मुश्किलें

पटना (एजेंसियां)।
कैमूर जिले में लगातार बारिश और पहाड़ी क्षेत्र से पानी छोड़ने के कारण नदियों और तालाबों का जलस्तर उफान पर है। भभुआ प्रखंड के दुघरा गांव सहित आसपास के दर्जनों गांवों के लोग अब सुरक्षित आवागमन के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

भभुआ जिला परिषद सदस्य विकास सिंह उर्फ़ लल्लु पटेल ने मौके पर जाकर मीडिया को बताया कि दुघरा गांव से मुजफ्फरपुर जाने के लिए लोग रोजाना नदी पार करते हैं। जीटी रोड तक जाने के लिए ग्रामीणों को 15 किलोमीटर तक घूमना पड़ता है, जबकि पुल बन जाने पर मात्र 500 मीटर की दूरी तय करके स्कूल, हॉस्पिटल और बाजार तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

ग्रामीणों ने बताया कि पुल न होने के कारण उन्हें नाव के सहारे ही आवागमन करना पड़ता है। मरीजों को लेकर बाजार जाना और बच्चों को स्कूल भेजना खतरनाक हो गया है। कई बार नाव पलटने जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। ग्रामीणों ने सरकार से तत्काल पुल निर्माण की मांग की है ताकि उनकी जान जोखिम में न रहे और जीवन सामान्य रूप से चल सके। भभुआ जिला परिषद सदस्य ने भी कहा कि वह ग्रामीणों की समस्या जल्द ही सरकार तक पहुंचाएंगे और पुल निर्माण के लिए कार्रवाई की मांग करेंगे।

घटिया निर्माण को लेकर ग्रामीणों का विरोध, विद्यालय परिसर में की तालाबंदी

सीवान (एजेंसियां)।
सीवान जिले के बसंतपुर प्रखंड के सूर्यपुरा गांव स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में भवन निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि लाखों रुपये की लागत से बन रहे इस विद्यालय में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है और निर्माण कार्य में गुणवत्ता की गंभीर अनदेखी की जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि भवन निर्माण में दो नंबर ईट, मिट्टी मिश्रित गिट्टी, सफेद बालू और निम्न गुणवत्ता वाले अन्य मटेरियल का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे विद्यालय की छत और दीवारें कभी भी ढह सकती हैं। इस कारण बच्चों और शिक्षकों के बीच दहशत का माहौल है।

गुस्साए ग्रामीणों ने विद्यालय के मुख्य गेट को अंदर से बंद कर तालाबंदी कर दी और सैकड़ों की संख्या में एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने घटिया निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने और दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा का मंदिर माने जाने वाले विद्यालय में इस तरह की लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग नहीं हुआ तो भविष्य में भवन बच्चों और शिक्षकों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इस मामले पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि उच्च अधिकारियों को पूरी जानकारी दे दी गई है। फिलहाल निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई है और जांच के बाद संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

तेजस्वी बोले- दो बड़े मंत्रियों में मनमुटाव हुआ था

इसी कारण भ्रष्ट इंजीनियर के ठिकाने पर पहुंची ईओयू

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में ग्रामीण कार्य विभाग के इंजीनियर के ठिकाने से लाखों रुपये बरामद होने और नोट जलाने के मामले में सियसात गरमाने लगी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस मामले को लेकर नीतीश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि दो बड़े मंत्रियों के बीच मनमुटाव के कारण आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने छापेमारी की। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार प्रदत्त भ्रष्टाचार का बिहार में यह आलम है कि भ्रष्टाचार के अरबों रुपए की बंदरबांट में दो बड़े मंत्रियों के हुए मनमुटाव के बाद एक मंत्री ने ईओयू से एक इंजीनियर के यहां छापा मरवाया गया।

तेजस्वी यादव ने लिखा कि जब ईओयू की टीम आरोपी इंजीनियर विनोद कुमार राय के घर पहुंची तो उसने गेट खोलने में घंटो लगा दिए। इस बीच उसने 10 करोड़ रुपये के नोट जला दिए। भ्रष्टाचार की कमाई का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि देर रात एक बजे से सुबह करीब छह बजे तक वह नोट जलाता ही रह गया। इसके बाद जले नोटों को बाथरूम की बाइप में डाल दिया। इससे पाइप जाम हो गया। ईओयू की टीम को कड़ी मशक्कत के बाद बचे-खुचे नोट बरामद हुए।

तेजस्वी यादव ने तंज कसते हुए कहा कि अब तो पूरा बिहार जानता है कि वह मंत्री कौन है? वह आजकल उस विभाग की काली कमाई से स्वयं के (पार्टी के नहीं) हेलीकॉप्टर से उड़ रहे हैं। बता दें कि आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने शुक्रवार को पटना में बड़ी कार्रवाई की थी। इसमें ग्रामीण कार्य विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार राय को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। पटना के भूतनाथ स्थित घर में छापेमारी के दौरान ईओयू को 52 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। बरामद राशि में भारी मात्रा में जली हुई करेंसी नोट भी शामिल है। इतना ही नहीं सोने की बिस्किट समेत 26 लाख के जेवरात, बीमा पॉलिसी, जमीन, मकान के कागजात समेत 20 करोड़ की चल-अचल संपत्ति मिली है।

तटबंध टूटने से 17 गांवों में बाढ़, कई घरों में घुसा पानी, फसलें डूबी, पलायन करने पर लोग मजबूर

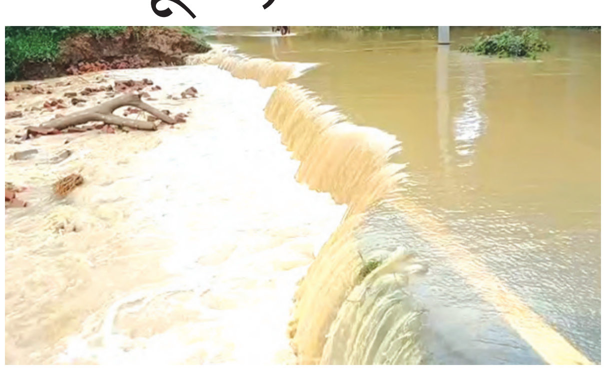

पटना (एजेंसियां)।
बिहार और झारखंड में लगातार बारिश के कारण नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। इस कारण गया, जहानाबाद, नालंदा, पटना समेत कई जिलों में नदियां उफान पर है। नालंदा जिले के हिलसा प्रखंड में लोकाइन नदी के तटबंध में व्यापक कटाव के कारण तीन पंचायतों के 17 गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। धुरी बिगहा गांव के पास तटबंध में लगभग 40 फीट का कटाव होने से हजारों ग्रामीण बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। प्रभावित गांवों में धुरी बिगहा, छियासठ बिगहा, फुलवरिया, लक्कड़ बिगहा, कुसेता, डोमना बिगहा, मुरलीगढ़, सोहरापुर, जमुआरा, चमंडी, रसलपुर, गिलानीपुर, हरिहर खंधा, मिर्जापुर, मराची, लुच्चन टोला, बेलदारी बिगहा और चिकसौरा शामिल हैं। इन गांवों की गलियों में चार से पांच फीट तक पानी बह रहा है, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामाना करना पड़ रहा है।

छियासठ, धुरी बिगहा और सोहरापुर गांव की स्थिति सबसे गंभीर है, जहां पानी घरों में घुसने के कारण ग्रामीण अपने ही घर की छत पर शरण लेने को मजबूर हैं। सैकड़ों एकड़ में लगी फसल पानी में डूब गई है, जिससे किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ के कारण दर्जनों गांवों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। सो-हरापुर पुल, बेलदारी बिगहा, दामोदरपुर, गिलानी पुर, कुसेता, फुलवरिया, हरवंशपुर सहित कई स्थानों पर संपर्क सड़कों के ऊपर से पानी बह रहा है। चिकसौरा पंचायत के खेतों से होकर बाढ़ का पानी करायपरशुराय प्रखंड की दिशा में भी फैल रहा है।

पानी के तेज बहाव के कारण चार मुख्य मार्गों पर सड़कों में व्यापक कटाव हुआ है । इनमें फुलवरिया-बढ़ही बिगहा मुख्य मार्ग पर बढ़ही बिगहा गांव के पास 20 फीट का कटाव, चिकसौरा-चमंडी मुख्य मार्ग पर दामोदरपुर गांव के पास क्षति, चिकसौरा-बेलदारी बिगहा मुख्य मार्ग पर कटाव एवं योगीपुर से कोरावा मार्ग पर शोहरापुर गांव के समीप कटाव हुआ है।

प्रभावित गांवों के किसान अशोक कुमार, रंजीत कुमार, प्रहलाद कुमार, रवींद्र शर्मा, प्रियरंजन कुमार, अंकित कुमार, रंजन कुमार, राजकुमार और टुनटुन यादव ने बताया कि उनके गांव चारों तरफ से पानी से घिरे हुए हैं।

उन्होंने कहा की घरों में पानी घुस गया है और हम असहाय हैं। अब तक प्रशासन की तरफ से कोई सहायता नहीं मिली है। सबसे बड़ी समस्या मवेशियों के चारे की कमी हो गई है। पशुप-ालकों के सामने अपने जानवरों को बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है।

बाढ़ पीड़ितों के खाते में नहीं पहुंची राहत राशि

अंचल कार्यालय पर ग्रामीणों ने किया जमकर हंगामा

मुंगेर (एजेंसियां)।
मुंगेर के जमालपुर प्रखंड के तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लो-गों की बेचैनी गंगा का जलस्तर बढ़ते ही फिर से बढ़ने लगी है। पिछले दिनों आई बाढ़ के बाद हुई तबाही को देखते हुए सरकार ने पीड़ितों को अनुदान राशि देने की घोषणा की थी।

यह राशि सीधे लाभुकों के बैंक खातों में भेजी जानी थी, लेकिन जमालपुर प्रखंड के कई ग्रामीणों के खाते में अब तक पैसा नहीं पहुंचा है।

इसी मुद्दे को लेकर सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण जमालपुर अंचल कार्यालय पहुंचे और जमकर हंगामा किया। इस दौरान सीओ राकेश कुमार कार्यालय में मौजूद नहीं थे। नाराज ग्रामीणों ने कार्यालय का घेराव किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

सिंघिया और कलां रामपुर पंचायत से आए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बाढ़ में उनका घर-बार उजड़ गया, खाने-पीने तक का संकट खड़ा हो गया, लेकिन सरकार द्वारा घोषित राशि अब तक उनके खाते में नहीं आई। ग्रामीणों ने कहा कि हर बार अधिकारी सिर्फ आश्वासन देते हैं, लेकिन राहत राशि समय पर नहीं मिल पाती।

प्रदर्शन में शामिल मुंगेरी मंडल टोला के लोगों ने बताया कि बाढ़ के दौरान न तो प्रशासनिक मदद मिली और न ही पन्नी व सूखा राशन उपलब्ध कराया गया। अब बाढ़ के बाद भी सरकारी सहायता से उन्हें वंचित किया जा रहा है, जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही राहत राशि नहीं दी गई तो आंदोलन और भी उग्र किया जाएगा।

उनका कहना है कि बाढ़ से जीवन पहले ही अस्त-व्यस्त है, ऐसे में राहत राशि में देरी ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

इधर, मामले पर सीओ राकेश कुमार ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के खाते में राशि भेजी जा रही है। जिनके खाते में अभी तक पैसा नहीं पहुंचा है, उन्हें भी राशि मिलेगी।

हालांकि उन्होंने साफ किया कि यदि कोई लाभुक बाढ़ग्रस्त इलाके से नहीं होगा तो उसके खाते में राशि नहीं आएगी।

अवैध बालू खनन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एके-47 के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)।
पटना पुलिस ने अवैध बालू खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से एके-47, एक 315 बोर की राइफल और 160 जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। गिरफ्तार अभियुक्तों में डोरीगंज निवासी सुखराम राय का पुत्र संजय राय, पालीगंज थाना क्षेत्र के जलपुरा निवासी राजनंदन सिंह का पुत्र संजय कुमार सिंह, गौरीगंज थाना क्षेत्र के चकिया निवासी राजेश्वर राय का पुत्र अजीत कुमार और भोजपुर जिला के शिवगंज निवासी विकास प्रसाद का पुत्र यश कुमार शामिल है।

इस संबंध में पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि अवैध बालू खनन कारोबार में शामिल अपराधी नाविकों से रंगदारी वसूलने और दहशत फैलाने के लिए फायरिंग करते हैं। इस सूचना के आधार पर नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम चिन्हित स्थान पर पहुँच कर घेराबंदी करने लगी। पुलिस को घेराबंदी करते देख अपराधी पुलिस पर फायरिंग करने लगे। नतीजतन पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की और फिर पुलिस टीम ने अपराधियों को घुटना टेकने पर मजबूर कर दिया।

बिहार पुलिस की टीम ने चार अभियुक्तों को हथियार समेत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपराधियों के पास से एके-47, एक 315 बोर की राइफल और 160 जिंदा कारतूस बरामद किए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com